नई दिल्ली
रविवार, 6 अप्रैल 2025
चैत्र मास शुक्ल पक्ष,
नवमी वर्ष : 28, अंक : 356
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 36.0
न्यून. 19.0

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बीते 28 मार्च को आए भूकंप के बाद ऑपरेशन ब्रह्मा से म्यांमार की हर संभव मदद में जुटा भारत

म्यांमार के मांडले में सेना के सैन्य अस्पताल ने स्थापित किए नए कीर्तिमान

118 बेड के आपातकालीन फील्ड अस्पताल में घायलों का तेजी के साथ इलाज किया जा रहा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

म्यांमार में बीते दिनों आए विनाशकारी भूकंप के बाद से भारत लगातार अपने पड़ोसी देश की हर संभव मदद करने में लगा हुआ है। ऑपरेशन ब्रह्मा के तहत उसकी सेना, वायुसेना और नौसेना प्राकृतिक आपदा की मार झेल रहे पड़ोसी देश को तत्काल सहायता प्रदान करने के लिए राहत-बचाव सामग्री की खेप भेज रहे हैं। सेना ने शनिवार को बताया कि म्यांमार के सर्वाधिक भूकंप प्रभावित मांडले में स्थापित किए गए कुल करीब 118 बेड के आपातकालीन फील्ड अस्पताल में घायलों

का तेजी के साथ इलाज किया जा रहा है। अस्पताल ने आपदा में चिकित्सा सहायता प्रदान करने के नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। जिसमें पिछले लगभग पांच दिनों में 700 से अधिक भूकंप पीड़ितों का उपचार किया गया है। 5 अप्रैल को अकेले कुल 716 मरीजों की जांच की गई। इसमें से 173 को बीते 24 घंटे से चिकित्सा सहायता प्रदान की जा रही है। यहां बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी हालिया थाईलैंड की यात्रा में म्यांमार सरकार के मुखिया और सीनियर जनरल मिन आंग ह्लाइंग से मुलाकात कर इस मुश्किल वक्त में हर तरह से सहायता करने का आश्वासन दिया गया है।

51 नए मरीज दाखिल हुए, 14 की छुट्टी

सेना ने कहा कि बेहद मुश्किल हालात में मांडले के अस्पताल में 51 नए मरीजों को भर्ती किया गया है। जबकि 14 को इलाज के बाद मिले आराम के बाद छुट्टी दे दी गई है। अस्पताल में आज शामिल भारत की कौशलयुक्त मेडिकल टीम की तत्काल जवाबी प्रतिक्रिया से 38 छोटी सर्जरी और 5 बड़े ऑपरेशन किए गए हैं। इसी के साथ ही बड़ी सर्जरी करने का आंकड़ा 20 के पार पहुंच गया है। जिन्हें छह घंटों में पूरा किया गया। यह भारतीय चिकित्सा दल की विशेषज्ञता और दृढ़ प्रतिबद्धता का प्रमाण है। सर्जरी के अलावा अस्पताल में 715 प्रयोगशाला जांचें और 65 एक्सरे भी किए गए हैं। भारत की मेडिकल टीम की इस व्यावसायिक सेवा से राष्ट्र का गौरव और अंतरराष्ट्रीय ख्याति बढ़ती है। इनके प्रयास मानवीय सहायता और वैश्विक सद्भावना को लेकर भारत की प्रतिबद्धता का एक चमकदार उदाहरण प्रस्तुत करते हैं।

आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक श्री-श्री रविशंकर ने 'रामनवमी' पर 'हरिभूमि' के लिए लिखा विशेष आलेख

अपने भीतर के राम को पहचानिए!

श्री श्री रवि शंकर

इस राम नवमी अपने भीतर के राम को जाग्रत करें और अपने जीवन को सत्य, प्रेम और प्रकाश से आलोकित करें

रामायण न केवल एक ऐतिहासिक ग्रंथ है, बल्कि यह हमारे भीतर चलने वाली आध्यात्मिक यात्रा का भी प्रतीक है। इसके सभी पात्र और घटना हमारे जीवन के किसी न किसी पहलू को दर्शाते हैं। राम का अर्थ प्रकाश, दिव्यता और आत्मा से है। यह हमारे भीतर की चेतना है, जो हमें सही मार्ग पर ले जाती है। जब भीतर का प्रकाश जाग्रत होता है, तब सच्चे अर्थों में राम हमारे भीतर जन्म लेते हैं। दशरथ का अर्थ 'दस रथ' अर्थात दस इंद्रियां - पांच ज्ञानेंद्रियां (आंख, कान, नाक, जीभ, त्वचा) और पांच कर्मेंद्रियां (हाथ, पैर, मुंह, गुदा, जननेंद्रिय) हैं। जब ये इंद्रियां संतुलित होती हैं और कुशलता (कौशल्या) से जुड़ती हैं, तब आत्मा रूपी श्रीराम का जन्म होता है। यह दर्शाता है कि जब हम अपने इंद्रियों को नियंत्रित करते हैं और कुशलता से कार्य करते हैं, तब हमारे भीतर दिव्यता प्रकट होती है। लक्ष्मण जागरूकता का प्रतीक हैं, जो आत्मा के साथ हमेशा रहती है। भरत चमक और प्रतिभा को दर्शाते हैं, जो हमारे भीतर की सकारात्मक ऊर्जा है। शत्रुघ्न का अर्थ शत्रु का नाश करने वाला होता है। जब भीतर शत्रु उत्पन्न ही नहीं होते, तो हमें उनसे लड़ने की आवश्यकता ही नहीं होती। यह दर्शाता है कि आत्मा जब जागृत होती है, तो सभी नकारात्मक भाव समाप्त हो जाते हैं। अयोध्या हमारे शरीर का प्रतीक है, जो वध करने लायक नहीं है। हमारा शरीर एक मंदिर है, जिसमें आत्मा रूपी राम का वास होता है। जब हमारा मन और आत्मा संतुलन में होते हैं, तब हम सच्चे अर्थों में अयोध्या में निवास करते हैं। सीता मन का प्रतीक हैं। जब मन लोभ और मोह के वशीभूत हो जाता है, तब अहंकार रूपी रावण उसे हरण कर लेता है। यही कारण है कि जब हम अपने मन को विषय-वासना और अहंकार में उलझा देते हैं, तो हमारा ▶▶ शेष पेज 5 पर

रामनवमी विशेष

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

सिद्ध गन्धर्व यक्षाद्यैरसुरैरमरैरपि।
सेव्यमाना सदा भूयात सिद्धिदा सिद्धिदायिनी।

खबर संक्षेप

पीएम वर्टिकल लिफ्ट समुद्री पुल का करेंगे उद्घाटन

चेन्नई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज रामेश्वरम में भारत के पहले वर्टिकल लिफ्ट समुद्री पुल का उद्घाटन करेंगे। पीएम कई परियोजनाओं को भी राष्ट्र को समर्पित करेंगे। आधिकारिक कार्यक्रम की पूर्व संध्या पर भारतीय रेलवे ने नए पंबन पुल का एक प्रचार वीडियो जारी किया। इस पुल को 550 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से बनाया गया है।

चारधाम यात्रा मार्ग पर तैनात होंगे 6000 जवान

देहरादून। उत्तराखंड के चार प्रसिद्ध हिमालयी मंदिरों की वार्षिक तीर्थयात्रा के बेहतर प्रबंधन के लिए चारधाम यात्रा मार्ग को 15 सुपर जोन, 41 जोन और 137 सेक्टर में बांटा गया है। गढ़वाल के आईजी राजीव स्वरूप ने कहा कि सुरक्षा व परिवहन व्यवस्था की निगरानी के लिए 6000 जवान तैनात होंगे।

कोलंबो में दोनों देशों के शीर्ष नेताओं के बीच हुई द्विपक्षीय बैठक में निकला यह महत्वपूर्ण परिणाम

प्रधानमंत्री ने श्रीलंका से की मछुआरों की तुरंत रिहाई की मांग, पूरी होंगी तमिल आकांक्षाएं

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिशानायके के बीच शनिवार को कोलंबो में एक महत्वपूर्ण प्रतिनिधिमंडल स्तर की द्विपक्षीय बैठक हुई। जिसमें दोनों देशों के मछुआरों की समस्याओं का मुद्दा प्रमुखता से शामिल किया गया।

प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति दिशानायके के समक्ष श्रीलंका की जेलों में बंद भारतीय मछुआरों की जल्द रिहाई के साथ उनकी नौकाओं समेत स्वदेश वापसी की मांग की। मामले को मानवीय दृष्टिकोण से देखने के अलावा उन्होंने उम्मीद जताई कि श्रीलंका की सरकार तमिलों की आकांक्षाओं को पूरा करेगी। वहीं, चीन का नाम बगैर श्रीलंका के राष्ट्रपति ने पीएम मोदी को यह भरोसा दिलाया कि उनके जमीनी और समुद्री भूभाग का प्रयोग किसी भी तरह से भारत के राष्ट्रीय हितों और सुरक्षा को नुकसान पहुंचाने के लिए नहीं करने दिया जाएगा। विदेश मंत्रालय ने बताया कि दोनों शीर्ष नेताओं की बातचीत में आपसी सहयोग से जुड़े हुए तमाम मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक के बाद दोनों देशों के बीच रक्षा, ऊर्जा, डिजिटल, वित्त और स्वास्थ्य क्षेत्र के साथ कुल 7 समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। ▶▶ शेष पेज 5 पर

राष्ट्रपति दिशानायके ने प्रधानमंत्री को श्रीलंका के सर्वोच्च सम्मान 'श्रीलंका मित्र विभूषण' से किया सम्मानित

बैठक के बाद भारत-श्रीलंका के बीच रक्षा, ऊर्जा सहित 7 एमओयू पर किए गए हस्ताक्षर

इंडिपेंडेंस स्क्वायर पर परंपरागत स्वागत

यहां बता दें कि पीएम मोदी बैंकॉक में बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में शिरकत करने के बाद अपनी तीन दिवसीय श्रीलंका यात्रा के तहत बीते शुक्रवार रात कोलंबो पहुंचे थे। जहां हवाईअड्डे पर श्रीलंका सरकार के 6 कैबिनेट मंत्रियों ने उनका स्वागत किया। इसके बाद होटल पहुंचने पर भारतीय समुदाय ने भी पीएम का गर्मजोशी से इस्तकबाल किया। 5 अप्रैल को पीएम का श्रीलंका के ऐतिहासिक इंडिपेंडेंस स्क्वायर पर परंपरागत रूप से स्वागत किया गया। यह पहला मौका है जब किसी विदेशी राष्ट्राध्यक्ष का श्रीलंका ▶▶ शेष पेज 5 पर

श्रीलंका ने रिहा किए 11 भारतीय मछुआरे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संयुक्त प्रेस वक्तव्य में कहा कि बैठक में मैंने और राष्ट्रपति दिशानायके ने मछुआरों की आजीविका से जुड़े मामलों पर चर्चा की। हम दोनों इस विषय पर एक मानवीय दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ने और एक-दूसरे के देशों में बंद ▶▶ शेष पेज 5 पर

श्रीलंका की सरकार और लोगों का आभार माना

श्रीलंका के राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री मोदी को श्रीलंका के सर्वोच्च सम्मान 'श्रीलंका मित्र विभूषण' से सम्मानित किया। प्रधानमंत्री ने गर्व के साथ इस सम्मान को स्वीकार करते हुए श्रीलंका के राष्ट्रपति, वहां की सरकार और लोगों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह दोनों देशों के लोगों के बीच गहरी मित्रता, ऐतिहासिक संबंधों का प्रतीक है। यह केवल मेरा सम्मान नहीं है। बल्कि भारत के 140 करोड़ देशवासियों को दिया गया सम्मान है। विदेश मंत्रालय ने बताया, ये पहला मौका है जब किसी भारतीय राजनेता को श्रीलंका के सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित किया गया है। पीएम मोदी को इस सम्मान से नवाजने के पीछे की वजह उनके द्वारा दोनों देशों के संबंधों को मजबूत बनाने में दिया गया योगदान है।

श्रीलंका संग हमेशा खड़ा रहेगा भारत

प्रधानमंत्री ने कहा, भारत एक सच्चे पड़ोसी मित्र के रूप में श्रीलंका की मदद के लिए एक ढाल के रूप में हमेशा खड़ा रहेगा। पूर्व में हमने 2019 के आतंकी हमले, कोविड महामारी और हालिया आर्थिक संकट में श्रीलंका को मदद पहुंचाई है। भारत का मानना है कि दोनों देशों के सुरक्षा हित समान हैं और आपसी निर्भरता के तहत हमारी सुरक्षा भी एक-दूसरे से जुड़ी हुई है। पड़ोस सबसे पहले, महासागर विजन में श्रीलंका की अहम भूमिका है। रक्षा समझौते का स्वागत करते हुए हमने कोलंबो सुरक्षा संगोष्ठी, हिंद महासागर में सुरक्षा सहयोग को लेकर सहमति प्रदान की है। विदेश सचिव ने बताया, रक्षा समझौते का संबंध भारत-श्रीलंका की राष्ट्रीय सुरक्षा और बेहतर समन्वय से जुड़ा हुआ है। यह एक अंबेला फ्रेमवर्क है, जिससे मौजूदा भागीदारी संरचित हो जाएगी। उच्च स्तरीय आदान-प्रदान, संयुक्त युद्धाभ्यास, एचएडीआर अभियान, क्षमता विकास, नौसेनाओं के युद्धपोतों की बंदरगाह पर लंगर डालने जैसी गतिविधियां बढ़ेंगी।

सुप्रीम कोर्ट से खाद्य मंत्री गोविंद सिंह राजपूत को बड़ी राहत

मानसिंह के मामले में एसआईटी के गठन और खात्मा रिपोर्ट में हस्तक्षेप करने से किया इंकार

गोविंद सिंह राजपूत की प्रतिक्रिया

सार्वजनिक जीवन में मर्यादाओं का पालन करते हुए कई बार अग्निपरीक्षा देनी होती है और झूठे आरोपों का सामना भी करना पड़ता है, किंतु षड़यंत्र और झूठ कई दिनों तक नहीं टिकता है।

सीबीआई जांच की मांग को भी शीर्ष अदालत ने 'अनुचित और बिना ठोस आधार' के मानते हुए खारिज कर दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्यप्रदेश के वरिष्ठ मंत्री गोविंद सिंह राजपूत को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। शीर्ष न्यायालय ने मानसिंह प्रकरण में सीबीआई जांच की मांग और एसआईटी गठित कर खात्मा रिपोर्ट में हस्तक्षेप की याचिका को सिरे से खारिज कर दिया है। ▶▶ शेष पेज 5 पर

- मंत्री राजपूत के समर्थकों में खुशी और संतोष का माहौल, विपक्ष पूरी तरह से हताश

मंत्री राजपूत बोले-सुप्रीम कोर्ट का आदेश षड़यंत्र करने वालों को करारा जवाब

विदित हो कि सागर निवासी विनय मलैया और राजकुमार सिंह ने सुप्रीम कोर्ट में अलग-अलग याचिका दाखिल कर सुप्रीम कोर्ट द्वारा पूर्व में गठित एसआईटी के गठन को चुनौती देते हुए सीबीआई जांच की मांग की थी, साथ ही एसआईटी द्वारा प्रस्तुत खात्मा रिपोर्ट पर सवाल उठाए थे। सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर खाद्य मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ▶▶ शेष पेज 5 पर

भारतीय जनता पार्टी का स्थापना दिवस आज

बूथ कार्यकर्ताओं से भी करेंगे मुलाकात

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा रविवार 6 अप्रैल, को दिल्ली में आयोजित कई कार्यक्रमों में शिरकत करेंगे। वे रविवार को भाजपा के केंद्रीय कार्यालय में पार्टी के झंडे का ध्वजारोहण करने के साथ-साथ कल दिल्ली में बूथ कार्यकर्ताओं से भी मुलाकात करेंगे। नड्डा पूर्वाह्न 11:00 बजे दीनदयाल उपाध्याय मार्ग पर स्थित भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय कार्यालय पर पार्टी के झंडे का ध्वजारोहण करेंगे। इसके पश्चात वे पार्टी मुख्यालय में स्थिति जन संघ के संस्थापक एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं भाजपा के

नड्डा दिल्ली में पार्टी के कई कार्यक्रमों में होंगे शामिल

संस्थापक तथा अंत्योदय एवं एकात्म मानववाद के प्रवर्तक पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। वे इस अवसर पर केंद्रीय कार्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं को भी संबोधित करेंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष दोपहर 12:00 बजे दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी की वयोवृद्ध कार्यकर्ता एवं 1997 में दिल्ली की मेयर रहीं 98 वर्षीया श्रीमती शकुंतला आर्या जी के घर पर जायेंगे एवं उनके आवास पर भाजपा का झंडा फहराएंगे।

वे भोपाल से देवास जा रहे थे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल से देवास जा रहे केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के काफिले में शामिल पुलिस की गाड़ी आष्टा थाना क्षेत्र के ग्राम बेदाखेड़ी के पास हादसे का शिकार हो गई है। काफिले में शामिल गाड़ी अनियंत्रित होकर पलटने से उसमें सवार 3 पुलिस जवान घायल हुए हैं। घायल जवानों को तुरंत इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शिवराज सिंह चौहान शनिवार को भोपाल से देवास जिले के खातेगांव संदलपुर जा रहे थे। उनका काफिला जैसे ही आष्टा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम बेदाखेड़ी के पास पहुंचा तो काफिले में शामिल एक फॉलो वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। घटना में तीन पुलिसकर्मी घायल हुए हैं, जिनमें एएसआई एसपी सिमोलिया, नीरज शुक्ला और आकाश अटल शामिल हैं। घायल पुलिसकर्मियों को तुरंत सीहोर जिला अस्पताल में किया गया है जहां उनका इलाज चल रहा है।

- तीन पुलिसकर्मी घायल, अस्पताल में इलाज

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज के काफिले का वाहन पलटा

कारवार में किया 2 हजार करोड़ रुपए की आधुनिक ढांचागत सुविधाओं का उद्घाटन

बोले राजनाथ, आईओआर में नौसेना की प्रतिबद्धता, अर्थव्यवस्था-सैन्य ताकत के दम पर किसी देश का दबाया नहीं जा सकता

रक्षा मंत्री ने 'आईओएस सागर पहल' के तहत सुनयना पोत को दिखाई हरी झंडी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को इंडियन ओसियन शिप (आईओएस) सागर पहल के तहत भारतीय नौसेना के अपतटीय गश्ती जहाज आईएनएस सुनयना को कर्नाटक के कारवार से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जहाज में भारत के अलावा अफ्रीका महाद्वीप के कुल 9 देशों (कोमोरोस, केन्या, मेडागास्कर, मालदीव, मॉरीशस, मोजांबिक, सेशेल्स, श्रीलंका और दक्षिण-अफ्रीका) के 44 कर्मी सवार हैं। यह सब एक साथ अगले 33 दिनों तक हिंद महासागर के दक्षिण पश्चिमी क्षेत्र में समुद्री गश्त के साथ-साथ पड़ने वाले विशिष्ट आर्थिक जोन (ईईजेड) की निगरानी करेंगे। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान जारी कर यह जानकारी दी। जिसमें बताया कि समारोह में सीडीएस जनरल अनिल चौहान, नौसेनाप्रमुख एडमिरल डी.के. त्रिपाठी और रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह मौजूद थे। ▶▶ शेष पेज 5 पर

8 मई को कोच्चि में होगी वापसी

मंत्रालय ने बताया, सुनयना की यह यात्रा 8 मई को समाप्त होगी। जिसमें जहाज कोच्चि वापस लौटेगा। एक महीने से अधिक की समुद्री यात्रा में इसके अहम पड़ावों में तंजानिया का दार-एस-सलाम, नकाला, पोर्ट लुइस, पोर्ट विक्टोरिया और माले जैसे बंदरगाह होंगे। जबकि तंजानिया, मोजांबिक, मॉरीशस और सेशेल्स में वह संयुक्त रूप से ईईजेड की निगरानी करता हुआ नजर आएगा। गौरतलब है कि आईओएस सागर की खास बात यह है कि इसमें इतनी बड़ी तादाद में अलग-अलग देशों के नौसैन्य कर्मी एक साथ सुनयना जहाज पर रहेंगे यानी उनका खाना, पीना और सोना सब एक साथ होगा। आईओएस सागर से नौसेना की बाकी अफ्रीकी देशों की नौसेनाओं के साथ आपसी समझ बढ़ेगी, सभी अपने अनुभवों को साझा करेंगे, समुद्री क्षेत्र में अंतर-परिचालन क्षमता और अधिक मजबूत होगी।

आरोपी ठेकेदार बिहार से गिरफ्तार

वेतन विवाद में ठेकेदार ने की थी कर्मचारी की हत्या

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

पूर्वी दिल्ली के मंडावली इलाके में लंबित वेतन मांग रहे कर्मचारी की चाकू घोंपकर हत्या करने के आरोपी 40 वर्षीय ठेकेदार को बिहार के गया से गिरफ्तार किया गया है। आरोपी ठेकेदार का नाम लक्ष्मण प्रसाद बताया गया है। वहीं मृतक का नाम राम प्रवेश था। वह ठेकेदार के पास मजदूरी करता था। आरोपी ठेकेदार 2018 से ही फरार था। प्रसाद मूलरूप से बिहार के नवादा जिले का रहने वाला है। 2019 में दिल्ली की एक अदालत ने इसे भगौड़ा घोषित किया था।

पुलिस के अनुसार पीओपी ठेकेदार के रूप में काम करने वाले प्रसाद ने कथित तौर पर अपने भतीजे मुरारी के साथ मिलकर प्रवेश पर हमला किया था। वेतन न मिलने पर प्रवेश के साथ उसका अक्सर विवाद होता था। मामला निपटाने के बहाने आरोपियों ने उसे एक सुनसान जगह पर बुलाया था और फिर उस पर चाकू से हमला कर दिया। राम प्रवेश को गंभीर चोटें आईं और बाद में अस्पताल में उसकी मौत हो गई थी। पुलिस के कि तमाम प्रयासों के बावजूद प्रसाद वर्षों तक गिरफ्त से बाहर रहा और विभिन्न शहरों में अपना ठिकाना बदल बदल कर रहता रहा। आरोपी ने पूछताछ के दौरान पुलिस को बताया कि वह बार-बार सार्वजनिक रूप से बकाया मांगने से अपमानित महसूस कर रहा था, जिसके कारण उसने अंततः अपने भतीजे के साथ मिलकर हत्या की योजना बनाई थी।

दो युवकों पर चाकू से वार कर उतारा मौत के घाट

नई दिल्ली। मध्य जिले के नबी करीम स्थित विनोट बस्ती में शनिवार दोपहर दो युवकों पर चाकू से ताबड़तोड़ वार किये गये। दोनों को गंभीर हालत में पास के अस्पताल में ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। मृतकों में 33 वर्षीय अंकित और 32 वर्षीय राहुल शामिल है। दोनों करीबी दोस्त बताये गये हैं। पुलिस हत्या का मामला दर्ज कर केस की छानबीन कर रही है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि शुरुआती अंकित वेल्डिंग का काम करता था। वहीं राहुल नबी करीम थाने का घोषित बदमाश था। शुरुआती जांच में पता चला है कि दोनों का कुछ लोगों से झगड़ा हुआ था। इसके बाद हमलावरों ने दोनों पर चाकू से ताबड़तोड़ वार किये और मौका पाकर घटनास्थल से फरार होने में कामयाब रहे। पुलिस आसपास के इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच कर हमलावरों की तलाश कर रही है। इसके लिये ऑपरेशन सेल की टीमों को भी जांच में लगाया गया है।

मयूर विहार में कार पर फायरिंग से सनसनी

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के मयूर विहार में शनिवार शाम कार पर ताबड़तोड़ फायरिंग से सनसनी फैल गई। इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। पुलिस और एफएसएल टीम मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल में जुटी रही। सूत्रों के मुताबिक समाचार अपार्टमेंट के पास यह वारदात शाम करीब चार बजे सामने आई। सफेद रंग की कार पर आधा दर्जन राउंड फायरिंग की गई। घटना के बाद के वीडियो सामने आये जिसमें कार के शीशे पर गोलियों के निशान साफ देखे गये।

गलत तरीके से फंसाने का आरोप लगाकर संविदा कर्मचारी ट्रेन से कटा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

झंडेवालान स्थित आयकर विभाग के कार्यालय में कार्यरत 23 वर्षीय संविदा कर्मचारी ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के पास ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिये भेज दिया है। मृतक शख्स का नाम विजय वर्मा बताया गया है। उसने मरने से पहले परिवार को ऑडियो संदेश भेजकर विभाग के सीनियरों पर खुद को गलत तरीके से मामले में फंसाने का आरोप लगाया। पुलिस आरोपों की जांच कर रही है।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि विजय वर्मा ने आत्महत्या करने से पहले एक अप्रैल को अपने परिवार को ऑडियो संदेश भेजे थे, जिसमें उसने कहा था कि वह अपने कार्यस्थल पर एक मामले में ''गलत तरीके से फंसाए जाने'' से परेशान है। सूत्र ने कहा विजय ने ऑडियो क्लिप में कहा कि उसने कोई गलती नहीं की है और उसने सवाल किया कि उसे सजा क्यों दी जा रही है। पुलिस उपायुक्त (रेलवे) के. पी. एस. मल्होत्रा ने बताया कि मध्य प्रदेश के भिंड का मूल निवासी विजय अपने परिवार के साथ मिंटो रोड स्थित 'सीजीआरसी कॉम्प्लेक्स स्टाफ क्वार्टर' में रहता था। उन्होंने बताया कि शनिवार दोपहर को नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन पुलिस को एक रेलवे ज्ञापन मिला, जिसमें बताया गया कि सिग्नल संख्या 144 के पास एक व्यक्ति ट्रेन के नीचे आ गया है। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल से मिले मोबाइल फोन की मदद से मृतक की पहचान की। मल्होत्रा ने बताया कि प्रत्यक्षदर्शियों और ट्रेन चालक ने बताया कि पटरी के पास बैठा युवक सामने से आ रही ट्रेन की ओर भागा। शव लेडी हार्डिंग अस्पताल के शवगृह में रखा गया है।

अमानतुल्लाह ने वक्फ विधेयक के खिलाफ किया उच्चतम न्यायालय का रुख

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी (आप) विधायक अमानतुल्लाह खान ने वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देते हुए उच्चतम न्यायालय का रुख किया है। खान ने अपनी याचिका में अनुरोध किया कि वक्फ (संशोधन) विधेयक को 'असंवैधानिक और संविधान के अनुच्छेद 14, 15, 21, 25, 26, 29, 30 और 300-ए का उल्लंघन करने वाला' घोषित किया जाए और इसे रद्द करने का निर्देश दिया जाए। खान ने अपनी याचिका में कहा कि यह विधेयक संविधान के अनुच्छेद 14, 15, 21, 25, 26, 29, 30 और 300-ए के तहत प्रदत्त मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है। यह मुसलमानों की धार्मिक और सांस्कृतिक स्वायत्तता को कमतर करता है, यह मनमाने ढंग से कार्यकारी हस्तक्षेप को सक्षम बनाता है और अपने धार्मिक तथा धर्मार्थ संस्थानों का प्रबंधन करने के अल्पसंख्यक अधिकारों को कमजोर करता है। कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद और एआईएमआईएम के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने शुक्रवार को उच्चतम न्यायालय में वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025 की वैधता को चुनौती दी थी और कहा था कि यह संवैधानिक प्रावधानों के खिलाफ है। जावेद की याचिका में आरोप लगाया गया है कि विधेयक में वक्फ संपत्तियों और उनके प्रबंधन पर मनमाने प्रतिबंध लगाने के प्रावधान किये गये हैं, जिससे मुस्लिम समुदाय की धार्मिक स्वायत्तता कमजोर होगी। अधिवक्ता अनस तनवीर के माध्यम से दायर याचिका में कहा गया है कि विधेयक में मुस्लिम समुदाय से भेदभाव किया गया है, क्योंकि इसमें 'ऐसे प्रतिबंध लगाए गए हैं, जो अन्य धार्मिक बंदोबस्तों में मौजूद नहीं हैं। राज्यसभा में 128 सदस्यों ने विधेयक के पक्ष में जबकि 95 ने विरोध में मतदान किया, जिसके बाद इसे पारित कर दिया गया।

86 लाख की चोरी में शामिल उड़ीसा का गिरोह दबोचा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दक्षिण जिले की डिफेंस कालोनी पुलिस ने एक बड़ी चोरी को अंजाम देने वाले ओडिशा के गिरोह का पर्दाफाश किया है। इस गिरोह में शामिल चोर घरेलू नौकर बनकर वारदात को अंजाम देते थे। इसी प्रकार से पॉश डिफेंस कालोनी के एक घर से इन्होंने 80 लाख रुपये के आभूषण और लगभग 6 लाख रुपये नकदी चोरी की थी।

डीसीपी अंकित चौहान के अनुसार पकड़े गये चोरों में घरेलू नौकर निर्मल मलिक, उसकी पत्नी, प्रभाकर साहू (चोरी के आभूषणों का रिसीवर) और रति रंजन मलिक (आभूषणों को बेचने में मदद करने वाले) शामिल है। चोरी की यह घटना 26 दिसंबर 2024 को बी-ब्लॉक, डिफेंस कॉलोनी के एक घर में सामने आई थी। मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान टीम ने तकनीकी निगरानी के माध्यम से कुछ महत्वपूर्ण और प्रमुख इनपुट हासिल किए। शिकायतकर्ता के अनुसार घरेलू नौकर निर्मल मलिक को 14 दिसंबर को काम पर रखा गया था। वह घटना के दिन से गायब था। उसका मोबाइल फोन भी बंद था। आखिर में उसे उड़ीसा से गिरफ्तार किया गया। लगातार पूछताछ के दौरान आरोपी ने खुलासा किया कि जब उसे पता चला कि उसकी मालकिन और उसका परिवार 23 से 28 दिसंबर तक क्रिसमस पार्टी के लिए गोवा जा रहे हैं, तो उसने घर में चोरी करने का फैसला किया। घटना के दिन उसने अपने सहयोगी धर्मेंद्र दास उर्फ राजा को घर बुलाया। उन्होंने लॉकर तोड़कर आभूषण और नकदी चुरा ली। चोरी करने के बाद वे फरार हो गये थे।

दिल्ली में हर दिन आ रहे हैं कुत्तों के काटने के दो हजार मामले : विजय गोयल

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में प्रतिदिन दो हजार मामले कुत्तों के काटने के आ रहे हैं। एक अकेले राम मनोहर लोहिया अस्पताल में प्रतिदिन 200 से अधिक मामले कुत्तों के काटने के आते हैं। आवारा कुत्तों की बढ़ती हुई समस्या को लेकर पूर्व केन्द्रीय मंत्री विजय गोयल ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दिल्ली भर में पोस्टर, होर्डिंग्स लगाकर आवारा कुत्तों की समस्या पर लोगों की राय मांगी है। गोयल ने बताया कि देश भर में कुत्तों के काटने का आंकड़ा प्रतिदिन 20 हजार है। बड़ी संख्या में लोग उनको फोन कर रहे हैं कि उनके भी गली-मोहल्ले में आवारा कुत्तों की बड़ी समस्याएं हैं।

सरकारी स्कूलों में दाखिले के लिए विशेष कैंप का आयोजन

नई दिल्ली। दिल्ली के श्री राम कॉलोनी में स्थित सी ब्लॉक सर्वोदय विद्यालय के गेट नंबर 1 के सामने, नियर सिया मस्जिद, एक विशेष कैंप का आयोजन किया गया। कैंप के बारें में वरिष्ठ अधिवक्ता अशोक अग्रवाल ने बताया कि इस कैंप का उद्देश्य सरकारी स्कूलों में बच्चों के दाखिले की प्रक्रिया को सरल और सुगम बनाना था, और यह कहना गलत नहीं होगा कि यह आयोजन अपनी मंशा में पूर्ण रूप से सफल रहा। सुबह 9 बजे से शुरू हुए इस कैंप में बड़ी संख्या में अभिभावकों ने अपने बच्चों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए उत्साहपूर्वक भाग लिया। बताया गया कि कैंप में वार्ड नंबर 246 के निगम पार्षद आमिल मलिक की भूमिका भी उल्लेखनीय रही।

वायु प्रदूषण की रोकथाम को लेकर हुई बैठक

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, दिल्ली सरकार राजधानी को स्वच्छ, हरित और सस्टेनेबल बनाने को लेकर वायु प्रदूषण के खिलाफ निर्णायक कदम उठा रही है। इसे लेकर पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने दिल्ली सचिवालय में पर्यावरण विशेषज्ञों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक के दौरान आईआईटी दिल्ली, स्कूल ऑफ़ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर, सीईईडब्ल्यू, द एनर्जी एंड रिसोर्सेज इंस्टिट्यूट, सीएसटीईपी, डब्ल्यूआरआई इंडिया, सीएसई, क्लीन एयर एशिया और क्लीन एयर कलेक्टिव जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के प्रतिनिधियों ने साइंस, इनोवेशन और कम्युनिटी-लेवल इंटरवेंशन्स पर वायु प्रदूषण पर आधारित सुझाव साझा किए। बैठक में विशेषज्ञों ने सस्टेनेबल अर्बन मोबिलिटी, कंस्ट्रक्शन डस्ट कंट्रोल और डेटा-ड्रिवन एयर क्वालिटी इंटरवेंशन्स पर बल दिया। पब्लिक ट्रांसपोर्ट के लिए ईवी वाहनों को तेजी से अमल में लाने और पुरानी, उम्र पूरी कर चुके वाहनों को हटाने पर फोकस किया। भविष्य को देखते हुए मेट्रो नेटवर्क को इस तरह बढ़ाया जाएगा कि हर नागरिक को 400 मीटर के दायरे में मेट्रो स्टेशन उपलब्ध हो सकेगा।

आईजीआई पर 'स्मार्ट पुलिस बूथ' का एलजी ने किया उद्घाटन

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल 3 पर शनिवार को एलजी विनय सक्सेना द्वारा स्मार्ट पुलिस बूथ का उद्घाटन किया गया। इसके जरिये वास्तविक समय उड़ानों की जानकारी, ई-एफआईआर दर्ज कराने, आपातकालीन हेल्पलाइन, परस्पर संवादात्मक यात्री सहायता और सीधी निगरानी की जा सकेगी। सभी सुविधाओं से सुसज्जित स्मार्ट पुलिस बूथ के उद्घाटन के दौरान पुलिस कमिश्नर संजय अरोड़ा भी मौजूद रहे।

डीसीपी उषा रंगनानी के अनुसार इस पहल का उद्देश्य हवाई अड्डे की सुरक्षा और 'डिजिटल पुलिसिंग' पहल को मजबूत करना है। दिल्ली पुलिस और दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (डायल) द्वारा संयुक्त रूप से उन्नत तकनीकी सुविधाओं को एकीकृत करके यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए यह बूथ बनाया गया है। इस बूथ में उन्नत तकनीकी विशेषताएं शामिल हैं, जैसे खोई हुई वस्तुओं की सीधे सूचना देना, गुमशुदा व्यक्तियों की सूचना, आपातकालीन सहायता और हवाई अड्डे के टर्मिनल क्षेत्रों की वास्तविक समय में सीसीटीवी निगरानी। यह सहज डिजिटल बोर्ड और इंटरैक्टिव पैनल के माध्यम से उड़ानों के आगमन और प्रस्थान, सुरक्षा अलर्ट, आपातकालीन संपर्क विवरण और यात्रा दिशा-निर्देशों सहित वास्तविक समय की जानकारी प्रदान करता है। यात्री आसानी से ई-एफआईआर दर्ज करा सकते हैं, जिससे पुलिस थाने जाने की आवश्यकता समाप्त हो जाएगी। अधिकारी ने बताया कि इंटरैक्टिव पैनल इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे के बारे में व्यापक जानकारी प्रदान करता है। इस कार्यक्रम में उपराज्यपाल ने प्रौद्योगिकी आधारित पुलिसिंग उपायों को अपनाने के लिए दिल्ली पुलिस की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, तेजी से बदलते शहरी परिवेश में नागरिकों की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए ऐसी पहल महत्वपूर्ण हैं।

आयुष्मान योजना पर कांग्रेस ने कहा, आसानी से नहीं मिलेगा लोगों को इलाज, लगाई गई हैं कड़ी शर्तें

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा है कि आयुष्मान योजना का ढिंढोरा तो भाजपा सरकार पीट रही है लेकिन इस योजना का लाभ लेने के लिए जो शर्तें है उनके अनुसार हर किसी का इलाज संभव नही होगा। अगर किसी के पास दो पहिया वाहन है, घर में टीवी है, या किसी का पक्का मकान है तो यह लोग आयुष्मान योजना का लाभ नहीं मिलेगा। सरकार ने जो एक लाख लोगों का आयुष्मान कार्ड बनाने का लक्ष्य रखा है वह भ्रमित करने वाला है। क्योंकि एक अनुमान के अनुसार दिल्ली में करीब 4 लाख से अधिक लोग 70 वर्ष से अधिक उम्र वाले है। यादव ने कहा कि आयुष्मान भारत योजना आज से दिल्ली में शुरू तो गई लेकिन पहले चरण में इसका फायदा अंत्योदय अन्न योजना कार्ड धारकों को मिलेगा। एक अनुमान के मुताबिक दिल्ली में करीब 68 हजार अंत्योदय अन्न योजना कार्ड धारक है। अगर एक लाख में 68 हजार कार्ड इनके बनेंगे तो भाजपा सरकार सिर्फ 32000 आयुष्मान कार्ड ही अन्य लोगों के बनाएंगी, जबकि मुख्यमंत्री यह भी कह रही है इनमें 70 वर्ष के वृद्धां को वरीयता दी जाएगी। यादव ने कहा कि केन्द्र की आयुष्मान योजना की सच्चाई यह है कि 145 करोड़ की जनसंख्या के अनुपात में देश भर में मात्र 25 लाख आयुष्मान वंदना कार्ड बने है। और सिर्फ 32 हजार अस्पतालों में ही इस कार्ड से इलाज हो सकता है जिनमें 14000 से ज्यादा प्राईवेट अस्पताल है। यादव ने कहा कि आयुष्मान भारत योजना को लागू करने के लिए दिल्ली और केन्द्र सरकार के बीच हस्ताक्षर होने के बाद 10 अप्रैल तक कम से कम एक लाख लोगों का आयुष्मान कार्ड बनाने का लक्ष्य रखा गया है, जबकि दिल्ली में एक अनुमान अनुसार 4 लाख से अधिक 70 वर्ष से ज्यादा उम्र वाले लोग रहते है।

डीयू ने 'कर्तव्यम' का किया उद्घाटन

नई दिल्ली। भारत के संविधान के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में, दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) ने विश्वविद्यालय के ऐतिहासिक वाइस रीगल लॉज में 'कर्तव्यम' नामक एक उच्च स्तरीय सम्मेलन का उद्घाटन किया। डीयू प्रशासन ने शनिवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि कर्तव्यम का उद्घाटन डीयू की एक साल तक चलने वाली राष्ट्रीय पहल की शुरुआत का प्रतीक है जिसका उद्देश्य आधुनिक लोकतांत्रिक समाज में कर्तव्य की अवधारणा की गहरी समझ को बढ़ावा देना है। यह कार्यक्रम भारत और पड़ोसी देशों के 16 विश्वविद्यालयों के सहयोग से शुरू किया जा रहा है जिसका उद्देश्य राष्ट्रव्यापी नागरिक और शैक्षणिक आंदोलन को गति देना है। उद्घाटन सम्मेलन में दो प्रतिष्ठित न्यायविदों, न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा और भारत के अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी, ने बतौर मुख्यातिथि भाग लिया। डीयू प्रशासन ने बताया कि न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा, भारत के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश और दिल्ली विश्वविद्यालय के कैंपस लॉ सेंटर के पूर्व छात्र हैं। व्याख्यानों, संवादों, विद्वानों के आदान-प्रदान और सामुदायिक संपर्क के माध्यम से, 'कर्तव्यम' का उद्देश्य नागरिकों की एक ऐसी पीढ़ी तैयार करना है जो अपनी जिम्मेदारियों के प्रति उतने ही सजग हों जितने कि अपने अधिकारों के प्रति।

शिक्षा और सहकारिता से गरीब वर्ग को आत्मनिर्भर बनाएगी दिल्ली सरकार : रविन्द्र

नई दिल्ली। शिक्षा और सहकारिता के माध्यम से गरीब और वंचित वर्ग को दिल्ली सरकार आत्मनिर्भर बनाएगी। समाज कल्याण, एससी/एसटी कल्याण, चुनाव और सहकारिता मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने शनिवार को डॉ. बी. आर. अम्बेडकर यूनिवर्सिटी में भारत रत्न बाबा साहेब की 'जयंती सप्ताह' का विश्वविद्यालय परिवार के साथ शुभारंभ के मौके पर यह बातें कही। यहां मंत्री रविन्द्र इन्द्राज ने कहा कि दिल्ली सरकार पीएम नरेन्द्र मोदी और सीएम रेखा गुप्ता के नेतृत्व में भारत रत्न बाबा साहेब के सपनों को साकार करने में जुटी है। मंत्री ने कहा कि सत्र 2025-26 से पॉलिटैक्निक, आईटीआई और स्किल डेवलपमेंट के कोर्स करने वाले एससी छात्रों को प्रतिमाह एक हजार रुपये दिये जाएंगे। गरीब और वंचित वर्ग के स्कूल-कॉलेज के छात्रों को स्टाइपेंड देने से लेकर विदेश में पढ़ाई तक सरकार पूरा सहयोग देगी।

लोग बाहर से दवाइयां खरीदने को हुए मजबूर

डबल इंजन की भाजपा सरकार में नहीं मिल रही दवाइयां : आप

- महंगी दवाइयां बाहर से खरीदने के लिए कहा जा रहा है

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी ने भाजपा की डबल इंजन की सरकार पर दिल्ली के अस्पतालों में दवाईयां नहीं मिलने के आरोप लगाए हैं। आप ने शनिवार को दावा करते हुए कहा कि आप नेताओं ने शनिवार को दिल्ली के अस्पतालों में दौरा किया और मरीजों को दवाइयां नहीं मिलने पर भाजपा सरकार में दिल्ली की बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था की पोल खोली।

आप नेताओं से मिली जानकारी के अनुसार तिलक नगर से विधायक जरनैल सिंह, कोंडली से विधायक कुलदीप कुमार के अलावा 'आप' नेता प्रवीण कुमार रीना गुप्ता, राजेश गुप्ता, घनेंद्र भारद्वाज, प्रवीण, जलज चौधरी, अजय शर्मा, सुभाष लाला और मोहिनी जीनवाल ने दिल्ली के 10 सरकारी अस्पतालों का दौरा किया और दवा लेने आए लोगों से बात की। इस दौरान वहां लोगों ने बताया कि जब से भाजपा की सरकार आई है, दवा नहीं मिल रही है। सिर्फ कुछ सस्ती दवाइयां ही मिल रही हैं, बाकी सारी महंगी दवाइयां बाहर से खरीदने के लिए कहा जा रहा है। जबकि अरविंद केजरीवाल की सरकार में उन्हें सारी दवाइयां मिलती थीं। 'आप' का कहना है कि केजरीवाल सरकार में दवाइयां और इलाज सब मुफ्त था, लेकिन अब भाजपा सरकार में स्वास्थ्य माफिया को जनता को लूटने की खुली छूट मिल गई है। आप नेता प्रवीण कुमार ने जनकपुरी के सुपर स्पेशयलिटी अस्पताल में जाकर बताया कि यहां दवाइयों की किल्लत है और भाजपा की सरकार बनते ही दिल्ली में अस्पतालों की हालत बदतर हो गई है। अस्पतालों में जरूरी दवाइयों की भारी कमी है और मरीज़ों को बाहर से महंगी दवाएं खरीदनी पड़ रही हैं। आखिर भाजपा स्वास्थ्य माफिया के साथ मिलकर दिल्ली की जनता के स्वास्थ्य और जेब के साथ खिलवाड़ क्यों कर रही है?

पहले दवाइयां मुफ्त मिलती थीं, लेकिन अब मिलती है पर्ची

आप नेता कुलदीप कुमार ने कहा कि केजरीवाल के राज में लोगों इलाज और दवाइयां मुफ्त मिलती थीं, लेकिन भाजपा के राज में सिर्फ पर्ची मिलती है, दवाइयां नहीं मिलती हैं। आप नेता जरनैल सिंह ने आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा ने कहा था कि 'आप' सरकार की जनहित की योजनाएं बंद नहीं करेगी, लेकिन अब जनहित की योजनाएं बदहाल होती जा रही हैं। आप नेता रीना गुप्ता ने कहा कि भाजपा की रेखा गुप्ता सरकार में लोगों को जरूरी इंजेक्शन व दवाइयां नहीं मिल पा रही हैं, लोगों को दवाइयों के लिए दर-दर भटकना पड़ रहा है। आप नेता राजेश गुप्ता ने कहा कि भाजपा की सरकार में दिल्ली के सरकारी अस्पतालों का हाल बुरा है, स्वास्थ्य माफिया को जनता को लूटने की खुली छूट दे दी गई है।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **मोहम्मद जमील पुत्र शाह मोहम्मद पताः मकान नं.25, ओखला टैंक के पास, हरकेश नगर दिल्ली ने प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 158/2012 धारा 379/411/34 भा.द.स. के तहत** थानाः कश्मीरी गेट, दिल्ली के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **मोहम्मद जमील** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **मोहम्मद जमील** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। अतः इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 158/2012 धारा 379/411/34 भा.द.स. के तहत थाना कश्मीरी गेट, दिल्ली के उक्त मोहम्मद जमील** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **09.05.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
वैभव गर्ग
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–11
(केन्द्रीय), कमरा नं.138
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/2605/N/2025

मुख्यमंत्री ने नवरात्रि के शुभ अवसर पर शालीमार बाग के स्कूल में किया कन्या पूजन

किसी छात्रा को कुछ भी जरूरत है तो मुझसे कर सकती है बात : रेखा गुप्ता

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

यदि किसी छात्रा को किसी भी प्रकार की आवश्यकता हो तो वह निःसंकोच अपनी अध्यापिका को बताए। अध्यापिका सीधे मुख्यमंत्री से संपर्क कर सकती हैं, और यदि आवश्यक हो, तो छात्राएं स्वयं भी मुख्यमंत्री से सीधा संवाद कर सकती हैं। नवरात्रि के पावन अवसर पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को शालीमार बाग के एस के वी स्कूल में कन्या पूजन (कंजक) के आयोजन पर छात्राओं से संवाद के दौरान यह बातें कही। बता दें कि उन्होंने यहां कन्या पूजन का आयोजन कर मां दुर्गा के नौ रूपों का प्रतीक मानी जाने वाली कन्याओं का विधिवत पूजन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने स्कूल की बालिकाओं को तिलक लगाया, उपहार भेंट किए और सामूहिक रूप से उन्हें भोजन कराया। मुख्यमंत्री ने कहा कि नवरात्रि देवी उपासना का पर्व हैं। नारी शक्ति, संस्कार और समर्पण का उत्सव है। अष्टमी के पावन अवसर पर हमारी संस्कृति में इस दिन कन्याओं का पूजन करते हैं, उनका आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। मैं स्वयं पिछले 20 वर्षों से हर वर्ष दोनों नवरात्रों में कन्या पूजन का आयोजन करती आई हूं। आज यहां आकर बड़ी संख्या में कन्याओं का स्नेह और आशीर्वाद पाकर मैं भावविभोर हूं। मुझे विश्वास है कि यह मेरा सौभाग्य है जो प्रभु ने मुझे दिल्ली की सेवा और इन बच्चियों के भविष्य के लिए कुछ विशेष करने की जिम्मेदारी सौंपी है।

मुख्यमंत्री ने स्कूल की छात्राओं के साथ किया संवाद

कन्या पूजन के बाद मुख्यमंत्री ने स्कूल की छात्राओं के साथ संवाद किया और उनके समस्याओं को जानने की कोशिश की। उन्होंने बताया कि आज यहां बच्चियों के साथ हुई बातचीत के दौरान शिक्षा की गुणवत्ता, स्वच्छता, साफ पानी की उपलब्धता और बेहतर स्कूल के इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई। इस संवाद के दौरान मुझे यह महसूस हुआ कि ये समस्याएं केवल किसी एक बच्ची की नहीं, बल्कि दिल्ली की हर बेटी की आवाज़ हैं, जो बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा की उम्मीद लेकर सरकार की ओर देख रही हैं।

हर बच्ची अपने सपनों को कर सकती है साकार

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बच्चों को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वह खुद भी एक सरकारी स्कूल की छात्रा रही हैं और आज दिल्ली की मुख्यमंत्री के पद पर हैं। इसका अर्थ है कि हर बच्ची अपने सपनों को साकार कर सकती है, बस उसे अपने ऊपर विश्वास रखना होगा। मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि वह हर कदम पर छात्राओं के साथ हैं।

साझा की गई समस्याएं सरकार के लिए दिशा निर्धारण का कार्य करेंगी

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि आज का कन्या पूजन कार्यक्रम केवल आशीर्वाद देने का नहीं, बल्कि बच्चियों की बातें सुनने और उनकी उम्मीदों को समझने का अवसर भी था। उन्होंने कहा कि जो समस्याएं बच्चियों ने साझा की हैं, वे सरकार के लिए दिशा निर्धारण का काम करेंगी। दिल्ली सरकार दिल्ली को बेटियों के लिए एक सुरक्षित, समृद्ध और सशक्त शहर बनाने के लिए कृतसंकल्पित है।

देर रात तक मंदिरों में लगी रही भक्तों की भीड़

नई दिल्ली। चैत्र नवरात्रि के आठवें दिन शनिवार को श्रद्धालुओं ने श्रद्धा पूर्वक महा अष्टमी मनाई। महा अष्टमी के चलते

दिल्ली के अधिकांश माता के बड़े मंदिरों में सुबह से लेकर देर रात भक्तों की भारी भीड़ लगी रही। वहीं सुबह के समय लोगों ने अपने घरों में मां जगदम्बा के आठवें स्वरूप मां महागौरी की पूजा अर्चना करते हुए कन्या पूजन किया और उन्हें प्रसाद रूपी भोजन, कपड़े व उपहार आदि देकर विदा किया। जिसके पश्चात अखंड व्रतधारियों ने अपने आठ दिन के उपवास का पारण किया। जबकि दूसरी तरफ महामाई के अनुयायियों ने अपनी अपनी श्रद्धा अनुसार हलवा चना, सब्जी पूड़ी आदि के प्रसाद का वितरण भंडारों के रूप में किया। बड़े मंदिरों में शामिल प्राचीन शक्तिपीठ श्री कालका जी मंदिर, कालका, झंडेवाली बढ़ी भक्त देवी मंदिर, छतरपुर स्थित मां कात्यायनी मंदिर, प्रीत विहार स्थित गुफा वाला मंदिर, हरिनगर उषा माता मंदिर, रोहिणी मां काली मंदिर आदि में भक्तों की भीड़ उमड़ी रही।

'आप' ने भाजपा सरकार पर साधा निशाना

बिना मिलीभगत के प्राइवेट स्कूल नहीं बढ़ा सकते फीस : सिसोदिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

- मंत्रियों को कितना हिस्सा जा रहा है, होना चाहिए इसका खुलासा

दिल्ली के प्राइवेट स्कूल बिना सरकार से सांठगांठ किए फीस नहीं बढ़ा सकते। इसमें से कितना हिस्सा दिल्ली सरकार के मंत्रियों को मिल रहा है, इसकी सीबीआई जांच होनी जरूरी है, ताकि इसका खुलासा हो सके। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता व दिल्ली के पूर्व शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया ने शनिवार को भाजपा की दिल्ली सरकार पर निशाना साधते हुए पार्टी मुख्यलाय में आयोजित प्रेसवार्ता में यह बातें कही। सिसोदिया ने कहा कि 'आप' सरकार ने ऑडिट कराकर निजी स्कूलों में फीस वृद्धि पर लगाम लगाया था। अरविंद केजरीवाल सरकार का हवाला देकर सिसोदिया ने कहा कि दिल्ली से हमने न सिर्फ शिक्षा माफिया को खत्म किया था, बल्कि बच्चों की बढ़ी हुई फीस को भी वापस कराया था। प्राइवेट स्कूलों में न टीचर्स की सैलरी बढ़ी और ना ही सुविधाएं, फिर भी भाजपा की सरकार इन्हें बेहताशा फीस बढ़ाने की खुली छूट दे दी है।

स्कूलों की मनमानी और फीस वृद्धि पर लगाम लगाई गई

पूर्व शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि अब दिल्ली के प्राइवेट स्कूलों ने मनमाने तरीके से फीस बढ़ानी शुरू कर दी है। 2015 में जब मैं दिल्ली का शिक्षा मंत्री बना था, उस वक्त प्राइवेट स्कूलों की मनमानी और फीस वृद्धि पर लगाम लगाई गई थी। 'आप' की सरकार ने यह सुनिश्चित किया था कि दिल्ली में कोई भी प्राइवेट स्कूल मनमाने तरीके से फीस नहीं बढ़ाएगा। उन्होंने कहा कि 'आप' की सरकार से पहले प्राइवेट स्कूलों का खुला राज चलता था। 2015 से पहले किसी बच्चे का प्राइवेट स्कूल में दाखिला हो गया तो फिर प्राइवेट स्कूल हर साल कितना भी पैरेंट्स को लूट सकते थे और पैरेंट्स असहाय महसूस करते थे।

एनडीएमसी उपाध्यक्ष ने जानी वर्षा जल संचयन की प्रणाली

नई दिल्ली। जल हमारे जीवन का सबसे जरूरी प्राकृतिक संसाधन है और इसका संरक्षण पर्यावरण, शहरों की सुरक्षा और आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहद जरूरी है। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने सूरत, गुजरात दौरा के दौरान यह बातें कही। एनडीएमसी प्रशासन ने शनिवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि इस दौरे में एनडीएमसी के ओएसडी (रेवेन्यू मैनेजमेंट), सी अरविंद और चीफ इंजीनियर एच.पी. सिंह भी उनके साथ थें। दौरे का मकसद था सूरत में अपनाई गई रेन वाटर हार्वेस्टिंग (वर्षा जल संचयन), बाढ़ नियंत्रण और जल संरक्षण की नई तकनीकों को सीधे देखना और समझना रहा है। उन्होंने कहा कि ये सभी पहलें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक लागू की गई हैं। दौरे की शुरुआत एनडीएमसी उपाध्यक्ष चहल और मंत्री सी.आर. पाटिल की मुलाकात से हुई। इस दौरान चहल ने मंत्री को जानकारी दी कि एनडीएमसी ने परिषद क्षेत्र में 272 पुराने रेन वाटर हार्वेस्टिंग पिट्स का री-डेवलपमेंट शुरू कर दिया है और 101 नए पिट्स बनाए जा रहे हैं।

केजरीवाल के बंगले में हर माह होते थे करीब 31 लाख रुपए खर्च : सचदेवा

नई दिल्ली। दिल्ली चाहती है कि आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल खुद सामने आये और बताएं कि उनके बंगले में ऐसी क्या कमी थी जिसके रखरखाव पर हर माह लगभग 31 लाख रुपए खर्च हो जाते थे? दिल्ली प्रदेश भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने शनिवार को प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में आरटीआई से खुलासा करते हुए यह आरोप केजरीवाल पर लगाए। उन्होंने कहा कि खुद केजरीवाल से आरटीआई में प्राप्त जानकारी से साफ है कि 2015 से 2022 के बीच आठ साल में केजरीवाल के पुराने बंगले पर हर वर्ष औसतन 3 करोड़ 69 लाख 54 हजार 384 रुपए सामान्य रखरखाव पर खर्च हुए हैं। सचदेवा ने कहा कि केजरीवाल की पांच सितारा जिंदगी की पोल तो उनके चोरी चोरी चुपके चुपके बनाये 52 करोड़ के शीशमहल ने खोल दी थी पर आज हम देश की जनता के समक्ष केजरीवाल के पांच सितारा जीवन एवं भ्रष्टाचार का एक और प्रमाण सबूत के साथ रख रहे हैं और मांग करते हैं कि अरविंद केजरीवाल इस पर तुरंत जवाब दें। प्रेसवार्ता में प्रवक्ता डॉ. अनिल गुप्ता एवं शुभेन्दू शेखर अवस्थी भी उपस्थित थे। सचदेवा ने कहा कि महाराष्ट्र के नागरिक ने आरटीआई अर्जी लगा कर 2015 से 2022 के बीच अरविंद केजरीवाल के पुराने निवास बंगले के सामान्य टूट फूट, सीवर, बिजली, बढ़ाई से जुड़े रखरखाव खर्च का ब्यौरा मांगा जिसका तत्कालीन खुद केजरीवाल की सरकार ने 29 दिसम्बर 2023 को जवाब दिया और खर्च का जो आंकड़ा उस आरटीआई जवाब से सामने आया है वह अरविंद केजरीवाल के अय्याशी भरे पांच सितारा जीवन एवं सरकारी कामों में भ्रष्टाचार की पोल खोलता है।

खबर संक्षेप

440 ग्राम गांजा सहित आरोपी पकड़ाया

फरीदाबाद। क्राइम ब्रांच एनआईटी की टीम ने आरोपी आर्यन को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने

बताया कि 04 अप्रैल को क्राइम ब्रांच एनआईटी की टीम गस्त पर थी। गस्त के दौरान अपने गुप्त सूत्रों से एक व्यक्ति द्वारा गांजा बेचने की सूचना प्राप्त हुई, कार्रवाई करते हुए आरोपी आर्यन निवासी जिला झांसी उत्तर प्रदेश फरीदाबाद को एनआईटी 5 फरीदाबाद से काबू करके 440 ग्राम गांजा बरामद किया गया है।

स्मैक उपलब्ध कराने वाला आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। अपराध शाखा सेंट्रल की टीम ने पिंटू निवासी नेहरू कॉलोनी डबुआ फरीदाबाद को

गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि अपराध शाखा की टीम ने 9 दिसंबर 2024 को राजेंद्र निवासी वडोदरा गुजरात फरीदाबाद को 12.27 ग्राम स्मैक सहित नेहरू कॉलोनी से गिरफ्तार किया गया था। जिस संबंध में थाना डबुआ में एनडीपीएस की धाराओं में मामला दर्ज किया गया।

देसी पिस्टल सहित आरोपी को दबोचा

फरीदाबाद। क्राइम ब्रांच ऊंचा गांव की टीम ने देशी पिस्टल सहित आरोपी दीपक को गिरफ्तार किया

है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि 4 अप्रैल को क्राइम ब्रांच ऊंचा गांव की टीम ने अपने गुप्त सूत्रों से प्राप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी दीपक निवासी चंदोसी मुरादाबाद उत्तर प्रदेश हाल गांव सरुरपुर गोच्छी कालोनी को देसी पिस्टल सहित नजदीक कुरेशीपुर मोड गांव सरुरपुर फरीदाबाद एरिया से काबू किया है। थाना मुजेसर फरीदाबाद में अवैध हथियार की धारा में मामला दर्ज किया गया है।

कांग्रेसियों ने मनाई जगजीवन राम एवं निषाद राज गुहा की जयंती

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

जिला कांग्रेस कमेटी व महानगर कांग्रेस कमेटी कार्यालय पर शनिवार को कांग्रेसियों ने प्रधानमंत्री बाबू जगजीवन राम की जयंती एवं निषाद राज गुहा की जयंती मनाई। इस मौके पर कांग्रेसियों ने जगजीवन राम व निषाद राज गुहा को श्रद्धासुमन अर्पित किए और दोनों महापुरुषों के बताए गए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया। जिला कार्यालय गाजियाबाद पर आधुनिक पूर्व उप प्रधानमंत्री बाबू जगजीवन राम एवं निषाद राज गुह की जयंती जिला अध्यक्ष सतीश शर्मा डासना की अध्यक्षता में मनाई गई। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि इन दोनों महापुरुषों के विचार आज भी प्रासंगिक है। उनके बताए रास्ते पर चलकर ही भारत की एकता और अखंडता बनाए रखी जा सकती है। सतीश शर्मा, पूर्व महानगर महिला अध्यक्ष कमलेश कुमारी, वरिष्ठ नेता जयवीर सिंह, प्रदेश सचिव सेवादल प्रेम प्रकाश चीनी, खोडा पूर्व अध्यक्ष राजेश गुप्ता समेत सभी ने दोनों की जयंती पर पुष्प अर्पित किए।

दोनों महापुरुषों को श्रद्धासुमन अर्पित कर, बताए गए रास्ते पर चलने का लिया संकल्प

सभी ने विचार व्यक्त किए

इस अवसर पर पूर्व विधायक हरेंद्र अग्रवाल, पूर्व महानगर अध्यक्ष लोकेश चौधरी, प्रदेश सचिव सेवादल पयुवा जिला अध्यक्ष आसिफ सैफी, सेवादल जिला अध्यक्ष सुनील शर्मा, पीसीसी राजा राम भारती, पीसीसी सुरेंद्र शर्मा, पीसीसी सुनील चौधरी, पूर्व महिला महानगर अध्यक्ष कमलेश कुमारी, जयवीर सिंह, अश्वनी त्यागी, महेंद्र गौतम, सुभाष शर्मा, राजेंद्र शर्मा, ब्रह्म दत्त दुबे, सलीम अलवी, अनवर कुरैशी, त्रिलोक सिंह ने विचार व्यक्त किए।

यह लोग उपस्थित रहे

उधर महानगर कांग्रेस कार्यालय पर भी दोनों महापुरुषों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस मौके पर महानगर अध्यक्ष वीर सिंह जाटव, पूर्व जिलाध्यक्ष विनीत त्यागी, पूर्व महानगर अध्यक्ष वीके अग्निहोत्री,पूर्व मंत्री सतीश शर्मा, सूर्यकांत, आशीष प्रेमी,पंकज तेजानिया, कुलभूषण, आशुतोष गुप्ता अरविंद त्यागी,कासिम भाई,विकास शर्मा,बाबू राम शर्मा व हरपाल सिंह प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

रीड इंडिया एवं एडवाटिक्स विद्या के सामुदायिक पुस्तकालय का शुभारंभ हुआ

शिक्षा और आईटी कौशल से युवाओं को सशक्त बनाकर रोजगार में मदद करेगा रीड लाइब्रेरी सेंटरः डॉ. मल्होत्रा

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम

देशभर के ग्रामीण व शहरी क्षेत्र के युवाओं को शिक्षा और आईटी कौशल से रोजगार दिलाने से जोड़ने की दिशा में रीड इंडिया (रूरल एजुकेशन एंड डेवलपमेंट) के सेंटर महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। हरियाणा, दिल्ली,पश्चिम बंगाल,उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, मणिपुर, राजस्थान, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, बिहार, पंजाब, उत्तराखंड, गुजरात में संचालित हो रहे हैं। इन 13 राज्यों के 300 से अधिक गांवों के इन केंद्रों से 5 लाख से अधिक समुदाय के सदस्यों पर सकारात्मक प्रभाव डाला है। रीड इंडिया की मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. गीता मल्होत्रा ने शनिवार को वज़ीराबाद में आइए सीखें और आगे बढ़ें की थीम पर आधारित रीड इंडिया एवं एडवाटिक्स विद्या के सामुदायिक पुस्तकालय के शुभारंभ अवसर पर कही। यहां पूर्व में 2 सेंटर पिछले दस साल से चल रहे है। इस सेंटर पर युवाओं को कंम्प्यूटर, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी इत्यादि का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

खास बातें

- 16 राज्यों में सामुदायिक पुस्तकालय और संसाधन केंद्र मॉडल के 60 रीड केंद्र स्थापित होंगे
- प्रशिक्षण देकर युवक-युवतियों को दक्ष बनाया जाएगा
- किशोरियों और बच्चों के लिए सुरक्षित वातावरण स्थान प्रदान करता है

फाइल फोटो

विद्यार्थी उज्जवल भविष्य की ओर अग्रसर हो रहे है

डॉ. मल्होत्रा ने कहा कि हरियाणा सहित देश के 16 राज्यों में सामुदायिक पुस्तकालय और संसाधन केंद्र मॉडल के 60 रीड केंद्र स्थापित किए गए है। जहां पर रोजगार और व्यावसायिक कौशल आधारित प्रशिक्षण देकर युवक-युवतियों को दक्ष बनाया जा रहा है। ताकि वे सरकारी व गैर सरकारी संस्थान में रोजगार पा सकें। वहीं रीड इंडिया महिलाओं, किशोरियों और बच्चों के लिए सुरक्षित वातावरण और स्थान प्रदान करता है, जहाँ वे आत्म-विकास और प्रगति के पथ पर अग्रसर हो सकें। वर्तमान में इन सभी सेंटर से वंचित वर्ग के विद्यार्थी शत प्रतिशत नंबर तो कहीं पर अच्छी मल्टीनेशनल कंपनी में नौकरी पाकर वे अपने उज्जवल भविष्य की और अग्रसर हो रहे है।

प्रशिक्षण जीवन में नए बदलाव लाते हैं

डॉ. मल्होत्रा ने कहा कि हरियाणा, राजस्थान सहित अन्य राज्यों के दूर दराज ग्रामीण इलाकों में स्किल बेस्ड कोर्स ग्रामीण समुदाय के लोगों को प्रदान किए जा रहे है। रीड के सेंटर्स पर आने वाले युवाओं व महिलाओं को एंब्रॉयडरी, भोजन बनाने कला, हैंडीक्राफ्ट्स, हर्बल प्रोडक्ट, सिलाई बुनाई, एंटरप्रेन्योर, डाटा एंट्री, अंग्रेजी बोलने की कला, लिखने की कला, सोशल मीडिया मार्केटिंग, साइबर सुरक्षा और जागरूकता, ब्यूटी और वेलनेस, हेल्थ अवेयरनेस, कंप्यूटर, शिक्षण, फ्रंटलाइन हेल्थ वर्कर, समुदाय आधारित शिक्षा पर कई तरह के कौशल प्रशिक्षण प्रदान किए जा रहे है। ये प्रशिक्षण उनके जीवन में नया बदलाव लाते है।

स्वास्थ्य विभाग ने दी सलाह

दूषित पानी पीने से हो सकती हैं पेट संबंधी बीमारियांः डॉ. सोनी

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

ग्रेटर फरीदाबाद के सेक्टर-86 स्थित एकॉर्ड अस्पताल के गेस्ट्रोएंट्रोलॉजिस्ट डॉ. रामचंद्र सोनी ने लोगों को घरों में सप्लाई हो रहे पेयजल को लेकर सतर्क रहने की सलाह दी है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा कराई गई जांच में सामने आया है कि सप्लाई किए जा रहे पानी में क्लोरीन की मात्रा तय मानकों से कम पाई गई है, जिससे यह पानी पीने योग्य नहीं रह गया है। उन्होंने कहा कि थोड़ी सावधानी बरत कर अनेक बीमारियां से बचा जा सकता है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से पिछले वर्ष लिए गए पेयजल के 500 में से 69 प्रतिशत की रिपोर्ट नेगेटिव आई है, यानी इन सैंपल में मौजूद पानी मानकों पर खरा नहीं उतरा। विभाग का कहना है कि पानी में क्लोरीन की मात्रा की नियमित जांच और संतुलन बेहद जरूरी है, ताकि जलजनित बीमारियों से बचाव किया जा सके। कम क्लोरीनयुक्त पानी पीने से लोगों में पीलिया, टाइफाइड, दस्त और पेट से जुड़ी अन्य बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।

गर्मी के मौसम में बीमारियों का खतरा अधिक रहता हैः डॉ.सोनी

एकॉर्ड अस्पताल के गेस्ट्रोएंट्रोलॉजिस्ट डॉ. राम चंद्र सोनी ने बताया कि गर्मी के मौसम में पानी से जुड़ी बीमारियों का खतरा और अधिक बढ़ जाता है। यदि लोग बिना उबाले या फिल्टर किए

पानी का सेवन करते हैं, तो इससे गंभीर संक्रमण हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि पानी की शुद्धता को लेकर लापरवाही स्वास्थ्य पर भारी पड़ सकती है। डॉ. सोनी ने सलाह दी कि लोग घरों में सप्लाई हो रहे पानी को पीने से पहले अच्छी तरह उबालें या प्रमाणित वॉटर प्यूरीफायर से फिल्टर करें। साथ ही नगर निगम और संबंधित विभागों को भी नियमित रूप से पेयजल की जांच कर मानकों के अनुरूप क्लोरीन की मात्रा सुनिश्चित करनी चाहिए।

वैन में अचानक लगी आग, ड्राइवर और सहयोगी ने कूदकर बचाई जान

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

सराय मेट्रो स्टेशन के पास एक बड़ी घटना को टाला गयाए जब एक ब्लू डार्ट कूरियर कंपनी की इको वैन में अचानक आग लग गई। यह हादसा उस समय हुआ, जब वैन अपने गंतव्य से सेक्टर 37 के पास से यूटर्न करके लौट रही थी। गनीमत यह रही कि ड्राइवर और उसका साथी समय रहते वैन से सुरक्षित बाहर निकल आए, जिससे बड़ी दुर्घटना होने से बच गई। जानकारी देते हुए वैन ड्राइवर अवस्थी बालक राम ने बताया कि वह अपने साथी देवेंद्र के साथ नीलम-अजरौंदा स्थित ब्लू डार्ट ऑफिस से कूरियर पिकअप के लिए जा रहे थे, दो-चार ही रिटर्न कोरियर पिकअप किए थे। जैसे ही वे सराय मेट्रो स्टेशन के पास पहुंचे, पीछे से आ रहे एक ऑटो चालक ने उन्हें बताया कि वैन के पिछले हिस्से से धुआं निकल रहा है। सूचना मिलने के बाद उन्होंने वैन को सड़क के किनारे रोक दिया और दोनों ने तुरंत वैन से बाहर कूदकर अपनी जान बचाई।

वैन में लगा था सीएनजी सिलेंडर

इसके बाद उन्होंने देखा कि धीरे-धीरे धुआं तेज हो गया और कुछ ही सेकेंडों में पूरी वैन आग की चपेट में आ गई। उन्होंने ने बताया कि वैन में आग इतनी तेजी से फैल गई कि महज 10 मिनट में पूरी वैन जलकर राख हो गई। फायर ब्रिगेड को घटना की सूचना दी गई, लेकिन जब तक टीम मौके पर पहुंची, वैन पूरी तरह से जल चुकी थी। हालांकि फायर ब्रिगेड ने आग को पूरी तरह बुझा लिया और स्थिति को काबू कर लिया। ड्राइवर ने बताया कि वैन में सीएनजी सिलेंडर भी फिट था, लेकिन समय रहते आग को बुझा लिया गया, जिससे सिलेंडर तक आग नहीं पहुंच पाई और बड़ा हादसा टल गया। प्रारंभिक जांच में यह अनुमान लगाया जा रहा है कि वैन के इलेक्ट्रिकल वायरिंग में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी।

कृषि सहकारी समिति का चुनाव 4 मई को

फरीदाबाद। दी बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि सहकारी समिति फतेहपुर बिल्लोच (एम.पैक्स) के प्रबंधक कमेटी के चुनाव आगामी 4 मई को फतेहपुर बिल्लोच कार्यालय में होंगे। एम पैक्स प्रबंधक सत्यपाल ने बताया कि सहायक रजिस्ट्रार सहकारी समितियां फरीदाबाद डी. नं. 5500-5501 दिनांक 21 मार्च के कार्यक्रम अनुसार नामांकन 16 अप्रैल को सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक भरे जाएंगे। नामाकंन की जांच 17 अप्रैल को होगी। 23 अप्रैल को नाम वापसी के साथ ही उम्मीदवारों को चुनाव चिन्ह आवंटित कर दिए जाएंगे।

नवरात्र में पूरा शहर भक्तिमय हुआ

नवदीप सेवा समिति ट्रस्ट एवं युवा संगठन द्वारा भंडारे का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

नवदीप सेवा समिति ट्रस्ट एवं युवा संगठन सेक्टर-23 द्वारा नवरात्रि के आठवें दिन दुर्गा अष्टमी के उपलक्ष्य में भंडारे का आयोजन सेक्टर-22-23 के चौक पर किया गया। इस अवसर पर भण्डारा वितरण का शुभारंभ वार्ड नबंर-चार की पार्षद के पति एवं वरिष्ठ भाजपा नेता ज्ञानेन्द्र भारद्वाज, प्रवीण दत्त शर्मा, नवदीप सेवा समिति ट्रस्ट के अध्यक्ष यशपाल शर्मा ने किया। इस अवसर पर भाजपा नेता ज्ञानेन्द्र भारद्वाज ने कहा कि पावन नवरात्र के उपलक्ष्य में पूरा शहर भक्तिमय है।

इन दिनों सभी मंदिरों व अन्य स्थानों पर श्रद्धालु लोगों के लिए भण्डारे आयोजित किया जा रहे है। इसी कड़ी में आज नवदीप सेवा समिति ट्रस्ट व युवा संगठन सेक्टर-23 की टीम द्वारा एक विशाल भण्डारे का आयोजन किया गया है। वह दोनों ही टीमों को इस पुनीत कार्य के लिए बधाई देते है। नवदीप सेवा समिति ट्रस्ट के अध्यक्ष यशपाल शर्मा ने बताया कि दोनों ही टीम इस तरह के आयोजन वर्ष में कई बार करती है।

इस भंडारे में श्रद्धालुओं के लिए आलू-टमाटर की सब्जी, पूड़ियां व ठंडे पानी की व्यवस्था की गई थी। इस अवसर पर साहिल अली, लखन तेवतिया, हार्दिक गुलाटी, सोनू शर्मा, विनय गिरधर, संजीव कुशवाहा, मनीष शर्मा, ऋषभ चांदना, ऋषभ अली, अतुल सचदेवा सहित अन्य सहयोगियों ने विशेष सहयोग किया।

10वीं के स्टूडेंट पर बदमाशों का हमला

फरीदाबाद। बल्लभगढ़ स्थित अहीरवाड़ा में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। वीरवार की रात करीब 9 बजे दो बदमाशों ने एक 10वीं कक्षा के स्टूडेंट पर चाकू से हमला कर दिया। घायल छात्र को बादशाह खान सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामले की सूचना पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित स्टूडेंट हिमांशु ने बताया कि वह घर से कुछ दूर दूध लेने गया था।

लौटते समय दो बदमाशों ने उसे घेर लिया और मोबाइल फोन छीनने की कोशिश की। विरोध करने पर बदमाशों ने उस पर चाकू से दो वार किए। हमलावरों में से एक की पहचान विनय के रूप में हुई है, जो इसी इलाके का रहने वाला है। हिमांशु के पिता किशन लाल ने बताया कि घटना के समय वह ड्यूटी से लौट रहे थे। उनकी पत्नी का फोन आया कि हिमांशु लहूलुहान हालत में घर पहुंचा है और बेहोश हो गया है।

आयुक्त ने की पुलिस अधिकारियों-कर्मचारियों के साथ अपराध समीक्षा गोष्ठी

नाका चेकिंग के दौरान सभी वाहनों की चेकिंग बेहतर तरीके से होः आयुक्त गुप्ता

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

पुलिस आयुक्त सतेंद्र कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में अपराध समीक्षा, कानून व्यवस्था, यातायात व्यवस्था, महिला विरुद्ध अपराध के संबंध में अपने कार्यालय सेक्टर 21 सी में क्राइम रिव्यू मीटिंग आयोजित की गई। मीटिंग के दौरान पुलिस आयुक्त ने सभी डीसीपी, एसीपी, थाना प्रबंधक व प्रभारी अपराध शाखाओं को अपराधों पर अंकुश लगाने, कानून व्यवस्था बनाए रखना, आम जनता में समन्वय स्थापित करने, नशा तस्करों पर प्रहार करने, संगीन अपराधों में फरार चल रहे आरोपियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने, पुराने लंबित मामलों का निष्पादन, महिला वृद्ध अपराधों का प्राथमिकता के आधार पर निष्पादन करने व शिकायतों का शीघ्र निपटारा करने बारे निर्देशित किया गया।

गोष्ठी में नाका चैकिंग के दौरान सभी वाहनों कि चेकिंग बेहतर तरीके से हो, ट्रिपल राइडिंग खासकर नौजवानों की चेकिंग की जाए। पुलिस और आमजन में समन्वय स्थापित करके आमजन के सहयोग से अपराधों पर अंकुश लगाया जाए। नए कानूनों की पालना सुनिश्चित कराई जाए। महिला विरुद्ध अपराधों में प्राथमिकता के आधार पर निष्पक्ष कार्रवाई की जाए।

आमजन से प्राप्त शिकायतों पर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, साथ ही शिकायतकर्ता के साथ अच्छा व्यवहार किया जाए। पुलिस अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र नशा में संलिप्त अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें व अधिक से अधिक जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन कराया जाए।

सभी प्रबंधक थाना अपने-अपने क्षेत्र में प्रभावी गस्त कराकर अपराध पर अंकुश लगाना सुनिश्चित करें। संगीन अपराधों में संलिप्त आरोपियों के विरुद्ध अधिक से अधिक साक्ष्य एकत्रित करके सख्त कार्रवाई की जाए। शहर में यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाया जाए, यातायात नियमों की अवहेलना करने वालों को विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए। गोष्ठी के दौरान में पुलिस उपायुक्त मुख्यालय अभिषेक जोरवाल, पुलिस उपायुक्त अपराध मकसूद अहमद आदि उपस्थित थे।

क्रेशर जोन पाली में सक्रिय रही जांच टीम

फरीदाबाद में अवैध खनन रोकने के लिए कड़ी निगरानी, प्रशासन मुस्तैद

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

शुक्रवार को रात्रि में खनन विभाग और अन्य संबंधित विभागों की संयुक्त टीम ने क्रेशर जोन पाली से जुड़े क्षेत्रों का अचानक निरीक्षण किया और वाहनों की जांच की।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशों के तहत, खनन विभाग के महानिदेशक के.एम. पांडुरंग स्वयं विभागीय गतिविधियों की निगरानी कर रहे हैं और आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान कर रहे हैं। सरकार का मुख्य उद्देश्य खनन प्रक्रिया को पारदर्शी बनाना और अवैध खनन को समाप्त करना है। महानिदेशक के आदेशों के अनुसार, विभागीय टीम पूरी सतर्कता और जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का पालन कर रही है और सभी आवश्यक पहलुओं पर ध्यान केंद्रित कर रही है। जिला खनन अधिकारी कमलेश बिधलान ने जानकारी सांझा करते हुए बताया कि निरीक्षण के दौरान सभी वाहनों के पास वैध ई-रवाना बिल पाए गए। चेकिंग के दौरान किसी भी स्थान पर अवैध खनन की गतिविधि नहीं पाई गई हैए और यदि कहीं भी नियमों का उल्लंघन होता है, तो वे तुरंत आवश्यक कार्रवाई करेंगी। खनन विभाग की टीम राष्ट्रीय राजमार्गों, राज्य मार्गों और अन्य प्रमुख रास्तों पर लगातार सक्रिय रूप से तैनात है। उन्होंने यह भी कहा कि जिले में उन स्थानों पर जहां अवैध खनन की संभावना अधिक है।

4 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया

टेलीग्राम पर टास्क पूरा करने के नाम पर ठगी करने के मामले में छह आरोपियों को दबोचा

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

टेलीग्राम पर टास्क पूरा करने के नाम पर ठगी करने के मामलें में साइबर थाना एनआईटी की टीम ने आरोपी कुनाल, हीरालाल, सुभाष, जीतू, कमल व राजाराम को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि थाना साइबर एनआईटी में एसजीएम नगर निवासी एक महिला ने शिकायत दी, जिसमें आरोप लगाया कि उसके पास व्हाट्सएप पर एक लड़की का मैसेज आया और उसे ऑनलाइन टास्क के रूप में पार्ट टाइम जॉब का ऑफर दिया। उसे पहले 25 टास्क पूरे करने पर 850 रुपए दिए गए। इसके बाद शिकायतकर्ता को एक टेलीग्राम ग्रुप में जोड़ा गया तथा आगे

टास्क के रूप में कार्य जारी रखने के लिए उससे 10,000 मांगे, जिस पर उसने उनके द्वारा दिए गए अकाउंट में पैसे जमा करा दिए। टास्क पूरा करने के बाद शिकायतकर्ता को 15080 रूपये मिले। अगले दिन काम शुरु करने के लिए उससे 10,000 रूपये जमा करवाए तथा जब काम करना शुरू किया तो स्पेशल बूस्ट नाम से नोटिफिकेशन आया जिसकी वजह से शिकायतकर्ता को 21,417 रुपए और डिपॉजिट करने को बोला गया जो उसने बताए गए अकाउंट में यूपीआई के जरिए डाल दिए। इसके बाद शिकायकर्ता को 36946 रुपए मिल गए और जिनको शिकायतकर्ता ने बैंक से निकाल लिया। इसके उपरांत ठगों ने लालच देकर शिकायतकर्ता से विभिन्न ट्रांजैक्शन के माध्यम से 1,44,500 रूपये खातों में जमा करवा लिए और जब शिकायतकर्ता ने पैसे निकालने वाले चाहे तो नहीं निकाल पाये। इस प्रकार शिकायतकर्ता के साथ 1,44,500 रुपए ठगी हुई। जिस संबंध में थाना साइबर एनआईटी में मामला दर्ज किया गया।

उन्होंने आगे बताया कि साइबर थाना एनआईटी की टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी कुनाल उर्फ मानी निवासी जयपुर, हीरालाल निवासी जयपुर सुभाष कुमार निवासी सीकर राजस्थान, जीतू कुमावत निवासी नागौर राजस्थान, कमल निवासी नागौर राजस्थान तथा राजूराम निवासी सीकर राजस्थान कुल 6 आरोपियों को जयपुर से गिरफ्तार किया है।

500 से अधिक प्रतिनिधि भाग लेंगे

20 मई को विभिन्न मांगों को लेकर की जाएगी देशव्यापी हड़ताल

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

लेबर कोड्स रद्द करने, न्यूनतम वेतन 26 हजार मासिक देने, परियोजना कर्मियों सहित सभी प्रकार के कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने की मांगों को लेकर विभिन्न केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के आह्वान पर आगामी 20 मई को देशव्यापी हड़ताल होगी।

यह जानकारी सीटू के जिला सचिव वीरेंद्र सिंह डंगवाल ने एवरी इंडिया के वर्करों को उनकी गेट मीटिंग को संबोधित करते हुए दी। उन्होंने बताया कि इस हड़ताल को सफल बनाने में पूरी ताकत झोंकी जाएगी। उन्होंने कहा कि केंद्र की सरकार सभी श्रम कानूनों को बदल

रही है। नियमित काम पर अनियमित नियुक्तियां की जा रही हैं। ठेका प्रथा को बढ़ावा दिया जा रहा है। श्रमिकों से 8 घंटे के बजाय 12 घंटे काम लिया जा रहा है। न्यूनतम वेतन भी नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा की 23 मई से 26 मई तक सीटू की राष्ट्रीय जनरल काउंसिल की एक महत्वपूर्ण बैठक फरीदाबाद के सूरजकुंड में आयोजित की जाएगी। जिसमें पूरे देश से 500 से अधिक प्रतिनिधि भाग लेंगे।

खबर संक्षेप

अब तक जेडीयू के 7 मुस्लिम नेताओं का इस्तीफा

पटना। संसद ने वक्फ बिल संशोधन अधिनियम 2025 को पास तो कर दिया, मगर बिहार की राजनीति में भूचाल आ गया। जेडीयू के 7 नेताओं ने इसके विरोध में पार्टी से इस्तीफा दे दिया। केंद्र सरकार के अनुसार इस बिल के पास होने से मुसलमानों को उनकी जमीन और जायदाद वापस मिल सकेगी, जिस पर पुराने कानूनों के कारण कब्जा कर लिया गया था। जेडीयू ने इस बिल का समर्थन किया है, जिसके कारण पार्टी के मुस्लिम नेताओं ने इस्तीफा दे दिया है।

अबॉर्शन के दौरान हुई मौत, डॉक्टर, प्रेमी काबू

प्रतापगढ़। प्रतापगढ़ में दो दिन पहले गेहूं के खेत में महिला का शव मिला था, जिसकी शिनाख्त हो चुकी है और महिला की मौत के बारे में भी चौंकाने वाली बातें सामने आई हैं। पुलिस ने बताया कि विवाहिता का पति 4 वर्षों से विदेश में रहता है। इसे जानकारी के बाद लोगों के होश उड़ गए हैं।

यूपी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अनोखी पहल

चाइल्ड हेल्पलाइन की 18 नई यूनिट शुरू करेगी सरकार

> योगी सरकार ने बच्चों की सुरक्षा के लिए चाइल्ड हेल्पलाइन (1098) सेवा को सशक्त किया है। सरकार 9 नए रेलवे स्टेशन और 9 नए बस स्टैंड यूनिट्स की शुरुआत करने जा रही है। इस सेवा ने 96,012 बच्चों को संकट से त्वरित सहायता प्रदान की है।

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

उत्तर प्रदेश में बच्चों की सुरक्षा और सहायता को सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में कई सराहनीय कदम उठाए गए हैं।

इसी कड़ी में मिशन वात्सल्य के अंतर्गत संचालित चाइल्ड हेल्पलाइन (1098) सेवा को और सशक्त करते हुए योगी सरकार ने इसकी पहुंच और प्रभावशीलता को बढ़ाने के लिए व्यापक कदम उठाए हैं। योगी सरकार प्रदेश चाइल्ड हेल्पलाइन के 9 नए रेलवे स्टेशन व 9 नए बस स्टैंड यूनिट की जल्द ही शुरुआत करने जा रही है। वित्तीय वर्ष 2023-24 से चाइल्ड हेल्पलाइन मिशन वात्सल्य योजना के अन्तर्गत संचालित इस योजना के तहत बच्चों को 24 घंटे सक्रिय सहायता प्रदान की जा रही है। अभी तक चाइल्ड हेल्पलाइन में राज्य स्तर पर कंट्रोल रूम, समस्त जनपदों में 75 चाइल्ड हेल्पलाइन यूनिट और 19 रेलवे स्टेशन यूनिट व 2 बस स्टैंड यूनिट संचालित हैं। यह कदम बच्चों को त्वरित सहायता और सुरक्षा प्रदान करने में मील का पत्थर साबित हो रहा है।

खास बातें

- प्रदेश के 9 रेलवे स्टेशन और 9 बस स्टैंड पर स्थापित की गई चाइल्ड हेल्पलाइन यूनिट
- चाइल्ड हेल्पलाइन के माध्यम से 75 जिलों में बच्चों को 24 घंटे मिल रही त्वरित सहायता

96 हजार से अधिक बच्चों को मिल चुकी है त्वरित सहायता

संकट में फंसे बच्चों को त्वरित सहायता, परामर्श और सुरक्षित स्थान उपलब्ध कराने में चाइल्ड हेल्पलाइन ने अहम भूमिका निभाई है। चाइल्ड हेल्पलाइन का उद्देश्य असुरक्षित बच्चों को तुरंत मदद देना है। यह सेवा 24 घंटे सक्रिय रहकर पुलिस सहायता, चिकित्सा, आश्रय, कानूनी मदद, भावनात्मक समर्थन और मार्गदर्शन प्रदान करती है। कोई भी बच्चा, कहीं से भी, किसी भी समस्या के लिए 1098 पर कॉल कर सकता है।

यह बच्चों को परिवार या समाज से जोड़ने में भी मदद करती है, चाहे वह सड़क पर हों या रेलवे स्टेशन पर खो गए हों।

आंकड़ों के अनुसार, अपने शुरुआत से चाइल्ड हेल्पलाइन को अब तक 10.05 लाख कॉल प्राप्त हुई हैं, जिसमें आवश्यक रूप से 96,012 बच्चों को योगी सरकार ने त्वरित सहायता प्रदान की है।

टैरिफ बढ़ने से कृषि उत्पाद का निर्यात पड़ जाएगा मंदा

हजारीबाग। अमेरिकी टैरिफ बढ़ाने के फैसले ने वैश्विक व्यापार व्यवस्था में हलचल मचा दी है। पूरी दुनिया इन दिनों टी - 3 मतलब ट्रम्प, टैरिफ और टेंशन से जूझ रही है। इस नीति का असर केवल बड़े व्यापारिक केंद्रों तक सीमित नहीं है, बल्कि भारत के मंझोले शहरों और उभरते व्यापारिक हब जैसे हजारीबाग पर पड़ने की आशंका प्रबल है। यहां के कारोबारी तबके में बेचैनी और चिंता का माहौल है, खासतौर पर उन व्यापारियों में जो सीधे या परोक्ष रूप से अमेरिका से व्यापार करते हैं। फेडरेशन ऑफ चेंबर ऑफ कॉमर्स हजारीबाग से जुड़े व्यापारियों का कहना है कि वे पहले ही वैश्विक मंदी, डॉलर की अस्थिरता और बढ़ती शिपिंग लागत जैसी चुनौतियों से जूझ रहे थे।

वक्फ विधेयक के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची राजद

एजेंसी ▶▶ पटना

पटना में तेजस्वी यादव ने वक्फ बोर्ड बिल मुद्दे पर मीडिया से बात करते हुए कहा कि अगर बिहार में हमारी सरकार बनी तो इस बिल को कचड़े के डब्बे में फेंक देंगे। वक्फ की लड़ाई सदन, सड़क और न्यायालय तक जाएगी। राजद ने लोकसभा और राज्यसभा में वक्फ बोर्ड को लेकर कड़ा विरोध किया है। कहा कि हम लोगों ने जिस तरह

आरक्षण की लड़ाई के लिए सड़क से सदन तक आवाज उठाई कोर्ट तक गए, उसी तरह वक्फ बोर्ड को लेकर राष्ट्रीय जनता दल सुप्रीम कोर्ट गई है।

लालू यादव के कारण उन्हें मुंह छिपाना पड़ रहा वक्फ बिल पर तेजस्वी के नहला पर सम्राट चौधरी का दहला

एजेंसी ▶▶ पटना

डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर पलटवार किया है। कहा कि पिता के भ्रष्टाचार के कारण तेजस्वी यादव को मुंह छिपाना पड़ रहा है। कुछ भी कर लें लेकिन उनकी सरकार नहीं बनने वाली है। वक्फ बिल के विरोध के राजद के ऐलान को लेकर सम्राट चौधरी ने तेजस्वी पर जोरदार पलटवार किया है। कहा कि पिता के भ्रष्टाचार के कारण तेजस्वी सीएम नहीं बन सकते। कोर्ट में इस बिल को चुनौती दी गई है। तेजस्वी ने नीतीश कुमार की भी जमकर आलोचना की।

सदन में बिल पारित हुआ जनता का मिला भरोसा

पटना में कहा कि बेचारे की सरकार कहां से बनेगी, लालू प्रसाद ने उनको उस लायक छोड़ा है क्या? पहले मुंह बचा के चलें। तेजस्वी यादव को मुंह छिपा कर चलना पड़ रहा है कि उनके पिताजी ने बिहार में भारी भ्रष्टाचार किया। बेजुबान जानवरों का चारा खा गए।

पेज एक का शेष

प्रधानमंत्री ने श्रीलंका...

ऊर्जा हब बनेगा त्रिंकोमाली: उन्होंने कहा, त्रिंकोमाली को ऊर्जा हब के रूप में विकसित करने, मल्टी प्रोडक्ट पाइपलाइन के निर्माण के लिए हुए समझौते से श्रीलंका के लोगों को लाभ होगा। सामपुर सौर ऊर्जा प्लांट से ऊर्जा सुरक्षा में मदद मिलेगी। ग्रिड इंटर कनेक्टिविटी समझौते से श्रीलंका के लिए बिजली निर्यात के विकल्प खुलेंगे। मिस्री ने कहा, त्रिंकोमाली के विकास का समझौता भारत, श्रीलंका और यूएई की सरकारों के बीच हुआ एक त्रिपक्षीय समझौता है। हमारा अगला कदम एजेंसियों, इकाइयों की पहचान कर उन्हें नामित करने की होगी।

अनुदान में बदला 100 मिलियन का लोन: पीएम ने कहा कि भारत सबका साथ, सबका विकास के विजन के साथ अपने भागीदार देशों की प्राथमिकताओं को महत्व देता है। हमने बीते 6 महीने में श्रीलंका को दिए 100 मिलियन डॉलर से अधिक की राशि को अनुदान में बदला है। द्विपक्षीय कर्ज पुनर्गठन समझौते से श्रीलंका के लोगों को तत्काल राहत मिलेगी। हमने ब्याज की दरें घटाने का भी निर्णय लिया है। पूर्वी प्रांतों के विकास के लिए 2.4 बिलियन लंकन रुपए का सहयोग पैकेज दिया जाएगा। किसानों की भलाई के लिए बड़े गोदाम का उद्घाटन किया है। श्रीलंका में भारतीय मूल के तमिल समुदाय के लिए 10 हजार घरों का निर्माण कार्य जल्द पूरा होगा। उनके सांसद, उद्यमियों, मीडियाकर्मियों, न्यायपालिका से जुड़े 700 अतिरिक्त कर्मियों को प्रशिक्षण देंगे। विदेश सचिव ने कहा, टैरिफ के मुद्दे का सभी पर प्रभाव पड़ता है। श्रीलंका भी इसमें शामिल है। उनके राष्ट्रपति ने मौजूदा भू-आर्थिक घटनाक्रमों के प्रभाव के बीच पीएम संग बैठक में दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों को मजबूत बनाने का जिक्र किया था। प्रधानमंत्री ने श्रीलंका के राष्ट्रपति को भरोसा दिलाया कि भारत किसी भी चुनौती के दौरान हमेशा श्रीलंका के साथ खड़ा रहेगा।

इंडिपेंडेंस स्क्वायर...

की इस ऐतिहासिक जगह पर स्वागत किया गया है। राष्ट्रपति दिशानायके ने पीएम की अगवानी की।

श्रीलंका ने...

मछुआरों की रिहाई व उनकी नौकाओं को वापस भेजने पर सहमत हैं। उधर, एक मीडिया ब्रीफिंग में पूछे गए प्रश्नों के जवाब में विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने बताया कि दोनों नेताओं की बातचीत में यह मामला शामिल रहा। पीएम ने अपने वक्तव्य में भी इस बात पर जोर दिया कि यह रोजाना का एक मुद्दा है, जिसका संबंध मछुआरों की आजीविका से जुड़ा है। इसलिए इसे मानवीय दृष्टिकोण से देखने की जरूरत है। श्रीलंकाई प्राधिकरण ने 11 भारतीय मछुआरों को रिहा किया है। आने वाले दिनों में यह संख्या और बढ़ सकती है। दोनों पक्ष मामले पर संस्थागत चर्चाओं को बढ़ाने पर भी राजी हैं। जल्द ही दोनों देशों के मछुआरा संघ के बीच वार्ता होगी। जिसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच बिना किसी मुश्किल परिस्थिति के आपसी रूप से स्वीकार्य उपायों पर पहुंचना है।

अपने भीतर के...

जीवन असंतुलित हो जाता है। हनुमान प्राण-शक्ति के प्रतीक हैं। जब आत्मा और मन अलग हो जाते हैं, तब प्राण-शक्ति (हनुमान) ही उन्हें पुनः जोड़ने का कार्य करती है। इसलिए हनुमान को भक्ति और समर्पण का प्रतीक माना जाता है। जब हम अपने भीतर की ऊर्जा को सही दिशा में लगाते हैं, तब हमारी आत्मा और मन का मिलन संभव होता है। यह पूरी कथा हमारे भीतर निरंतर घटित होती रहती है। जब हमारा मन लोभ में फंसकर भटक जाता है, तब अहंकार रूपी रावण उसे हर लेता है। लेकिन जब हम अपनी प्राण-शक्ति को जाग्रत करते हैं और आत्मा की ओर बढ़ते हैं, तब हमारा मन पुनः शुद्ध होकर अपने वास्तविक स्थान (अयोध्या) में लौट आता है। आइए, इस राम नवमी अपने भीतर के राम को जाग्रत करें और अपने जीवन को सत्य, प्रेम और प्रकाश से आलोकित करें।

मानसिंह के मामले...

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि जब निचली अदालत में खात्मा/खारिजी रिपोर्ट प्रस्तुत हो गई है और जांच एजेंसियों ने अपनी भूमिका निभा ली है, तब न्यायालय को मामले में हस्तक्षेप करने की कोई आवश्यकता नहीं है। साथ ही, सीबीआई जांच की मांग को भी अदालत ने 'अनुचित और बिना ठोस आधार' के मानते हुए खारिज कर दिया। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद राजनीतिक हलकों में हलचल तेज हो गई है। मंत्री राजपूत के समर्थकों में खुशी और संतोष का माहौल है, वहीं विपक्ष को मुद्दे के गुम होने से निराशा हाथ लगी है। 'विपक्ष पूरी तरह हताश हो गया है।

क्या है मान सिंह का मामला?: -सागर जिले के किसान मान सिंह पटेल 2016 में गायब हुए थे। उनके परिजनों ने मंत्री गोविंद सिंह राजपूत और उनके सहयोगियों पर धमकाने और अवैध रूप से अपने पास रखकर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया था। ओबीसी महासभा द्वारा दाखिल याचिका में सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में गोविंद सिंह राजपूत के खिलाफ एसआईटी बनाकर जांच के निर्देश दिए थे। इसके बाद मामले में स्पेशल इन्वेस्टीगेशन टीम ने जांच कर मामले की खात्मा रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट में प्रस्तुत की थी। मामले में नए सिरे से याचिका दाखिल कर सीबीआई की जांच को सुप्रीम कोर्ट ने सिरे से खारिज कर दिया।

मंत्री राजपूत बोले-सुप्रीम...

सार्वजनिक जीवन में मयार्दाओं का पालन करते हुए कई बार अग्निपरीक्षा देनी होती है और झूठे आरोपों का सामना भी करना पड़ता है, किंतु षड्यंत्र और झूठ कई दिनों तक नहीं टिकता है। सुप्रीम कोर्ट ने मेरे खिलाफ षड्यंत्र करने वालों को अपने आदेश के मार्फत करारा जवाब दिया है।

रक्षा मंत्री ने आईओएस...

पीएम का महासागर विजन अहमः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आईओआर और उसमें भी वैश्विक दक्षिण के देशों के साथ भारत के समुद्री संबंधों को और अधिक प्रगाढ़ बनाने के उद्देश्य से 2015 में मॉरीशस से सागर विजन की शुरुआत की थी। अब इसका एक दशक पूरा होने पर इसे विस्तार प्रदान करते हुए उन्होंने 2025 में म्यूचुअल एंड होलिस्टिक एडवांसमेंट फॉर सिक्योरिटी एंड ग्रोथ एक्रोस रीजंस (महासागर) विजन की घोषणा की है।

समुद्री क्षेत्र में बढ़ेगी शांति, समृद्धि: रक्षा मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि आईओएस सागर का उद्घाटन हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की शांति, समृद्धि और सामूहिक सुरक्षा की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। साथ ही ये दर्शाता है कि भारत की क्षेत्र में बढ़ती हुई उपस्थिति का संबंध केवल हमारी सुरक्षा और राष्ट्रीय हितों से नहीं है। बल्कि यह समानता के अधिकार और क्षेत्र के मित्र देशों के प्रति हमारे कर्तव्यों से भी जुड़ा हुआ है। उन्होंने चीन का नाम लिए बिना कहा, आईओआर में भारतीय नौसेना यह सुनिश्चित करती है कि कोई भी देश बड़ी हुई समृद्ध अर्थव्यवस्था और सैन्य ताकत के बल पर किसी अन्य देश को दबा नहीं सकता है। इसके पीछे हमारा उद्देश्य देशों की संप्रभुता से कोई समझौता किए बिना उनके हितों की सुरक्षा करना है। साथ ही क्षेत्र को भाईचारे और साझा हितों के लिए विकसित करना है।

2 हजार करोड़ की परियोजनाओं का उद्घाटन: रक्षा मंत्री ने सी-बर्ड परियोजना के तहत कारवार में 2 हजार करोड़ रुपए की आधुनिक ढांचागत सुविधाओं की शुरुआत की। जिसमें ऑपरेशनल, मरम्मत और लॉजिस्टिक से जुड़ी सुविधाएं शामिल हैं। राजनाथ सिंह ने नौसेना की आईओआर में सबसे पहले प्रतिक्रिया करने वाले समुद्री बल के रूप में सराहना की। इसमें समुद्री डकैती से जुड़े मामले मुख्य रूप से शामिल हैं। नौसेना के युद्धपोत केवल भारतीय ही नहीं बल्कि मित्र देशों के युद्धपोतों को भी सुरक्षा प्रदान कर रहे हैं। इसके पीछे स्वतंत्र समुद्री आवाजाही, नियम आधारित व्यवस्था के साथ ही डकैती से मुकाबले के अलावा क्षेत्र में शांति, स्थिरता को बनाए रखना महत्वपूर्ण है।

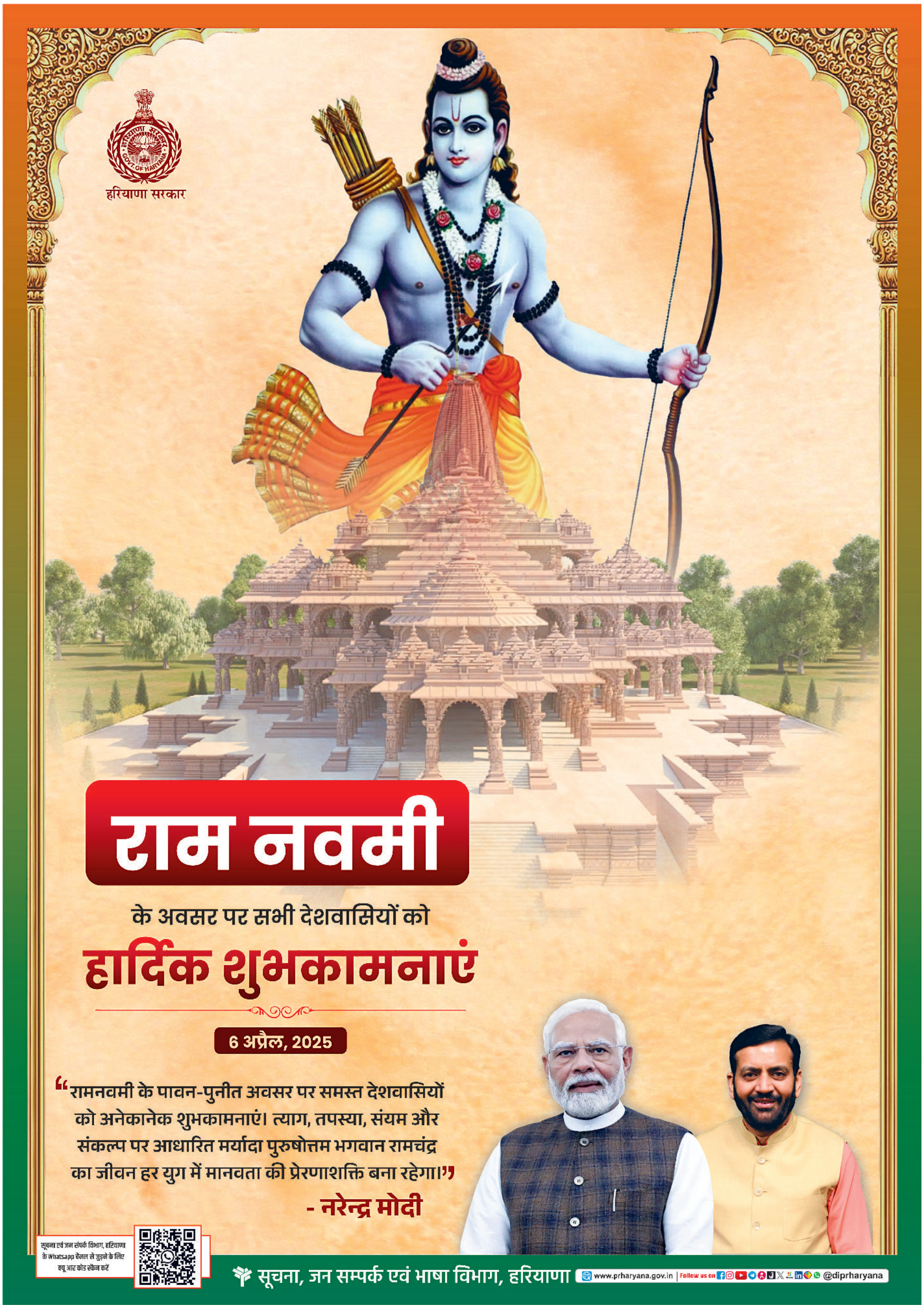

बीते वर्ष रामनवमी के पावन अवसर पर अयोध्या में सूर्य किरणों से नवप्रतिष्ठित रामलला के ललाट पर सूर्य तिलक किया गया था। आज रामनवमी से प्रतिदिन रामलला के सूर्य तिलक की योजना बनाई गई है। ऐसा कैसे संभव होगा, इसके लिए कैसे तकनीक काम करेगी और देश-विदेश में ऐसा और कहां हो चुका है? इस बारे में विस्तार से जानिए।

श्रीरामलला के ललाट पर नियमित होगा सूर्य तिलक

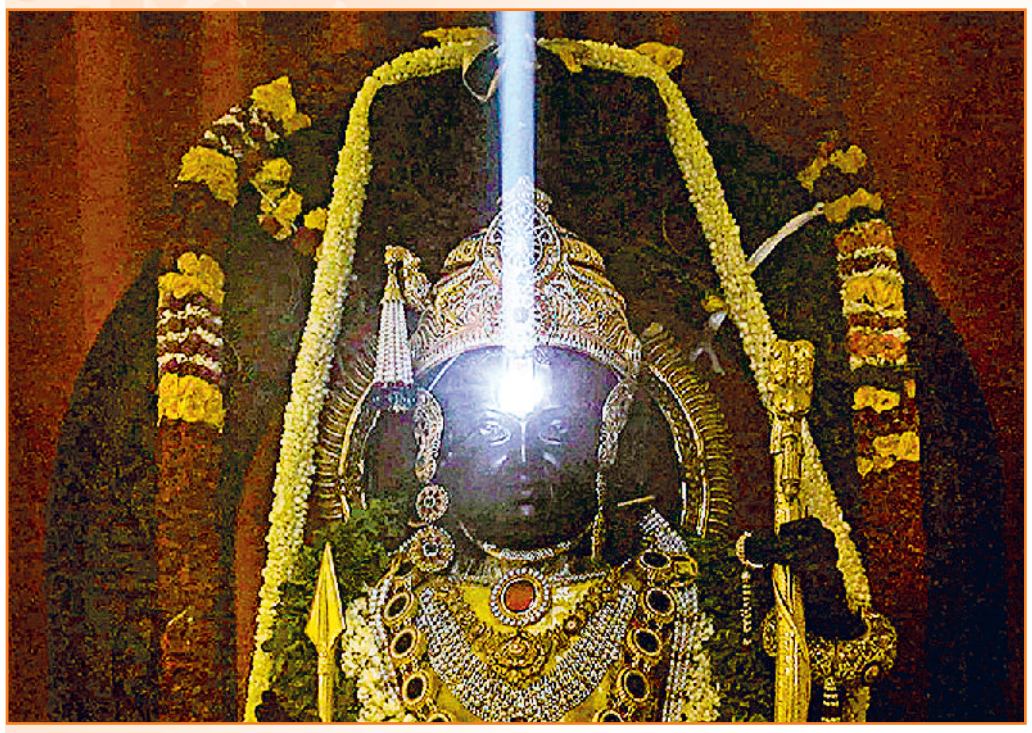

आवरण कथा
लोकमित्र गौतम

आज से अयोध्या के श्रीराम मंदिर में रामलला का प्रतिदिन सूर्य तिलक होगा। यह फैसला मंदिर निर्माण समिति ने लिया है। इसके तहत करीब 4 मिनट तक सूर्य की किरणें रामलला के ललाट को सुशोभित किया करेंगी। समिति के अध्यक्ष और पूर्व आईएएस नृपेंद्र मिश्र के मुताबिक हर दिन सूर्य तिलक की प्लानिंग अभी अगले 20 सालों तक के लिए की गई है।

गौरतलब है कि पिछले साल रामनवमी के दिन यानी 17 अप्रैल, 2024 को पहली बार रामलला का राजतिलक सूर्य की किरणों से किया गया था, जिसे 'सूर्य तिलक' कहा गया। इसकी वैज्ञानिक तकनीक मुख्य रूप से प्रकाश के परावर्तन और अपवर्तन के सिद्धांतों पर आधारित है।

कैसे किया गया सूर्य तिलक

सूर्य तिलक के लिए सबसे पहले संग्रहण लेंस और दर्पणों की मदद से सूर्य की किरणों को एक नियत स्थान पर केंद्रित किया गया। यह सूर्य की स्थिति की सटीक खगोलीय गणना और इंजीनियरिंग का कमाल था, जिससे दर्पणों और लेंसों को एक खास कोण पर स्थापित किया गया, जिससे सूर्य की किरणें सीधे रामलला के मस्तक पर सुशोभित हुईं। इस समूची प्रक्रिया में सौर संरेखण और भारतीय खगोलशास्त्र के सटीक ज्ञान का प्रयोग किया गया। पहले ऐसा करना हर वर्ष रामनवमी के दिन के लिए प्रस्तावित था। लेकिन आज रामनवमी से अगले 20 सालों तक हर दिन ऐसा होगा।

पहले भी हुआ है ऐसा

मुगलों द्वारा क्षतिग्रस्त किए जाने के पहले तक ओडिशा स्थित कोणार्क के सूर्य मंदिर के मुख्य गर्भगृह तक भी सूर्य की पहली किरणें पहुंचती थीं। लेकिन वहां किसी प्रतिमा के मस्तक पर सटीक तिलक नहीं होता था। इसी तरह महाराष्ट्र के कोराडी मंदिर में भी सूर्य की किरणें एक विशेष दिन गर्भगृह में प्रवेश करती हैं। ऐसे ही मदुरै (तमिलनाडु) के मीनाक्षी मंदिर में भी सूर्य की रोशनी गर्भगृह तक पहुंचती है। बृहदेश्वर मंदिर (तंजावुर) में भी विशेष संरेखण के जरिए शिवलिंग पर एक निश्चित समय सूर्य की रोशनी गिरती है। लेकिन इन सभी मंदिरों में किसी मूर्ति के सटीक मस्तक पर तिलक होने की तकनीक पहले कभी नहीं थी, जिस तरह की तकनीक से अयोध्या में रामलला के मस्तक को सुशोभित किया जा रहा है। ऐसी विशिष्ट तकनीक पहली बार प्रयोग की गई है। इससे पहले की सारी तकनीकें प्रकाश संरेखण के जरिए सूर्य की किरणों को गर्भगृह पहुंचाने तक ही सीमित थीं।

कोणार्क का सूर्य मंदिर

अनोखी है यह तकनीक

यह तकनीक वास्तव में इंजीनियरिंग और खगोलशास्त्र का संगम है। इस तकनीक में खगोलशास्त्र और भौतिकी (प्रकाश) विज्ञान का एक साथ उपयोग किया गया है। वास्तव में यह दुर्लभ संरेखण यानी रेयर एलाइनमेंट, बेहद सटीक काल गणना और दर्पण-लेंस प्रणाली के बेहतरीन समन्वय का नतीजा होती है। पहली बार किसी मंदिर में यह सूर्य किरण तिलक धार्मिक अनुष्ठान का हिस्सा बना है। सूर्य तिलक बेहद जटिल तकनीकी है। केवल किसी खास दिन, केवल कुछ निश्चित क्षणों के लिए इसे सुनिश्चित करना भी बड़ी विशेषज्ञता है।

ऐसे होगा हर दिन सूर्य तिलक

चूंकि आज रामनवमी से प्रतिदिन रामलला का सूर्य तिलक किया जाना प्रस्तावित है, इसलिए मन में ऐसे सवाल उठने स्वाभाविक हैं कि जिस दिन सूर्य उगने के समय बारिश हो रही होगी, धुंध और कोहरा छाया होगा, उस दिन यह सब कैसे संभव होगा? जानकारों के मुताबिक अगर किसी दिन बारिश, बादल या मौसम की खराबी के कारण सूर्य दिखाई नहीं देगा, उस दिन यदि सूर्य तिलक की तकनीक पूरी तरह से प्रत्यक्ष सूर्य प्रकाश पर निर्भर होगी तब तो उस दिन सूर्य तिलक संभव नहीं होगा। चूंकि खगोलीय घटनाएं स्वाभाविक रूप से मौसम पर निर्भर होती हैं, इसलिए दुनिया के किसी भी स्थान पर 100% ऐसा करना प्राकृतिक ढंग से सुनिश्चित नहीं किया जा सकता। लेकिन इसे बिना प्रत्यक्ष सूर्योदय के भी 100 फीसदी विभिन्न वैज्ञानिक तकनीक से संभव है। इसके लिए कुछ वैकल्पिक तकनीकी समाधान अपनाए जा सकते हैं, जैसे आर्टिफिशियल लाइटिंग सिस्टम। जिस तरह से सौर ऊर्जा संयंत्रों में सोलर लैंप का उपयोग किया जाता है, उसी तरह एक विशेष प्रकार की प्रकाशीय व्यवस्था यहां भी की जा सकती है। यह एलईडी या लेजर तकनीक का उपयोग कर सूर्य के प्रकाश का कृत्रिम रूप तैयार कर सकती है, जिससे तिलक की परंपरा जारी रह सके। रिफ्लेक्टर मिरर सिस्टम से भी यह संभव है। यदि किसी दिन प्रत्यक्ष सूर्योदय न हो तो इसके लिए पिछले दिनों के एकत्रित प्रकाश का उपयोग किया जा सकता है।

होलोग्राम तकनीक का विकल्प

एक अन्य विकल्प थ्री डी प्रोजेक्शन या होलोग्राम तकनीक भी हो सकती है, जो तिलक के प्रभाव को ठीक वैसे ही दिखाएगी, जैसा वास्तविक सूर्य तिलक के दौरान होता है। हालांकि मंदिर प्रशासन ने अब तक किसी आपातकाल में कृत्रिम विकल्प अपनाने की घोषणा नहीं की है, लेकिन भविष्य में यदि भक्तों की मांग बढ़ती है, तो कृत्रिम रोशनी या वैकल्पिक तकनीकों को शामिल किया जा सकता है।

और भी हैं तकनीकें

कई बार ऐसा भी होता है कि मौसमी परिस्थितियों के चलते सामान्यतः सूर्य उगता हुआ नहीं दिखता, लेकिन वैज्ञानिक तथ्य यही होता है कि तब भी सूरज बादलों के पार उगा होता है और उसकी रोशनी किसी न किसी रूप में धरती पर आ रही होती है। यानी, नियत समय पर तब भी सूर्य अपनी जगह पर उग चुका होता है। वैज्ञानिक उपकरणों की मदद से इस रोशनी का इस्तेमाल सूर्य तिलक के लिए संभव है। इसके लिए आधुनिक प्रकाशीय तकनीकों (ऑप्टिकल टेक्नोलॉजी) और सौर ऊर्जा संग्रहण प्रणालियों का उपयोग किया जा सकता है। ऑप्टिकल सेंसर और रिले मिरर के साथ-साथ सोलर ट्रैकिंग सेंसर के जरिए जब सूरज उगा हुआ न दिखे तब भी यह संभव है। क्योंकि ये सेंसर सूर्य की स्थिति को ट्रैक करते हैं, भले ही वह बादलों के पीछे छिपा हो। ऐसे में सूर्य की हलकी सी रोशनी को भी ये सेंसर विशेष दर्पण प्रणाली की मदद से मूर्ति के मस्तक तक पहुंचा सकते हैं। इस तकनीक में फाइबर ऑप्टिक्स का भी उपयोग किया जा सकता है और सूरज की धुंधली रोशनी को भी केंद्रित किया जा सकता है। लब्बोलुआब यह कि वैज्ञानिक उपकरणों की मदद से बादलों के बावजूद सूर्य तिलक संभव किया जा सकता है, लेकिन इसके लिए सोलर ट्रैकिंग, रिले मिरर जैसी लेजर तकनीकों का उपयोग करना होगा। *

दुनिया में और कहां होता है ऐसा

किसी प्रतिमा पर सूर्य किरण से तिलक करने की घटना एक अन्य देश में भी होती है। अबू सिंबल मंदिर (मिस्र) में हर वर्ष 22 फरवरी और 22 अक्टूबर को सूर्य की किरणें सीधे फराओ रामसेस द्वतीय की मूर्ति पर पड़ती हैं। लेकिन मूर्ति के मस्तक जैसे किसी एक विशेष स्थान पर सटीक ढंग से महज कुछ मिनटों के लिए सूर्य की किरणें नहीं गिरतीं जैसे कि अयोध्या के राम मंदिर में प्रतिष्ठित रामलला की मूर्ति के ललाट पर गिरती हैं।

रामनवमी विशेष

राम नाम की महिमा अपार

दो अक्षरों से निर्मित 'राम' नाम की महिमा की थाह अपार, अनंत और कल्याणकारी मानी जाती है। पुराणों से लेकर धार्मिक साहित्य में भी इस नाम की महत्ता का गुणगान मिलता है। अनेक देशों में राम नाम के नगर और राम नाम धारी अनोखे बैंक इसे प्रमाणित करते हैं।

महात्म्य
शिखर चंद जैन

आपने यह भजन तो अवश्य सुना होगा, 'राम से बड़ा राम का नाम।' यह सुनकर आश्चर्य हो सकता है कि भला प्रभु राम का नाम, उनसे भी बड़ा कैसे हो सकता है! लेकिन यह बात महान ऋषि, मुनि, विद्वान और धर्माचार्य भी कहते रहे हैं। राम का नाम जपने वाले कई संत और कवि हुए हैं। जैसे कबीरदास, तुलसीदास, रामानंद, नाभादास, स्वामी अग्रदास, प्राणचंद चौहान, केशवदास, रैदास या रविदास, दादू दयाल, सुंदरदास, मलूकदास, समर्थ रामदास आदि। प्रभु श्रीराम का नाम सुमिरन करते हुए, नाम जप करते हुए असंख्य साधु-संत मुक्ति को प्राप्त हो गए हैं। कई पुराणों में भी इस तरह का उल्लेख किया गया है कि कलयुग में राम नाम का जप ही लोगों को भवसागर से पार ले जाने वाला सिद्ध होगा।

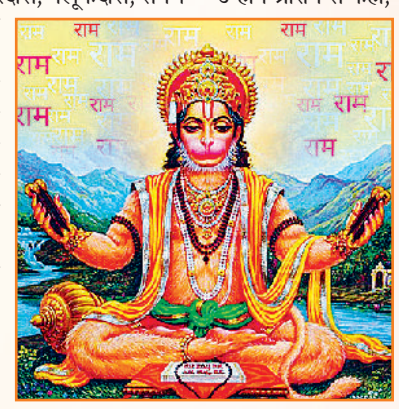

शिव भी जपते राम का नाम

पौराणिक मान्यता है कि राम नाम की महिमा का वर्णन शिवजी से सुनकर माता पार्वती भी उनका नाम जप करती हैं। शिवजी हनुमानजी का अवतार लेकर भी राम का नाम ही जपते रहते हैं। रामचरित मानस में तुलसीदास जी ने राम नाम की महिमा का कई जगहों पर वर्णन किया है-

महामंत्र जोइ जपत महेसू। कासी मुकुति हेतु उपदेसू॥
महिमा जासु जान गनराऊ। प्रथम पूजिअत नाम प्रभाऊ॥

अर्थात जो महामंत्र है, जिसे महेश्वर श्री शिवजी जपते हैं और उनके द्वारा जिसका उपदेश काशी में मुक्ति का कारण है तथा जिसकी महिमा को गणेशजी जानते हैं, जो इस 'राम' नाम के प्रभाव से ही सबसे पहले पूजे जाते हैं। एक अन्य स्थल पर वे कहते हैं-

रामनाम कि औषधि खरी नियत से खाय,
अंगरोग व्यापे नहीं महारोग मिट जाए।

अर्थात, राम नाम का जप एक ऐसी औषधि के समान है, जिसे अगर सच्चे हृदय से जपा जाए तो सभी आदि-व्याधि दूर हो जाती हैं, मन को परम शांति मिलती है।

स्वयं प्रभु को हुआ अचरज

राम नाम की महिमा का एक प्रसंग बहुत चर्चित है। आपने भी रामायण में पढ़ा होगा कि रामसेतु के निर्माण के समय हर पत्थर पर राम नाम लिखा जा रहा था और हर कोई राम नाम का जयघोष कर रहा था। राम के नाम लिखे पत्थर जब तैरने लगे तो प्रभु श्रीराम भी आश्चर्य में पड़ कर सोचने लगे। उन्होंने सोचा कि जब मेरे नाम लिखे पत्थर तैरने लगे हैं तो यदि मैं कोई पत्थर फेंकता हूं समुद्र में तो उसे भी तैरना चाहिए। मन में यही विचार करके उन्होंने भी एक पत्थर उठा लिया, जिस पर राम का नाम नहीं लिखा था और उसे समुद्र में फेंक दिया, लेकिन वह पत्थर डूब गया। भगवान श्रीराम आश्चर्य में पड़ गए कि आखिर ऐसा क्यों हुआ? दूर खड़े हनुमानजी यह सब देख रहे थे। उन्होंने श्रीराम से कहा, 'प्रभु! आप जिस दुविधा में हैं उसका उत्तर मैं देता हूं। हे प्रभु! आपके नाम को धारण कर तो सभी अपने जीवन की नैया को पार लगा सकते हैं, लेकिन जिसे आप स्वयं त्याग रहे हैं, उसे डूबने से भला कोई कैसे बचा सकता है?'

पाप-अज्ञान से मिले मुक्ति

राम के नाम में इतनी शक्ति है कि उनके नाम का जप करते हुए वाल्मीकि, देवतुल्य ऋषि और तुलसीदास, अज्ञानी से महान ज्ञानी-संत कवि बने।

दुनिया भर में व्याप्त राम का नाम

भगवान राम के नाम का डंका भारत भूमि पर ही नहीं, बल्कि विदेशी धरती पर भी बजता है। एक अध्ययन के मुताबिक राम, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पूज्यनीय हैं। हॉलैंड का महर्षि वैदिक विश्वविद्यालय ऐसा नक्शा बना रहा है, जिसमें राम के नाम से जुड़े करीब एक हजार नगर हैं, इस पर काम चल रहा है। राम नाम से दुनिया के अनेक देशों में नगर मौजूद हैं। इनमें शामिल हैं- ऑस्ट्रेलिया-रामसे, अलास्का-रामीज, बेल्जियम-इवोज रामेट, रामसेल, अफगानिस्तान-रामबुत, जर्मनी-रामवर्ग, रामस्टीन, रामबो, जिंबाब्वे-रामक्काड, लीबिया-रामलहर, लेबनान-रामाथी, सीरिया- रामर, रामट, मैक्सिको-रामीनेज, रामोनल, केन्या-रामा, रामी, डेनमार्क-रामी, रामसी, रामटेनऑ, अमेरिका-रामपो, रामह, रामरीटो, रामीरेज, इराक-रमन, रामूटा, रामा, रामाला, ईरान-रामरोद, रामसार, रामिस्क, रामिया, रूस- रामासुख, रामेसा, रामेला, रामेस्फ, स्पेन- रामाल्स डला विक्टोरिया, इंग्लैंड-रामसगबेट, राम्सगिन, राम टेक्पासाइड, फ्रांस-रामट्यूवेल, सेंट रामवर्ट, सेंट रामबाउलर *

अनोखी आस्था : राम नाम का बैंक

बनारस की पावन धरती पर राम नाम की महिमा को समर्पित राम नाम का एक बैंक है। इस बैंक का नाम है 'राम रमापति बैंक'। यह देश में नित नए खुल रहे राम नाम बैंकों में से सबसे पुराना है। यहां 'राम नाम' का कर्ज भी मिलता है। इस बैंक को 1926 में दास छन्नूलाल ने स्थापित किया था। बैंक के नियम कायदे काफी कठोर हैं, जिनका पालन ग्राहकों को अनुशासित रूप से करना पड़ता है। हर ग्राहक को 500 बार रोज के हिसाब से 1,25,000 बार राम नाम लिखने का वादा करना पड़ता है, वह भी सुबह 4 बजे से शाम को 7 बजे के बीच की अवधि में। लेखन सामग्री और स्याही आदि सब बैंक द्वारा उपलब्ध करवाया जाता है। लाल स्याही के पावडर को गंगा नदी के जल में घोलकर स्याही बनानी पड़ती है। इतने कड़े नियमों के बावजूद इस अनूठे बैंक के डेढ़ लाख आजीवन सदस्य हैं। भगवान की जन्मभूमि अयोध्या में भी अंतरराष्ट्रीय 'श्री सीताराम बैंक' है। यहां सभी भाषाओं में राम का नाम लिखा हुआ स्वीकार किया जाता है। इस बैंक की 101 शाखाएं हैं, जो न सिर्फ हमारे देश में बल्कि अमेरिका, कनाडा, नेपाल और फिजी में भी हैं।

नवगीत
डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

गमलों के बरगद

छांव नहीं दे पाते हैं
गमलों के बरगद
उन्हें देखकर नागफनी
होती है गदगद।
कुछ भी करने पर बंदिश
हो, हाथ बंधे हों
जिस पर कलम चलाना हो
वो पत्र कंधे हों
नहीं मायने रखता
ऐसे में कोई पद।
अपने बूते चलने वाले
कम दिखते हैं
कुछ परबुधिया हो जाते हैं
कुछ बिकते हैं
लोग तय किया करते हैं
अब औरों की हद।
ठेढ़े पेड़ों को हरदम
कटना पड़ता है
बिना मोल के लोगों में
बंटना पड़ता है
जड़ें कटी हों जिसकी
घटता है उसका कद।
निर्भय होने पर ही चिड़िया
उड़ पाती है
खुले गगन से जीवन भर
फिर जुड़ पाती है
पंख तभी खुलते हैं जब
वो भरती है डग।

अरे मियां, घिबली इंसानों की फोटो को कार्टून में बदलता है। हम तो जैसे थे वैसे ही हैं। हमारे सहित लाखों लोग लगे हैं कार्टून बनने में। अब खुद करके देखिए तो समझ जाइएगा कि ये घिबली क्या बला है!

कार्टून इंसान की कार्टून छवि

व्यंग्य
संदीप भटनागर

चुन्नी बाबू सुबह से छः बार कॉल कर चुके थे और हम बात करना टाल रहे थे। सोचा थोड़ी देर में खुद ही समझ जाएंगे लेकिन जब सातवीं बार फिर मोबाइल रिंग के साथ स्क्रीन पर उनका नाम चमका तो लगा कि उधर कुछ ज्यादा ही बेचैनी है।

फोन उठाते ही चुन्नी बाबू गरियाए 'अमां क्या अहमक आदमी हैं आप, एक ओर हमारी दोस्ती का दम भरते हैं और दूसरी ओर हमारे कॉल्स नजरअंदाज करते हैं? एक-दो कॉल हो तो ठीक है छः कॉल घोट कर पी गए। खुदा न खास्ता कोई इमरजेंसी हो तो हम तो तुम्हारे भरोसे नप ही जाएं। तुम्हारे इसी एटीट्यूड के कारण हमने हमारी संभावित 'फोन अ फ्रेंड' की लिस्ट में से तुम्हारा नाम डिलीट कर दिया है।'

चुन्नी बाबू पिछले कई सालों से हॉट सीट के चक्कर में लगे थे।

क्षणिक चुप्पी के बाद चुन्नी बाबू की गहरी सांस ने सिग्नल दिया कि अब बोलने की बारी हमारी है।

'ऐसी तो कोई बात नहीं चुन्नी बाबू कि हम आपका कॉल नजरअंदाज करें वो बस सुबह की मसरूफियत में आपके कॉल मिस कर बैठे, अब बताओ कौन सी इमरजेंसी आन पड़ी है?'

चुन्नी बाबू थोड़ा नॉर्मल होकर बोले, 'सुना है, तुमने अपने रिटायरमेंट के बाद लोगों को ज्ञान बांटने का काम चालू किया है?'

'अरे नहीं चुन्नी बाबू, हम क्या ज्ञान बांटेंगे? इस काम में तो अनेक सोशल मीडिया यूनिवर्सिटी और हजारों वाट्सएप समूहों के एडमिन और लाखों सदस्य दिन-रात लगे पड़े हैं। हमें तो बस कोई बुलाता है तो चले जाते हैं। इस बहाने अपना भी टाइम पास हो जाता है।'

'चलो ठीक है मान ली तुम्हारी बात, लेकिन उसके लिए तुम्हें दुनिया भर की खबर भी तो होनी चाहिए।' अब चुन्नी बाबू ज्ञान बांटने के मूड में लगे।

हमने कहा, 'हां इसी कोशिश में हम कुछ न कुछ पढ़ते-लिखते रहते हैं।'

'पढ़ना-लिखना सब पुराना ट्रेंड हो गया है, इससे कुछ नया हासिल होने वाला नहीं है। हर रोज नई-नई चीजें ट्रेंड हो रही हैं और तुम किताबों से माथा-पच्ची में लगे हो। पिछले कुछ दिनों से घिबली ने देश-दुनिया को हिलाकर रखा है।' चुन्नी बाबू ने हमें धिक्कारा।

हमें लगा कि म्यांमार और पड़ोसी देशों में आए विनाशकारी भूकंप के बाद यह कोई नई मुसीबत आई है। हमने अपने ज्ञान तंतुओं को एकत्रित कर पूछा, 'क्या घिबली कोई नया तूफान या चक्रवात है, जिसकी हमें खबर नहीं है?' बहुधा चक्रवात और तूफानों के इस तरह के नामकरण करने की परंपरा है।

चुन्नी बाबू हमारे अज्ञान पर तरस खाकर बोले, 'अपनी भूरी, मटमैली, नीरस किताबी दुनिया से बाहर निकल कर कुछ समय सोशल साइट्स की रंग-बिरंगी दुनिया में बिताओ तो पता लगे कि क्या हैशटैग हो रहा है और क्या ट्रेंड कर रहा है?'

हम अपनी गैर सामाजिक छवि पर शर्मिंदा हुए और समर्पण भाव से बोले, 'आप ही बता दीजिए कि घिबली क्या बला है, और इसका इतना शोर क्यों है?'

'जनाब इसका पूरा नाम घिबली स्टाइल पोट्रेट है, जो चैटजीपीटी का नया एआई टूल है।' चुन्नी बाबू ने अपनी ज्ञान की पोटली खोली।

'अच्छा! मतलब विज्ञान का तरक्की की ओर एक और कदम। यह हम इंसानों की किस तरह मदद करेगा?' हम चुन्नी बाबू के ज्ञान कुंड में गोता मारने की तैयारी में थे।

'यह इंसानों को कार्टून में बदल देता है।' चुन्नी बाबू के स्वर में उत्साह था।

हमने पूछा, 'आपने ट्राय किया?'

'हां किया और यही बताने के लिए तो सुबह से सात कॉल कर चुके हैं।'

हे भगवान! तो क्या अब चुन्नी बाबू की जगह उनके कार्टून से काम चलाना होगा और उनकी बीवी परम आदरणीय हमारी भाभी जी का क्या होगा? वो तो दिन भर में पचासियों बार उन्हें कार्टून घोषित करती रहती हैं। अब तो घोषित करने लायक कुछ रहा ही नहीं।

'मिलने पर हम आपको पहचान पाएंगे?' हमने अपनी शंका जाहिर की।

'हमें क्या हुआ है?' चुन्नी बाबू चौंक कर बोले।

हमने कहा, 'अरे! अभी तो आपने कहा कि आप घिबली के वश में आकर कार्टून बन गए हैं।'

चुन्नी बाबू हमारी नादानी पर खुल कर हंसते हुए बोले, 'अरे मियां, घिबली इंसानों की फोटो को कार्टून में बदलता है। हम तो जैसे थे वैसे ही हैं। हमारे सहित लाखों लोग लगे हैं कार्टून बनने में। चलिए बहुत हुआ अब खुद करके देखिए तो समझ जाइएगा।' कह कर चुन्नी बाबू ने फोन काट दिया।

हम सोच रहे थे कि तरक्की की होड़ में दौड़ते-हांफते कार्टून बन चुके इंसान की छवि को कार्टून बनाने में इतने पैसे खर्च क्यों किए? और कर भी दिए तो ये झुनझुना हमें क्यों थमा दिया? हमारे अपने झुनझुने कम थे क्या? अब बजाने के लिए यह झुनझुना मुफ्त में मिल ही गया है तो हम भी टूट पड़े उसे टूटने की हद तक बजाने के लिए।

बीते सप्ताह यह खबर भी आई कि ओपन एआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने हाथ जोड़ कर इंसानों से विनती की है कि कार्टून बनने-बनाने की प्रक्रिया को धीमा करें ताकि उनके टूल्स लंबे समय तक प्रभावी रूप से इंसान की छवि को कार्टून बनाते रहें। *

रचनाएं आमंत्रित...

हिंदी दैनिक **हरिभूमि** के फीचर पृष्ठों (रविवार भारती, सहेली, बालभूमि और सेहत) में प्रकाशनार्थ आलेख, छोटी कहानियां, कविताएं, व्यंग्य, बाल कथाएं आमंत्रित हैं। लेखकों से अनुरोध है कि अपनी रचनाएं कृतिदेव या यूनिकोड फॉन्ट में हमें ईमेल आईडी haribhoomifeaturedep@gmail.com पर मेल करें।

भाजपा के स्थापना दिवस पर कार्यालयों में लहराएगा पार्टी का ध्वज, बांटी जाएगी मिठाई

भाजपा प्रदेश महामंत्री ने होने वाले कार्यक्रमों की दी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

6 अप्रैल को भारतीय जनता पार्टी का स्थापना दिवस प्रदेश भर में उत्साहपूर्वक मनाया जाएगा। इसको लेकर भाजपा ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। पार्टी कार्यालयों तथा कार्यकर्ताओं के निवास पर पार्टी ध्वज फहराया जाएगा।

कार्यालयों की सजावट कर मिठाई बांटी जाएगी और जिला स्तर पर प्रदर्शनी का आयोजन भी किया जाएगा। भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं विधायक भगवानदास सबनानी ने शुक्रवार को बताया कि 6 एवं 7 अप्रैल को बूथ स्तर पर और 8-9 अप्रैल को मंडल व विधानसभा स्तर पर नए प्राथमिक सदस्यों के सम्मेलन आयोजित होंगे। सम्मेलनों में भारतीय जनता पार्टी की चुनावी सफलता, संगठनात्मक विस्तार, भारतीय राजनीति में भाजपा द्वारा लाया गया परिवर्तन एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत की ओर यात्रा विषयों पर संबोधन होगा।

बूथ एवं मंडल स्तर पर नए प्राथमिक सदस्यों के सम्मेलन आयोजित होंगे

पार्टी पदाधिकारी करेंगे बस्तियों का दौरा

सबनानी ने बताया कि 7 अप्रैल से 13 अप्रैल के बीच पार्टी पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि गांव-बस्ती चलो अभियान के अंतर्गत पूरे दिन गांव, मोहल्ला या सेवा बस्ती का दौरा कर मंदिर, अस्पताल, स्कूल एवं गलियों में स्वच्छता अभियान में भाग लेंगे। विभिन्न योजनाओं के 10 लाभार्थियों से मिलकर उनसे बातचीत कर आंगनबाड़ी केंद्र, स्कूल, पशु चिकित्सालय, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं पंचायत कार्यालय का दौरा कर जल संरचनाओं की सफाई में सहभागिता करेंगे। कार्यकर्ताओं के साथ पार्टी के झंडे लेकर गलियों में यात्रा निकालेंगे। संध्या के समय स्थानीय निवासियों की चौपाल का आयोजन कर विभिन्न समुदाय के नेताओं एवं प्रतिष्ठित व्यक्तियों के निवास पहुंचकर भेंट करेंगे। वरिष्ठ पार्टी कार्यकर्ताओं, मीसा बंदियों तथा कारसेवकों का सम्मान कर बूथ समितियों की बैठक में शामिल होंगे।

प्रदेश स्तर पर गठित हुई टोली

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने पार्टी के स्थापना दिवस पर होने वाले कार्यक्रमों को लेकर प्रदेश स्तरीय टोली का गठन किया है। टोली के संयोजक प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवानदास सबनानी तथा सह संयोजक पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष जीतू जिराती, सीमा सिंह एवं प्रदेश मंत्री रजनीश अग्रवाल को बनाया है।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने केंद्रीय मंत्री मांडविया से किया स्टेडियम बनाने का अनुरोध

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने शुक्रवार को नई दिल्ली में केन्द्रीय श्रम, रोजगार, युवा और खेल मंत्री मनसुख मांडविया से भेंट की। इस दौरान उन्होंने केंद्रीय मंत्री से पन्ना जिले में खेलो इंडिया के तहत स्टेडियम निर्माण तथा खजुराहो नगर में भारतीय खेल प्राधिकरण के उप-केन्द्र की स्थापना का आग्रह किया।

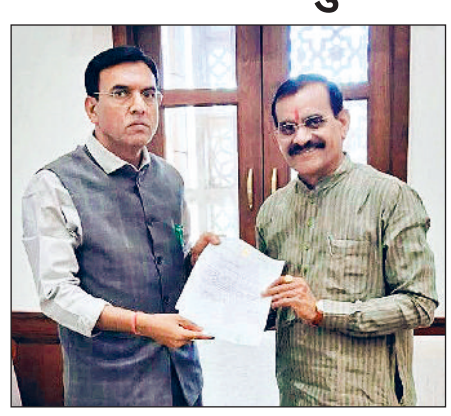

धार्मिक नगरों में पवित्र भाव और परिवारों में स्वस्थ वातावरण बनाए रखने के लिए लागू की शराबबंदी

पीताम्बरा माई सहित देवी मां की कृपा वाले स्थानों को देवी लोक के रूप में किया जाएगा विकसित

सीएम डॉ. यादव का दतिया में शराबबंदी लागू करने पर हुआ भव्य नागरिक अभिनंदन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि 'वसुधैव कुटुंबकम' के विचार वाली भारतीय संस्कृति संपूर्ण विश्व को परिवार मानती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में इस सिद्धांत पर चल रही राज्य सरकार सभी के हित और कल्याण के लिए समर्पित है। परिवारों का वातावरण खराब न हो, मेहनत से कमाए गए पैसे का उपयोग परिवार के हित में हो, यह सुनिश्चित करने के लिए ही शराबबंदी लागू की गई है। धार्मिक नगरों में पवित्र भाव की अनुभूति होती है, प्रदेश के 19 देव-स्थानों की गरिमा को बनाए रखने के लिए ही इन स्थानों पर शराबबंदी लागू की गई।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव मां पीताम्बरा की नगरी दतिया में शराबबंदी लागू करने के लिए आयोजित नागरिक अभिनंदन समारोह को संबोधित कर रहे थे। जन-प्रतिनिधियों और नागरिकों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का दतिया में शराबबंदी के लिए नागरिक अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री ने किसानों से जमीन नहीं बेचने का आह्वान करते हुए कहा कि इन नदी जोड़ो परियोजनाओं से दतिया भी लाभान्वित होगा और किसान परिवारों का खुशहाल जीवन सुनिश्चित है। डबल इंजन की सरकार में जनता का हित सर्वोपरि है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुक्रवार को दतिया में मां पीताम्बरा माई के दरबार में दर्शन कर पूजा-अर्चना की। उनके साथ पूर्व गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा सहित जन-प्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन ने दतिया में मां पीताम्बरा माई के दरबार में दर्शन कर पूजा-अर्चना की

पूर्व गृहमंत्री डॉ. मिश्रा ने कहा, शराबबंदी निर्णय की जितनी प्रशंसा की जाए, उतनी कम है

पूर्व गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दतिया सहित प्रदेश के अनेक धार्मिक शहरों में शराबबंदी का जो निर्णय लिया है, उसकी जितनी प्रशंसा की जाए, उतनी कम है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में युवाओं को रोजगार उपलब्ध हों, इसके लिए मुख्यमंत्री की ओर से देश, विदेश में जाकर उद्योगपतियों से चर्चा कर प्रदेश में उद्योग स्थापित करने के सार्थक प्रयास किए हैं। इसके कारण उद्योगपतियों ने प्रदेश में उद्योग-धंधे स्थापित कर लोगों को रोजगार उपलब्ध कराया है।

राज्य सरकार सबके कल्याण के लिए ही समर्पित भाव से काम कर रही

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दतिया सहित प्रदेश में जहां-जहां देवी मां की कृपा है, वहां देवी लोक विकसित किए जाएंगे। चित्रकूट सहित भगवान श्रीराम से जुड़े प्रदेश के सभी स्थानों का श्रीराम वनपथ गमन मार्ग के तहत उन्नयन किया जा रहा है। इसी प्रकार भगवान श्रीकृष्ण की जहां-जहां भी लीलाएं हुईं, उन स्थानों को भी तीर्थ के रूप में विकसित करने के लिए बजट में प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सनातन संस्कृति के मूल भाव सर्वे भवंतु सुखिनः सर्वे संतु निरामयः के अनुरूप राज्य सरकार सबके कल्याण के लिए ही समर्पित भाव से काम कर रही है।

किसानों को उनकी मेहनत और उपज का सही दाम मिले

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था कृषि आधारित है। राज्य सरकार के लिए कृषकों का हित सर्वोपरि है, किसानों को उनकी मेहनत और उपज का सही दाम मिले, यह सुनिश्चित करने के लिए ही 2600 रुपए प्रति क्विंटल की दर पर गेहूं खरीदा जा रहा है। प्रधानमंत्री ने प्रदेश के लिए 'केन-बेतवा' लिंक परियोजना और 'चंबल-काली सिंध-पार्वती' नदी जोड़ों परियोजना जैसी सौगात प्रदेश को दी है। साथ ही ताप्ती मेगा रिचार्ज परियोजना को भी स्वीकृति प्रदान की गई है।

अनावश्यक खर्चों से परहेज करने के लिए जनसामान्य को प्रेरित करें

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अनावश्यक खर्चों से परहेज करने के लिए जनसामान्य को प्रेरित करते हुए कहा कि विवाह और मृत्यु भोज जैसे आयोजनों में अनावश्यक खर्च करना व्यर्थ है। अपने बच्चों की पढ़ाई-लिखाई और उनके भविष्य निर्माण पर ध्यान देना ही परिवारों की सर्वोच्च प्राथमिकता होना चाहिए। हर गरीब को रहने के लिए पक्का मकान, हर जरूरतमंद के लिए भोजन की व्यवस्था जैसी गतिविधियां संचालित की जा रही हैं।

ईसागढ़ पहुंचकर डॉ. यादव ने लिया जायजा

पीएम मोदी का आनंदपुर धाम प्रवास 11 को, मुख्यमंत्री ने देखी तैयारियां

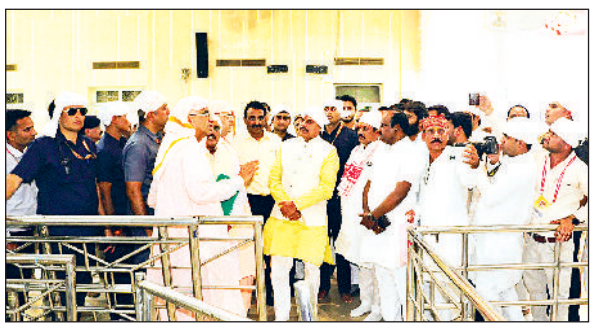

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अशोकनगर के ईसागढ़ स्थित आनंदपुर धाम में 11 अप्रैल को प्रस्तावित भ्रमण की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने हेलीपैड स्थल, सुरक्षा व्यवस्था, रूट चार्ट, मंदिरों के दर्शन स्थल, पूजा स्थान तथा सत्संग स्थल का निरीक्षण कर जानकारी ली। साथ ही अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने आनंदपुर धाम स्थित परमहंस अद्वैत मत, आनंद शांति कुंज, आनंद शांति भवन, आनंद सरोवर एवं आनंद शांति धाम पहुंचकर दर्शन किए गए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आनंदपुर धाम स्थित मंदिरों में पहुंचकर पूजा-अर्चना की। उन्होंने आनंद सरोवर के पवित्र जल में पुष्प अर्पित कर आशीर्वाद लिया और प्रसाद ग्रहण किया। उन्होंने आनंदपुर धाम की महिमा को गरिमामय बताते हुए कहा कि यहां पहुंचने पर सुखद अनुभूति होती है।

बैसाखी पर लगेगा वार्षिक मेला

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बैसाखी पर लगने वाले वार्षिक मेले में आने वाले अनुयायियों एवं दर्शनार्थियों के लिए सभी व्यवस्थाएं बेहतर करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आनंदपुर सत्संग आश्रम परमहंस अद्वैत मत का भक्ति परमार्थ का प्रमुख केन्द्र तथा एक महान तीर्थ स्थल एवं अथाह ज्ञान व आत्मिक विद्या का अतुलनीय भंडार है। यहां पर आनंद सरोवर की तरल छटा निराली है तथा परिधि में पूजा स्थलों का अनोखा संगम है। इस पवित्र स्थल पर आकर मन को शांति तथा आत्म ज्ञान को बल मिलता है। इस मौके पर मंत्री राकेश शुक्ला, स्थानीय विधायक, पूर्व विधायक सहित जनप्रतिनिधि, ट्रस्ट के महात्मा, अनुयायी एवं पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारी उपस्थित थे।

राम के मर्म, रामायण के संदेशों पर आज होगा गहन मंथन

नई दिल्ली (हरिभूमि न्यूज)। भारत की रग-रग में राम क्यों बसे हैं ? हर मन में विराज कर समाज को हर भारतवासी को मर्यादित कौन रखता है? नीति, आचरण, आदर्श, स्वाभिमान, त्याग, समर्पण के उच्च मानकों ने हिंदू संस्कृति को सर्वव्यापी, सर्वकालिक सनातन रूप में कैसे स्थापित किया? ऐसे अनेक बिंदुओं पर रोहिणी, नई दिल्ली में भारत के शाश्वत मूल्यों को समर्पित देश की प्रमुख संस्था चेतना के विशेष कार्यक्रम रामायण महोत्सव 4.0 में रविवार 6 अप्रैल को चर्चा होगी। चेतना के अध्यक्ष एवं अंतर्राष्ट्रीय कवि राजेश चेतन ने बताया कि इस कार्यक्रम में दिग्गज अपने व्याख्यान में भगवान राम के विविध कल्याणकारी रूपों, दीक्षाओं, संदेशों के प्रत्यक्ष एवं परोक्ष प्रयोजनों, निहितार्थों पर प्रकाश डालेंगे। राजेश चेतन ने बताया कि दिल्ली के कला व संस्कृति मंत्री कपिल मिश्रा, जीवन जीने की कला का मर्म समझाने वाले बाबा व्यास, कथावाचक स्वामी संजय प्रभाकरानंद, उत्तराखंड हनुमान धाम के संस्थापक अध्यक्ष विजय , लेखक व रंगकर्मी अतुल सत्य कौशिक, लोकप्रिय कवि दीपक सैनी व अमित शर्मा, अंतरराष्ट्रीय कथक नर्तक विश्वदीप शर्मा, प्रेरक व्यक्तित्व अनिल जोशी, राकेश शर्मा व डा. आदित्य शुक्ल के संबोधन से जो निष्कर्ष निकलेगा, निश्चित रूप से वह किसी बौद्धिक, वैचारिक व आत्मीय अमृत से कम नहीं होगा।

रन फॉर होमियोपैथी जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में आज

नई दिल्ली। होमियोपैथी के आविष्कारक डॉ. सैमुअल हैनीमैन की 270 वीं जयंती के उपलक्ष में दिल्ली के जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में 6 अप्रैल रविवार को आयोजित रन फॉर होमियोपैथी का मुख्य संदेश है,"स्वस्थ्य रहना हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है और हम यदि बीमार पड़ गए तो उसका उपचार सरल और निःशुल्क हो"। दुनिया भर में होमियोपैथी को मानने और चाहने वाले लोगों ने विभिन्न संचार माध्यमों से रन फॉर होम्योपैथी के सफलता और इस चिकित्सा पद्धति के उज्ज्वल भविष्य के लिए अपना संदेश भेजा है। मुंबई से विश्व प्रसिद्ध होमियोपैथिक चिकित्सक, अध्यापक डॉ. राजन शंकरन ने अपने संदेश में लिखा है कि होमियोपैथी की सार्थकता इसी में है कि यह देश और दुनिया के सभी वर्गों के स्वास्थ्य का वाहक बने। उन्होंने "रन फॉर होमियोपैथी" जैसे कार्यक्रम की सराहना की और कहा कि इसका दायरा और बढ़ाया जाना चाहिए। मुंबई स्थित होम्योपैथिक स्वास्थ्य हीलिंग केंद्र के निदेशक तथा दुनिया भर में होमियोपैथी के प्रचारक शिक्षक डॉ. दिनेश चौहान ने "रन फॉर होमियोपैथी" को होमियोपैथिक चिकित्सा के प्रचार एवं प्रसार का उत्कृष्ट माध्यम बताया और कहा कि ऐसे आयोजनों से लोगों में होमियोपैथी के प्रति आकर्षण और बढ़ता है। जाने माने होमियोपैथिक चिकित्सक,लेखक, संपादक एवं जनस्वास्थ्य वैज्ञानिक डॉ.ए.के.अरुण ने रन फॉर होमियोपैथी की सराहना की और कहा कि यह अपने आप में एक अनोखा और सम्भवतः देश में अकेला आयोजन है जिसमें होमियोपैथी के प्रचार प्रसार के लिए होमियोपैथिक चिकित्सकों के अलावे सेना,पैरा मिलेट्री,पीएसयू के कर्मचारी एवं अधिकारी,पेशेवर धावक एवं आम जनता भाग ले रहे हैं।

पसान थाना क्षेत्र की घटना, भीड़ ने शिक्षक को पीटा, गिरफ्तार

शिक्षक ने नाबालिग छात्रा से की दुष्कर्म की कोशिश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोरबा

पसान थाना क्षेत्र में एक शिक्षक ने ट्यूशन पढ़ने आई छात्रा के साथ दुष्कर्म करने की कोशिश की। छात्रा चीख-पुकार मचाते हुए जान बचाकर भाग निकली। छात्रा ने घटना की जानकारी अपने परिजनों को दी। इसके बाद आक्रोशित परिजन व अन्य लोगों ने शिक्षक की पिटाई कर दी।

पिटाई करने के बाद ग्रामीणों ने शिक्षक को पुलिस के हवाले कर दिया। ग्रामीण कड़ी सजा देने की मांग कर रहे हैं, ताकि इस तरह की हरकत दोबारा कोई शिक्षक न कर सके। जानकारी के अनुसार, माध्यमिक शाला में शिक्षक संजय कुमार कठौतिया हेड मास्टर के पद पर पदस्थ है। संजय कुमार किराये के मकान पर गांव में रहता है। शुक्रवार को पढ़ाने के बाद स्कूल से वह अपने घर चला गया। उसके कमरे पर आठवीं कक्षा की दो छात्राएं ट्यूशन पर जाती थी। शुक्रवार को दोनों छात्राएं ट्यूशन पढ़ने गईं। इस दौरान उसने एक छात्रा को यह कहकर वापस भेज दिया कि उसके पिताजी बुला रहे हैं। वहीं, दूसरी छात्रा के साथ वह छेड़खानी और दुष्कर्म की कोशिश करने लगा। छात्रा शिक्षक की करतूत देखकर एकदम से डर गई और विरोध करते हुए चिल्लाने लगी। इसके बाद वह दरवाजा खोलकर रोती हुई गांव में चल रही पूजा के पांडाल में पहुंची। उसने वहां मौजूद परिजन और ग्रामीणों को घटना की जानकारी दी। सभी एक होकर शिक्षक के पास पहुंचे और जमकर उसकी पिटाई की। साथ ही इसकी सूचना 112 को दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली।

बताया जा रहा है कि शिक्षक शादीशुदा है और उसकी पत्नी भी शिक्षाकर्मी है, जो बिलासपुर जिले में पदस्थ है। उसके बच्चे भी हैं, जो मां के साथ रहते हैं। आरोपी को जब पड़कर पसान थाना ले जाया गया। उसके बाद महिला स्टाफ नहीं होने के कारण उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ा और बांगो थाना से महिला स्टाफ बुलाकर आगे की कार्रवाई पूरी की गई। इस मामले में कोरबा एसपी सिद्धार्थ तिवारी ने बताया कि मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपी शिक्षक के खिलाफ कार्रवाई करते हुए आगे की जांच कार्रवाई जा रही है।

दो दिवसीय दंतेवाड़ा जिले के दौरे पर छत्तीसगढ़ पहुंचे केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह

शाह ने नक्सलियों से किया आह्वान 'मुख्य धारा में शामिल हो जाइए'

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सहित कई नेता और अधिकारी शामिल हुए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दंतेवाड़ा

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह दो दिवसीय छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले के दौरे पर हैं। शनिवार की दोपहर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पहले विमान से बस्तर पहुंचे। जगदलपुर आगमन के दौरान जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने आत्मीय स्वागत किया। इस मौके पर पूर्व सांसद दिनेश कश्यप और क्षेत्र के अन्य जनप्रतिनिधियों सहित कलेक्टर हरिस एस, पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा एवं जिला प्रशासन के अधिकारी मौजूद रहे। यहां से दंतेवाड़ा रवाना हुए।

सीधे आदिवासियों से तेंदूपत्ता खरीदेगी सरकार

केंद्रीय गृहमंत्री ने छत्तीसगढ़ के सीएम साय को मंच के सामने आने का आह्वान करते हुए कहा कि आदिवासियों से 5500 रुपये में तेंदूपत्ता सीधा सरकार खरीदेगी। कोई दलाल के पास आपको नहीं जाना पड़ेगा। यह बहुत बड़ा फैसला है। लाल आतंक फैलाने के लिए जो आपका पैसा ले जाते थे, विष्णुदेव साय सरकार आपके बैंक अकाउंट में 5500 सीधा ट्रांसफर करेगी।

सबसे पहले किए मां दंतेश्वरी के दर्शन

दंतेवाड़ा पहुंचकर सबसे पहले मां दंतेश्वरी के दर्शन किए। इस दौरान वह धोती-कुर्ता पहने नजर आए। मां का आशीर्वाद लेने के बाद अमित शाह बस्तर पंडुम के समापन कार्यक्रम में शामिल होने के लिए पहुंच गए हैं। यहां उन्हें माला और गौर मुकुट पहनाकर उनका स्वागत किया गया। यहां पर वह बस्तर के पारंपरिक डिश और फूड्स का स्वाद भी चखेंगे। शाम को रायपुर में उच्च स्तरीय बैठक लेंगे। इसके बाद वापस दिल्ली के लिए रवाना हो जाएंगे। चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बस्तर की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी की पूजा-अर्चना कर देश और प्रदेश वासियों की सुख समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उप मुख्यमंत्री अरुण साव एवं विजय शर्मा, मंत्री राम विचार नेताम, केदार कश्यप, विधायक जगदलपुर किरण देव अपर मुख्य सचिव मनोज पिंगुआ, सचिव राहुल भगत, कमिश्नर बस्तर डोमन सिंह, आईजी बस्तर सुंदरराज पी सहित अन्य जनप्रतिनिधि व अधिकारी उपस्थित रहे।

50 साल के काम 5 साल में कराना लक्ष्य

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने नक्सलियों से एक बार फिर अपील करते हुए कहा, 'अब वो जमाना चला गया, जब यहां पर गोलियां चलती थीं, बम धमाके होते थे, जिनके हाथों में हथियार हैं और जिनके हाथों में हथियार नहीं हैं, उन सभी नक्सलियों से आह्वान करता हूं कि आप हथियार डाल दीजिए और मुख्यधारा में शामिल हो जाइए। आप हमारे अपने हैं। कोई भी नक्सली मारा जाता है तो किसी को खुशी नहीं मिलती है, लेकिन इस क्षेत्र को विकास चाहिए। जो 50 साल में विकास नहीं हुआ वो हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पांच साल में करके दिखाना चाहते हैं, लेकिन यह तभी होगा जब बस्तर के अंदर शांति होगी। बच्चे स्कूल जाएंगे। यहां के लोगों को सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी।

86 नक्सलियों ने डाले हथियार, किया सरेंडर

गृह मंत्री अमित शाह के बस्तर दौरे के बीच, तेलंगाना में 86 नक्सलियों ने हथियार डाल दिए। छत्तीसगढ़ में प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) के कुल 86 सदस्य शनिवार को तेलंगाना के भद्राद्री कोठागुडेम जिले में हेमचंद्रपुरम पुलिस मुख्यालय पहुंचे, जहां पर उन्होंने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। आत्मसमर्पण करने वालों में 20 महिलाएं शामिल हैं।

वक्फ संशोधन विधेयक पर देश में हंगामा मचा हुआ है। विधेयक के दोनों सदनों में पास हो जाने के बाद से विपक्ष हायतौबा मचा रहा है, तो कई मुस्लिम संगठन सड़कों पर प्रदर्शन कर रहे हैं। जबकि, वक्फ कानून में संशोधन एक लोकतांत्रिक और समानता के सिद्धांत के विरुद्ध, मजहब का अंग न होते हुए भी इस्लाम के नाम पर कुछ शक्तिशाली प्रभुत्वशाली मुस्लिम पुरुषों के एकाधिकार और निरंकुशता के ढांचे को ध्वस्त कर उसे वक्फ की मूल सोच के अनुरूप संविधान की परिधि में लोकतांत्रिक ढांचे में परिणत करने का प्रगतिशील कदम है। ऐसे ढांचे को संसदीय व्यवस्था के तहत ध्वस्त करना जिसको सरकारें बदलाव की आवश्यकता महसूस करते हुए भी स्पर्श करने तक से बचती हो, निस्संदेश ऐतिहासिक और युगांतरकारी कदम है। वक्फ की संपत्ति पर इस्लाम की मान्यता के अनुसार गरीब विधवाओं, तलाकशुदा महिलाओं तथा आनाथों का अधिकार है। वक्फ संशोधन विधेयक का उद्देश्य भी मुस्लिम समाज की भलाई के लिए है और निश्चित रूप से पूर्व के कानूनों की भांति ही इसके विरोध में फैलाया जा रहा झूठा भ्रम अधिक समय तक नहीं टिक पाएगा। वक्फ इस्लाम का अंग है, लेकिन संविधान और कानून के तहत सरकारों द्वारा गठित वक्फ बोर्ड और वक्फ ट्रिब्यूनल इस्लाम का विषय नहीं हो सकता। वक्फ संशोधन को लेकर पेश है आजकल का यह अंक...

वक्फ विधेयक बदले भारत का प्रमाण

विश्लेषण

अवधेश कुमार

वरिष्ठ स्तंभकार

संसद में पारित हर कानून की न्यायिक समीक्षा का अधिकार उच्चतम न्यायालय को वक्फ और वहां नए वक्त कानून की संवैधानिकता पर निर्णय आ जाएगा। किंतु विधेयक पर राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के पहले ही यानी कानून बना नहीं और उच्चतम न्यायालय पहुंच जाना किस बात का द्योतक है? ऐसे कानून, कदम या सुधार, जिनके साथ मुस्लिम समुदाय जुड़ा हो, उसके विरुद्ध भारत में ऐसी प्रतियोगिता आम हो चुकी है। एक साथ तीन तलाक, नागरिकता संशोधन कानून और अनुच्छेद 370 हटाए जाने के विरुद्ध भी हमने यही देखा। इन सभी मामलों की न्यायिक परिणति देश के सामने है। इन पार्टियों ने दोनों सदनों में वक्फ संशोधन विधेयक का समर्थन किया है।

वक्फ संशोधन के विरुद्ध उच्चतम न्यायालय में याचिकाओं की प्रतिस्पर्धा शुरू हो चुकी है। दोनों सदनों में पारित होने के अगले दिन से ही उच्चतम न्यायालय में याचिकाएं जाने लगीं और आप देख सकते हैं कि इस बात की होड़ लगी है कि कौन इसमें किसको पीछे छोड़ रहा है। कांग्रेस के संचार प्रमुख जयराम रमेश ने उच्चतम न्यायालय में जाने की घोषणा कर दी है। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड पहले ऐलान कर चुका था। संसद में पारित हर कानून की न्यायिक समीक्षा का अधिकार उच्चतम न्यायालय को वक्फ और वहां नए वक्त कानून की संवैधानिकता पर निर्णय आ जाएगा। किंतु विधेयक पर राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के पहले ही यानी कानून बना नहीं और उच्चतम न्यायालय पहुंच जाना किस बात का द्योतक है? ऐसे कानून, कदम या सुधार, जिनके साथ मुस्लिम समुदाय किसी तरह जुड़ा हो, उसके विरुद्ध भारत में ऐसी प्रतियोगिता आम हो चुकी है।

एक साथ तीन तलाक, नागरिकता संशोधन कानून और जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के विरुद्ध भी हमने यही देखा। इन सभी मामलों की न्यायिक परिणति देश के सामने है। दूसरी ओर बिहार में जदयू, उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय लोकदल आदि के विरुद्ध दबाव डालने की कोशिश हो रही है।

दबाव बढ़ाने की खतरनाक रणनीति

मुसलमानों का एक बड़ा समूह सड़कों पर उतर रहा है, पार्टियों में दबाव डालकर कुछ इस्तीफा करवा रहा है और बयान दे रहा है कि चुनाव में सबक सिखा देंगे। संसद में बहस और मतदान के पूर्व नीतीश कुमार, चंद्रबाबू नायडू आदि के इफ्तार के बहिष्कार का भी आह्वान किया गया। यह भी दबाव बढ़ाने की खतरनाक रणनीति थी। बावजूद इन पार्टियों ने दोनों सदनों में खुलकर वक्फ संशोधन विधेयक का समर्थन किया और उसके पक्ष में विपक्ष के आरोपों का आक्रामक खंडन करते हुए तथ्य और तर्क प्रस्तुत किया। हमारे सामने दो दृश्य दूसरे भी हैं। लोकसभा में बहस के पूर्व सभी पार्टियों ने ह्वीप जारी कर दिया था। किंतु राज्यसभा में गृह मंत्री अमित शाह ने स्पष्ट घोषणा की कि हमारे सांसद स्वतंत्र हैं, ह्वीप नहीं है, वे जैसे चाहें मतदान करें। इसके बावजूद राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के संख्या बल से ज्यादा मत विधेयक के समर्थन में प्राप्त हुए। आखिर इसके कोई निहितार्थ है या नहीं? इसके साथ हमने यह भी देखा कि दोनों सदनों में बहस और मतदान के दौरान देश में समर्थन और विरोध दोनों में मुसलमान उतरे। निष्पक्ष आकलन यही है कि उन दो दिनों में समर्थकों की संख्या भी काफी ज्यादा थी। कई जगह तो विरोध करने वालों से ज्यादा समर्थक सड़क पर थे। अलग-अलग धार्मिक संस्थाओं और संगठनों ने खुलकर विधेयक का समर्थन किया। इनमें वे मुस्लिम मजहबी नेता और संस्थाओं के प्रमुख शामिल थे जो पहले वक्फ में किसी

प्रकार के संशोधन का घोर विरोध करते थे, तो इसके भी मायने हैं। तो यही बदले हुए भारत का प्रमाण है। यानी आप न्याय करने की दिशा में संकल्प के साथ आगे बढ़ते हैं तो भ्रम और विरोध कमजोर होते-होते समर्थन बढ़ता है। वास्तव में अभी जो विरोध दिख रहा है वह बिल्कुल अनपेक्षित नहीं है। जब भी आप ऐसे विषयों पर सुधार और परिवर्तन के संवैधानिक कानूनी कदम उठाते हैं तो भारत जैसे देश में इसके विरुद्ध प्रचार और रोकने की कोशिश पहली बार नहीं है। वक्फ कानून, उससे संबंधित बोर्ड और न्यायाधिकरण को मुस्लिम वोट पाने की नीति के तहत जिस तरह सुपर सरकार, सुपर प्रशासन और सुपर न्यायपालिका की भूमिका दे दी गई थी, उस ढांचे में लाभान्वित सम्मानित होने वाले तथा उसका आनंद सुख भोगने वालों के अंदर छटपटाहट स्वाभाविक है।

वक्फ कानून में संशोधन क्यों जरूरी था

सच यह है कि वक्फ कानून में संशोधन क्यों नहीं होना चाहिए था या संशोधन में क्या असंवैधानिक, इस्लाम विरोधी, मुस्लिम विरोधी है, इसका कोई एक तथात्मक उत्तर विपक्ष के किसी भी नेता द्वारा संसद में नहीं मिला। जब राज्यसभा सांसद अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि यह कानून उच्चतम न्यायालय में समाप्त हो जाएगा तो सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि सदन के अंदर इस प्रकार की भाषा संसद का अपमान है। इसी तरह जब एक सदस्य ने कहा कि मुसलमान इस कानून को नहीं मानेगा, तब केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि यह संसद द्वारा बनाया गया कानून है, सबको मानना पड़ेगा। वास्तव में संसद अगर प्रक्रिया के तहत कोई कानून पारित करती है तो यह भारत के सभी क्षेत्रों और व्यक्तियों पर समान रूप से लागू होता है। कांग्रेस नेत्री सोनिया गांधी ने लोकसभा में विधेयक पारित होने की प्रक्रिया को बहुमत के द्वारा संविधान का अतिक्रमण और लोकतंत्र के गला घोंटने के समान बता दिया। यह समझ से परे है। लोकसभा में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रिकॉर्ड रखते हुए बताया कि संप्रग सरकार ने 2013 में सिर्फ चार घंटे की चर्चा के बाद वक्फ संशोधन विधेयक पास कर दिया था, जबकि इस बार दोनों सदनों में करीब 27 घंटे से ज्यादा का समय लगा। 3 अप्रैल को 11 बजे से आरंभ राज्यसभा की कार्यवाही अगले दिन सुबह 4 बजे तक चली। संयुक्त संसदीय समिति ने 113 घंटे की चर्चा, 25 वक्फ बोर्डों से संवाद, 15 राज्यों के प्रतिनिधियों से संवाद, विभिन्न समुदायों के राज्य धारकों के कुल 284 प्रतिनिधिमंडलों ने समिति के समक्ष अपने विचार और सुझाव प्रस्तुत किए एवं 92 लाख से ज्यादा सुझाव पर विचार के बाद विधेयक तैयार हुआ। जरा सोचिए, यह प्रक्रिया लोकतंत्र और संविधान का गला घोंटने वाला हो गया और संप्रग के चार घंटे में पारित कानून लोकतंत्र और संविधान का पालन करने वाला था?

वक्फ संपत्तियों का दावा बेमानी

पुराने वक्फ कानून और उसके ढांचे पर इतना कुछ कहा जा चुका है कि उसको दोहराने की आवश्यकता नहीं। वक्फ ने जिस तरह पूरे देश में संपत्तियों का दावा कर उन्हें कब्जे में लिया, उसकी बहुत सारी कथाएं रिकॉर्ड में सामने हैं। यह कैसी संवैधानिक व्यवस्था थी जिसमें वक्फ किसी संपत्ति पर दावा कर दे तो वक्फ ट्रिब्यूनल के अलावा आप कहीं नहीं जा सकते। वहां भी संपत्ति आपकी है, यह आपको ही साबित करना होगा। ट्रिब्यूनल बरसों लगा देगा और उसके फैसले को आप सिविल न्यायालय में चुनौती नहीं दे सकते। यानी आपकी संपत्ति गई। इसमें हिंदू और मुसलमान दोनों के साथ सार्वजनिक सरकारी संपत्तियां भी शामिल हैं।

दूसरे की संपत्ति पर दावा कैसे संभव है

गृह मंत्री ने सदन में रिकॉर्ड पर कहा कि कोई गांव या शहर से बाहर नौकरी करने चला गया और उसकी संपत्ति वक्फ कर दी गई। वह जितना भी छटपटाये, वापसी के रास्ते नहीं। वक्फ एक अरबी शब्द है। इस्लाम किसी को दीन और बेसहारा के लिए अपनी संपत्ति के वक्फ करने की इजाजत देता है। इस पर न रोक है, न हो सकती है। वक्फ में कोई बदलाव नहीं है। किंतु हम अपनी संपत्ति वक्फ में रजिस्ट्री करा सकते हैं, दूसरे की संपत्ति पर कैसे दावा कर सकते हैं? फिर सरकार कैसे संपत्ति वक्फ कर सकती है। आप देखेंगे कि यूपीए सरकार के सत्ता में आने के बाद सच्चर आयोग की नियुक्ति और उसकी रिपोर्ट के बाद पूरे देश में अलग से इस्लामी ढांचा स्थापित करने की प्रक्रिया में केंद्र और राज्य सरकारों ने अनेक संपत्ति वक्फ बोर्डों को दे दी। निश्चित रूप से उच्चतम न्यायालय में सारे मामले जाएंगे।

हमारी आपकी या किसी मंदिर की जमीनों के कागजात, राजस्व आदि का विषय तो जिला कलेक्टर के अधीन होगा किंतु वक्फ का नहीं हो यह कैसे कानून का पालन माना जाएगा? आज भी यही मांग है। वक्फ इस्लाम का अंग है, लेकिन भारत के संविधान और कानून के तहत सरकारों द्वारा गठित वक्फ बोर्ड और वक्फ ट्रिब्यूनल इस्लाम का विषय नहीं हो सकता। उसे हमारे संविधान और कानून के अंतर्गत ही काम करना होगा। बोर्ड में महिला सदस्य होने की अनिवार्यता के विरोध के पीछे वही सोच है जिसके तहत तीन तलाक मामले पर पर्सनल लॉ बोर्ड में उच्चतम न्यायालय में दायर शपथ पत्र में महिलाओं को कम अक्ल वाला लिखा था। कोई संपत्ति जिस उद्देश्य के लिए दान हुई है वह उसी उद्देश्य में जा रहा है या नहीं तथा वाकई वक्फकर्ता स्वेच्छा से ऐसा किया है या दबाव डालकर कराया गया, इसकी देखरेख की जिम्मेवारी तो प्रशासन की ही है। जिस संस्था में लगभग 41 हजार विवाद हों और उनमें 10 हजार मुसलमानों द्वारा किए गए हो, उस ढांचे को कायम नहीं रखा जा सकता था।

विधेयक ऐतिहासिक और युगांतरकारी कदम

वास्तव में वक्फ कानून में संशोधन एक लोकतांत्रिक और समानता के सिद्धांत के विरुद्ध, मजहब का अंग न होते हुए भी इस्लाम के नाम पर कुछ शक्तिशाली प्रभुत्वशाली मुस्लिम पुरुषों के एकाधिकार और निरंकुशता के ढांचे को ध्वस्त कर उसे वक्फ की मूल सोच के अनुरूप संविधान की परिधि में लोकतांत्रिक ढांचे में परिणत करने का प्रगतिशील कदम है। ऐसे ढांचे को संसदीय व्यवस्था के तहत ध्वस्त करना जिसको सरकारें बदलाव की आवश्यकता महसूस करते हुए भी स्पर्श करने तक से बचती हो, निस्संदेश ऐतिहासिक और युगांतरकारी कदम है। वक्फ की संपत्ति पर इस्लाम की मान्यता के अनुसार गरीब विधवाओं, तलाकशुदा महिलाओं तथा आनाथों का अधिकार है। वक्फ की संपत्ति का उपयोग करने वाले मस्जिदों और मजारशरीफों का नियंत्रण करते हैं जबकि ऐसे लोगों में से कुछ बाहर भीख मांगते हैं। अब इस दौर का अंत होगा तथा गरीब, वंचित, पसमांदा , महिलाएं सब इस्लाम की धारणा के अनुसार वक्फ के सही उपयोग में भूमिका निभा सकेंगे। वक्फ ने पुराने मामलों के संदर्भ में बदलाव नहीं किया है लेकिन जिन पर विवाद है वे कायम रहेंगे। रिकॉर्ड में और ऑनलाइन आते ही सब कुछ पारदर्शी होगा। वक्फ के नाम पर हुए अन्याय के निराकरण का रास्ता प्रशस्त होगा और पीड़ितों को न्याय प्राप्त होने की ठोस संभावना बनेगी। ऐसे मामलों का सच देश के सामने होगा और इस समय इस्लाम के नाम पर हंगामा खड़ा करने वालों के चेहरे भी बेनकाब होंगे। दोनों सदनों में गृह मंत्री अमित शाह द्वारा रखे गए तथ्य, विचार और तेवर की गंभीरता को देखते हुए किसी को मुगालता नहीं होना चाहिए कि इस कानून का उल्लंघन करने का कोई साहस करेगा। यद्यपि भूमि या ऐसे मामले राज्यों के विषय हैं तो अलग-अलग राज्यों का तंत्र सरकारों की राजनीतिक नीति के अनुसार काम करेगा और इनमें समस्याएं आएंगी। किंतु कोई वक्फ के दावों के विरुद्ध किसी पीड़ित व्यक्ति को न्यायालय जाने से नहीं रोक सकता। सिविल न्यायालय में व्यक्ति की सही पहचान और कानून के अनुसार ही फैसला होगा।

मुस्लिम समुदाय के लिए ऐतिहासिक कदम

वक्फ विधेयक

प्रो. निरंजन कुमार

सीनियर प्रोफेसर, हिंदी विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय

वक्फ संशोधन विधेयक, जो हाल ही में संसद में पारित किया गया, आम भारतीय मुस्लिम समुदाय के लिए एक ऐतिहासिक कदम है। इस विधेयक का उद्देश्य वक्फ सम्पत्तियों के संचालन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना है, जिससे आम मुस्लिम आदमी और पूरे समाज को सीधे लाभ हो सके। निश्चित रूप से यह विधेयक वक्फ सम्पत्तियों के दुरुपयोग और इनके प्रबंधन में सुधार के लिए एक सार्थक और दूरगामी प्रयास है, जो न केवल गरीब मुसलमानों के लिए, बल्कि पूरे देश के हित में भी है। दुर्भाग्य से पिछले कई दिनों से वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर आम मुस्लिम समुदाय के बीच एक नकारात्मक माहौल तैयार किया जा रहा है।

वक्फ सम्पत्तियों का दुरुपयोग

यह सर्वविदित है कि वक्फ एक इस्लामी अवधारणा है, जिसका अर्थ है किसी संपत्ति को अल्लाह के नाम पर स्थायी रूप से दान करना। इस संपत्ति का उपयोग विशेष उद्देश्यों के लिए किया जाता है- जैसे मस्जिदों की देखरेख, गरीबों की मदद, शिक्षा और चिकित्सा आदि सुविधाओं के लिए। लेकिन ऑडिट और पारदर्शिता के अभाव में वक्फ सम्पत्तियों का दुरुपयोग होता रहा है। वक्फ बोर्ड के अधिकारी और मुस्लिम समुदाय के कुछ स्वयंभू नेता इन सम्पत्तियों का अनैतिक और अनुचित इस्तेमाल करते रहे हैं। इस दुरुपयोग के कारण वक्फ की भावना के विपरीत आम मुस्लिमों को वह लाभ नहीं मिल पाता, जो वक्फ का उद्देश्य है। वर्तमान में वक्फ सम्पत्तियों का प्रशासन और प्रबंधन वक्फ बोर्ड के द्वारा किया जाता है. लेकिन यह बोर्ड अक्सर पारदर्शी नहीं होता, और भ्रष्टाचार की खबरें आती रही हैं। इसके परिणामस्वरूप, जो धन और संसाधन धार्मिक और समाजसेवी कार्यों के लिए होना चाहिए था, वह गलत हाथों में चला जाता है। भारत में वक्फ संपत्तियों की संख्या को देखें तो यह बहुत अधिक है। हालिया सर्वेक्षण के अनुसार वक्फ संपत्तियों की संख्या 8.72 लाख से अभी अधिक है। यहां प्रश्न उठता है कि क्या वास्तव में इस्लाम की इस उदात्त अवधारणा के अनुसार ही वक्फ सम्पत्तियों का उपयोग सामाजिक कल्याण हेतु हो पा रहा है? क्या आम मुस्लिम समुदाय के लोगों को प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से मौजूदा व्यवस्था के तहत कोई लाभ मिल रहा है? वास्तव में इन प्रश्नों का उत्तर न में ही है। संसद के दोनों सदनों में इस विधेयक पर लंबी चर्चाओं के बाद इस विधेयक को समर्थन भी मिल गया किन्तु देशभर में एक खास तरह का माहौल इस विधेयक के खिलाफ बनाया जा रहा है। वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर कुछ राजनीतिक दल और मुस्लिम नेताओं ने इसे मुस्लिम समुदाय के खिलाफ एक साजिश बताया, लेकिन यदि गहराई से पड़ताल करें तो यह बात तथ्यात्मक रूप से गलत है।

समाज में भ्रम फैला रहे कुछ लोग

वास्तव में, यह विधेयक तो व्यापक मुस्लिम समुदाय को उनके अधिकारों और सम्पत्तियों का सही लाभ दिलाने के लिए है। याद कीजिए, नागरिकता संशोधन कानून और तीन तलाक से सम्बंधित कानून के मामलों को। राजनीतिक स्वार्थ के कारण विभिन्न नेताओं ने इन दोनों

कानूनों का विरोध किया और समाज में भ्रम फैलाया। नागरिकता कानून के समय मुसलमानों के मन में यह भय बिठाया गया कि इस कानून से उनकी नागरिकता छिन जाएगी। जबकि वास्तव में यह कानून कुछ पड़ोसी देशों के पीड़ित लोगों को नागरिकता देने के लिए था। भारत के नागरिकों पर इसका कोई नकारात्मक परिणाम नहीं पड़ना था। उसी तरह तीन तलाक कानून के समय भी तथाकथित सेक्युलर दलों और मठाधीश नेताओं ने इसका खूब विरोध किया जबकि वास्तव में यह कानून मुस्लिम महिलाओं के हक में, उन्हें शोषण से मुक्त करने के लिए था।

ठीक उसी प्रकार वक्फ संशोधन विधेयक का उद्देश्य भी मुस्लिम समाज की भलाई के लिए है और निश्चित रूप से पूर्व के कानूनों की भांति ही इसके विरोध में फैलाया जा रहा झूठा भ्रम अधिक समय तक नहीं टिक पाएगा। वर्तमान वक्फ संशोधन विधेयक मुसलमानों के स्वयम्भू नेताओं के लिए निश्चित रूप से एक झटका है क्योंकि इस कानून के लागू होते ही वक़्फ़ सम्पत्ति पर इनके अनैतिक स्वामित्व पर चोट पड़ेगी और वक़्फ़ की आड़ में हुए भ्रष्टाचार की कलई लोगों के समक्ष आ जाएगी। पूर्व के प्रावधानों में इस तरह विसंगतियां हैं कि सरेआम दुरुपयोग किये जाने पर भी राहत की कोई गुंजाइश नहीं है। अनेक ऐसे उदाहरण मौजूद हैं जिनमें व्यक्तिगत संपत्ति से लेकर सरकारी जमीन के साथ-साथ मंदिरों, गुरुद्वारों, चर्च या बौद्ध विहारों तक की संपत्तियों पर वक्फ बोर्ड कब्जा करता रहा है। प्रयागराज में हजारों सालों से मनाए जा रहे कुंभमेला की जमीन पर दावा ठोंकने का उदाहरण हो, या केरल के एर्नाकुलम जिले में मुनंबम और चेराई क्षेत्रों में 404 एकड़ की ईसाई और चर्च संपत्तियों पर वक्फ बोर्ड के दावे की बात हो, देश के विभिन्न क्षेत्रों में इस तरह के विवाद होते रहे हैं। खतरनाक बात यह थी कि वक्फ के अनुचित दावे को न्यायालय में चुनौती भी नहीं दी जा सकती थी, जो कि संविधान की भावनाओं का खुल्लम-खुल्ला उल्लंघन था। भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में राष्ट्र या जनहित में जब कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका के किसी भी क्रिया-कलाप तक पर प्रश्न किये जा सकते हैं। ऐसे में वक्फ जमीन पर प्रश्न ही न कर पाना वास्तव में मौजूदा प्रावधान की सबसे बड़ी खामी रही है।

किसी की सम्पति पर दावा गलत

इसका दुरुपयोग कर किसी भी जमीन पर दावा ठोंकना हो या वक्फ संपत्ति का कुछ गिने चुने लोगों द्वारा निजी स्वार्थ हेतु उपयोग किया जाना हो, ऐसी घटनाएं मीडिया में आती रहती हैं। यह न सिर्फ प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत के विरुद्ध है बल्कि उस व्यक्ति के संवैधानिक अधिकार का भी हनन है जिसकी सम्पति पर वक्फ का दावा ठोंक दिया गया हो। याद रहे कि राजद नेता लालू यादव ने भी एक समय अवैध वक्फ दावों पर चिंता जताई थी। प्रश्न उठाया जा सकता है कि भारत जैसे पंथनिरपेक्ष राष्ट्र में वक़्फ़ बोर्ड या वक़्फ़ जैसी सम्पत्तियों का प्रविधान है, जबकि विभिन्न इस्लामिक देशों में वक़्फ़ जैसी कोई सम्पत्ति नहीं है। कई देशों में वक्फ जैसी कोई सम्पत्ति नहीं है। फिर भी यदि भारत में वक़्फ़ सम्पत्ति का प्रावधान कर ही दिया गया है, तो इन सम्पत्तियों का प्रयोग सामाजिक कल्याण में हो, यह सुनिश्चित करने के लिए यदि कानून में कोई संशोधन हो तो निश्चित रूप से इसका स्वागत करना चाहिए। यह संतोषजनक है कि आल इंडिया मुस्लिम जमात के मौलाना या पसमांदा मुसलमान से लेकर सिख, ईसाई एवं बौद्ध समाज के लोगों ने इस विधेयक का स्वागत किया है। यह विधेयक न केवल वक्फ सम्पत्तियों के प्रबंधन में सुधार करेगा, बल्कि आम मुसलमानों के साथ-साथ अन्य धर्मों के लोगों को उनके अधिकार दिलाएगा। संकीर्ण स्वार्थों के लिए इसका विरोध आम जनहित में तो नहीं ही है, विरोध कर रहे उन राजनेताओं के हित में भी नहीं है क्योंकि पब्लिक सब जानती है।

वक्फ एक्ट में संशोधन पर घमासान क्यों

दो टूक

रवि शंकर

वरिष्ठ पत्रकार

देशभर में वक्फ को लेकर इस समय खासी चर्चा है। तमाम विरोध के बावजूद वक्फ संशोधन विधेयक संसद के दोनों सदनों से पारित हो गया है। सत्ता पक्ष जहां इस विधेयक के फायदे गिना रहे हैं, वहीं विपक्ष वक्फ संशोधन विधेयक को संविधान विरोधी बता रहा है। कांग्रेस ने तो यहां तक कहा कि वह संसद में पारित 'वक्फ (संशोधन) विधेयक की संवैधानिकता को बहुत जल्द सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगी। हालांकि, मुस्लिम समाज के कुछ वर्गों ने इस विधेयक का स्वागत भी किया है। उनका मानना है कि यह वक्फ संपत्तियों की लूट को रोकने और पारदर्शिता बढ़ाने में मदद करेगा।

पारदर्शिता लाना मुख्य मकसद

मालूम हो, सरकार वक्फ बोर्ड के कामकाज में जवाबदेही और पारदर्शिता बढ़ाने के लक्ष्य के साथ वक्फ अधिनियम, 1995 में संशोधन करने के लिए वक्फ (संशोधन) विधेयक लेकर आई है। यह वक्फ बोर्ड की अनियंत्रित शक्ति को कम करने के लिए वक्फ अधिनियम, 1995 के कुछ प्रावधानों को हटाने का प्रयास करता है, जो वर्तमान में उन्हें आवश्यक जांच के बिना किसी भी संपत्ति को वक्फ घोषित करने की अनुमति देता है। साथ ही, इस बिल का मकसद वक्फ बोड्र्स के काम करने के तरीके में पारदर्शिता, जवाबदेही लाना और इन निकायों में महिलाओं की अनिवार्य रूप से भागीदारी को यकीनी बनाना है। सरकार का कहना है कि 1995 के कानून में वक्फ संपत्तियों,टाइटल विवादों और वक्फ भूमि पर अवैध कब्जे के विनियमन से संबंधित खामियां हैं। सरकार द्वारा उठाए गए प्रमुख कदमों में वक्फ बोर्डों के गठन में सीमित विविधता, मुतवल्लियों द्वारा शक्ति का दुरुपयोग, स्थानीय राजस्व अधिकारियों के साथ प्रभावी कोर्डिनेशन की कमी और वक्फ बोर्ड को संपत्तियों पर दावा करने के लिए व्यापक शक्ति देना शामिल है, जिसके परिणामस्वरूप विवाद और मुकदमेबाजी होती है। सरकार का कहना है कि इसका उद्देश्य वक्फ संपत्तियों के प्रशासन को बढ़ाना, टेक्नोलॉजी से संचालित मैनेजमेंट को शामिल करना, मौजूदा जटिलताओं को दूर करना और पारदर्शिता को बढ़ावा देना है। माना जा रहा है कि एनडीए के सहयोगी दलों टीडीपी और जेडीयू के सुझावों के साथ ही जेपीसी में हुए विचार विमर्श से निकले सुझावों के चलते वक्फ संशोधन विधेयक में कई अहम परिवर्तन किए गए। लेकिन सरकार ने अपने मूल विचारों को शामिल करने में कोई समझौता नहीं किया है। दूसरी तरफ बिल के आलोचकों को मुख्य रूप से इस बात की चिंता है कि यह सरकार को वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन को रेगुलेट करने और यह निर्धारित करने की अनुमति देता है कि कोई संपत्ति वक्फ है या नहीं। इसका उद्देश्य वक्फ शासन की नींव को कमजोर करना और मुसलमानों के अधिकारों को कम करना है। जो लोग इस विधेयक का विरोध कर रहे हैं, वे सवाल उठा रहे हैं कि ऐसा नया कानून क्यों लाया जा रहा है,जो वक्फ के प्रबंधन के तरीके को बदल रहा है। आलोचकों के बीच मुख्य चिंता यह है कि सरकार वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन को रेगुलेट करके उन पर कंट्रोल हासिल करना चाहती है

और नए विधेयक के माध्यम से उसे यह निर्धारित करने का अधिकार मिल गया है कि कोई संपत्ति वक्फ है या नहीं। वक्फ ऐसी संपत्तियों को संदर्भित करता है जो विशेष रूप से मुस्लिम धार्मिक और परोपकारी उद्देश्यों के लिए समर्पित की जाती हैं। इस संपत्ति को बेचना या अन्य किसी उपयोग में लाना प्रतिबंधित होता है। इसका स्वामित्व 'अल्लाह' को सौंपा जाता है जिसका अर्थ है कि इसे दान करने वाला व्यक्ति इसे वापस नहीं ले सकता। भारत में वक्फ की परंपरा 12वीं शताब्दी में दिल्ली सल्तनत के दौरान शुरू हुई थी। मोहम्मद गौरी ने मुल्तान की जामा मस्जिद के लिए दो गांवों को वक्फ संपत्ति के रूप में समर्पित किया था। समय के साथ वक्फ संपत्तियों की संख्या बढ़ती गई।

1954 में वक्फ बोर्ड का गठन

भारत में 1913 में एक नया कानून पारित कर वक्फ को वैध बना दिया गया। 1954 में वक्फ बोर्ड का गठन हुआ। हालांकि, 1995 के संशोधन से वक्फ बोर्ड को असीमित शक्तियां मिलीं। पीवी नरसिम्हा राव की कांग्रेस सरकार ने वक्फ एक्ट 1954 में संशोधन किया और नए-नए प्रावधान जोड़कर वक्फ बोर्ड को असीमित शक्तियां दे दीं। वक्फ एक्ट 1995 का सेक्शन 3 (आर) के मुताबिक, अगर कोई संपत्ति, किसी भी उद्देश्य के लिए मुस्लिम कानून के मुताबिक पाक (पवित्र), मजहबी (धार्मिक) या (चेरिटेबल) परोपकारी मान लिया जाए तो वह वक्फ की संपत्ति हो जाएगी। वक्फ एक्ट 1995 का आर्टिकल 40 कहता है कि यह जमीन किसकी है, यह वक्फ का सर्वेयर और वक्फ बोर्ड तय करेगा। बाद में वर्ष 2013 में संशोधन पेश किए गए, जिससे वक्फ को इससे संबंधित मामलों में असीमित और पूर्ण स्वायत्तता प्राप्त हुई। अगर आपकी संपत्ति को वक्फ की संपत्ति बता दी गई तो आप उसके खिलाफ कोर्ट नहीं जा सकते। आपको वक्फ बोर्ड से ही गुहार लगानी होगी। वक्फ बोर्ड का फैसला आपके खिलाफ आया, तब भी आप कोर्ट नहीं जा सकते। वक्फ एक्ट का सेक्शन 85 कहता है कि ट्राइब्यूनल के फैसले को हाई कोर्ट या सुप्रीम कोर्ट में भी चुनौती नहीं दी जा सकती है।

अधिनियम में बदलाव जरूरी

भारत में कई संपत्तियां वक्फ के अंतर्गत आती हैं, जिनमें मस्जिद, ईदगाह, दरगाह, खानकाह, इमामबाड़े और कब्रिस्तान शामिल हैं। वक्फ संपत्तियां इस्लाम को मानने वाले लोग दान करते हैं और इन्हें समुदाय के सदस्य ही मैनेज करते हैं। प्रत्येक राज्य में एक वक्फ बोर्ड होता है,जो एक कानूनी इकाई है जो संपत्ति का अधिग्रहण,धारण और हस्तांतरण कर सकती है। वक्फ संपत्तियों को स्थायी रूप से बेचा या पट्टे पर नहीं दिया जा सकता है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार वक्फ बोर्ड वर्तमान में भारत भर में 9.4 लाख एकड़ में फैली 8.7 लाख संपत्तियों को नियंत्रित करता है, जिसका अनुमानित कीमत 1.2 लाख करोड़ रुपये है। बता दें, वक़्फ़ को बनाने वाले को वाकिफ़ कहा जाता है, जिसका प्रबंधन प्रशासक यानी मुतवल्ली प्रबंधन करता है। वक़्फ़ की संपत्ति को स्थायी तौर पर लीज पर नहीं दिया जा सकता, ना ही बेचा जा सकता है। बहरहाल, वक्फ को लेकर लोगों के अलग-अलग दावे होते रहते हैं। जिसके बाद सरकार के लिए ये बड़ी चुनौती हो जाती है कि वो लोगों को कैसे भरोसा दिलाए कि वो जो दलील दे रही है वो सही है।इसके बाद कई विशेषज्ञों का मानना है कि सरकार इस पर नियंत्रण करना चाहती है। सरकार ने इसमें कई बदलाव की बात कही है। बहरहाल, वक्फ संशोधन विधेयक भारत में धार्मिक संपत्तियों से जुड़े कानूनों में एक बड़ा बदलाव लाने वाला कदम है। यह देखना दिलचस्प होगा कि यह विधेयक कानून बनने के बाद किस तरह लागू किया जाता है और इसका अल्पसंख्यकों, सरकार और समाज पर क्या प्रभाव पड़ता है।

रामलला के ललाट पर सूर्य तिलक का हुआ फाइनल ट्रायल

ड्रोन के सहारे भक्तों पर होगा सरयू के जल का छिड़काव, दिखेगी भव्यता

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ अयोध्या

अयोध्या में राम नवमी का पर्व रविवार को धूमधाम से मनाया जा रहा है। राम नवमी का मुख्य आकर्षण रामलला का सूर्य तिलक होगा। सूर्य की किरणें बालक राम के मस्तक का अभिनंदन करेंगी। यह दुर्लभ संयोग चार मिनट तक रहेगा। इसके लिए वैज्ञानिकों ने बीते दिनों कई ट्रायल किए। शनिवार को इसका आखिरी ट्रायल हुआ। आठ मिनट तक चले इस ट्रायल को कराने के दौरान इसरो के साथ-साथ आईआईटी रुड़की और आईआईटी चेन्नई के एक्सपर्ट मौजूद रहे। रविवार की दोपहर ठीक 12 बजे भगवान सूर्य रामलला के ललाट का तिलक करेंगे। इसका लाइव टेलीकास्ट दूरदर्शन पर प्रसारित होगा।

भक्तों पर छोड़ी सरयू की फुहार

श्रद्धालुओं पर ड्रोन से सरयू जल की फुहार छोड़ने का ट्रायल शनिवार को हुआ। देर शाम को ड्रोन से रामपथ पर सरयू जल की फुहार श्रद्धालुओं पर डाली गई। यह पहली बार है जब श्रद्धालुओं पर आसमान से सरयू जल की वर्षा की जा रही है। रामनवमी पर भी श्रद्धालुओं पर ड्रोन से सरयू जल की फुहार छोड़ी जाएगी।

रामोत्सव का शुभारंभ, मठ-मंदिरों में धूम

अयोध्या में इस बार रामनवमी का आयोजन ऐतिहासिक और अभूतपूर्व होने जा रहा है। मठ-मंदिरों में सांस्कृतिक व धार्मिक आयोजनों की धूम है। रामोत्सव 2025 का भी शुभारंभ शनिवार को हेरिटेज वॉक से हुआ। उद्घाटन महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने किया। शाम को रामकथा पार्क में सांस्कृतिक संध्या हुई। श्री राम जन्मोत्सव को और खास बनाने के लिए पर्यटन विभाग ने हेरिटेज वॉक का आयोजन किया। यह वॉक दशरथ महल से शुरू होकर हनुमानगढ़ी, राम जन्मभूमि, कनक भवन, मतगजेंद्र मंदिर होते हुए नयाघाट स्थित रानी हो पार्क पर संपन्न हुई।

रंगमहल में बिखर रही श्रीरामजन्मोत्सव की अद्भुत छटा

रामजन्मभूमि परिसर से सटे श्रीराम के कुलदेवता के मंदिर प्राचीन रंगमहल में श्रीरामजन्मोत्सव की अद्भुत छटा बिखर रही है। मान्यता के अनुसार यहां कभी श्रीराम के कुलदेवता रंगजी का मंदिर था। रंगजी का समीकरण श्रीराम के ही पूर्व संस्करण भगवान विष्णु से स्थापित किया जाता है। परंपरा को नए सिरे से सहेजने का श्रेय स्वामी सरयू शरण को दिया जाता है। महंत रामशरण दास के संयोजन में रामचरित मानस का नवाह्न पाठ, सुंदरकांड पाठ, दुर्गासप्तशति का पाठ संचालित है।

दो दिनी आयोजन, श्रीराम जन्मोत्सव पर आज अयोध्या में 2.50 लाख दीप जलाएंगे

श्रीराम जन्मोत्सव पर अयोध्या में छह अप्रैल को 2.5 लाख दीप जलाए जाएंगे। रामनगरी में दो दिवसीय आयोजन किया जा रहा है। दो दिवसीय यह आयोजन शनिवार से शुरू हुआ। पर्यटन व संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि श्रीराम जन्मोत्सव पर रामकथा पार्क में हस्तशिल्प, फूडकोर्ट, ओडीओपी आदि स्टॉल प्रदर्शित किए गए हैं। इसका शुभारंभ आज किया गया था। इसके तहत सुबह सात बजे से देर शाम तक हेरिटेज वॉक कराई गई। इसके अंतर्गत श्रीराम मंदिर, हनुमानगढ़ी के साथ विभिन्न स्थलों का भ्रमण कराया गया। शाम को फूलों की होली, लोकनृत्य, रामलीला, भजन की प्रस्तुति भी हुई।

उन्होंने बताया कि छह अप्रैल को चौधरी चरण सिंह घाट, राम की पैड़ी पर 2.5 लाख दिए जलाए जाएंगे। राम कथा पार्क के सामने पक्की पार्किंग स्थल पर रंगोली, चित्रकला प्रतियोगिता, लोकनृत्य, रामलीला, भजन की प्रस्तुति होगी। उन्होंने कहा कि यह आयोजन अयोध्या की धार्मिक गरिमा को और अधिक बढ़ाने के साथ-साथ देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को एक आध्यात्मिक अनुभव देगा।

खबर संक्षेप

वर्मा इलाहाबाद हाईकोर्ट में बने जज, शपथ ली

प्रयागराज। नोट बरामदगी के मामले के बाद चर्चा में आए न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा ने शनिवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट में न्यायाधीश के रूप में शपथ ग्रहण कर ली। हालांकि, उन्हें तब तक कोई न्यायिक कार्य नहीं दिया जाएगा, जब तक उनके खिलाफ चल रही जांच पूरी नहीं हो जाती है। हाईकोर्ट के न्यायाधीशों की वरिष्ठता में उनका नाम भी शामिल हो गया।

'बाबू' को पीएम समेत नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। देश के पूर्व उप-प्रधानमंत्री और समाजसेवी बाबू जगजीवन राम की जयंती पर शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित कई नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके योगदान को याद किया। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि बाबू जगजीवन राम ने अपना पूरा जीवन गरीबों और वंचितों के कल्याण के लिए समर्पित कर दिया।

मुंडे को देना होगा महिला को भरण-पोषण

मुंबई। यहां की एक सत्र अदालत ने महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और एनसीपी नेता धनंजय मुंडे को बड़ा झटका दिया है। कोर्ट ने मुंडे की अपील खारिज कर दी। यह अपील उन्होंने एक मजिस्ट्रेट अदालत के उस आदेश के खिलाफ दायर की थी, जिसमें उन्हें एक महिला को गुजारा भत्ता देने का निर्देश दिया गया था। बता दें कि महिला का दावा है कि वह उनकी पहली पत्नी हैं।

कलाकारों की सूची से कामरा का नाम हटा

मुंबई। स्टैंडअप कॉमेडियन कुणाल कामरा पर शिवसेना लगातार हमलावर है। 'गद्दार' वाले बयान से गुस्साई शिवसेना ने दावा किया कि बुकमायशो ने कुणाल कामरा का नाम कलाकारों की सूची और टिकटिंग प्लेटफार्म से हटा दिया है। शिवसेना नेता ने ऑनलाइन टिकट बिक्री प्लेटफार्म के सीईओ का धन्यवाद जताया है। मुंबईकर ऐसी कला से प्रेम नहीं करते।

बैंकों में मराठी भाषा को लेकर बंद करें आंदोलन

मुंबई। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना प्रमुख राज ठाकरे ने शनिवार को अपनी पार्टी कार्यकर्ताओं से बैंकों और अन्य संस्थानों में मराठी भाषा के इस्तेमाल को लागू करने के लिए चल रहे 'आंदोलन' को फिलहाल रोकने को कहा है। उन्होंने कहा, मुद्दे पर काफी जागरूकता फैलाई है। उन्होंने पत्र में लिखा कि अब इस आंदोलन को रोकने में कोई बुराई नहीं है।

गृहमंत्री शाह दो दिवसीय दौरे पर छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा पहुंचे, की अपील

आप सभी हमारे अपने, मुख्यधारा में शामिल होकर देश व राज्य के विकास में योगदान दें

एजेंसी ⏭ दंतेवाड़ा

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह दो दिवसीय छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले के दौरे पर हैं। शनिवार की दोपहर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पहले विमान से बस्तर पहुंचे। जगदलपुर आगमन के दौरान जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने आत्मीय स्वागत किया। केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने अपने संबोधन की शुरुआत भारत माता की जय से करते हुए कहा कि आज चैत्र नवरात्रि की अष्टमी है। मैं अभी-अभी मैं मां दंतेश्वरी का आशीर्वाद लेकर यहां आया हूं कि अगली चैत्र नवरात्रि में यहां से लाल आतंक खत्म हो जाए और हमारा बस्तर फिर से खुशहाल हो। दंतेश्वरी माई की जय और छत्तीसगढ़ महतारी के जयकारे लगाते हुए शैाह ने कहा कि आज अष्टमी और रामनवमी दोनों है। मैं रामलाल के ननिहाल यानी छत्तीसगढ़ में आया हुआ हूं। बहुत-बहुत शुभकामनाएं पूरे देश को रामनवमी की बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं देता हूं।

नक्सलियों से की अपील अगली चैत्र नवरात्रि में यहां से लाल आतंक खत्म हो और बस्तर फिर से खुशहाल हो

रायपुर में उच्च स्तरीय बैठक करेंगे

सुख- समृद्धि की कामना की

नवरात्रि पर शाह ने आराध्य देवी मां दंतेश्वरी की पूजा-अर्चना कर देश और प्रदेश वासियों की सुख समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उप मुख्यमंत्री अरुण साव एवं विजय शर्मा, मंत्री राम विचार नेताम, केदार कश्यप, विधायक जगदलपुर किरण देव अपर मुख्य सचिव मनोज पिंगुआ, सचिव राहुल भगत, कमिश्नर बस्तर डोमन सिंह, आईजी बस्तर सुंदरराज पी सहित अन्य जनप्रतिनिधि व अधिकारी उपस्थित रहे।

पंडुम के कलाकारों का सम्मान किया

सीएम साय ने कहा कि यह बस्तर पंडुम 45 दिन तक चला। संभाग स्तर पर समापन हो रहा है। इसमें ओडिशा, कर्नाटक, तेलंगाना, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र के करीब 27 हजार कलाकारों ने हिस्सा लिया। इसमें आदिवासी संस्कृति, वेशभूषा, भाषा-शैली, साहित्य, खान- पान का समावेश हुआ। इसमें कलाकारों का सम्मान किया गया।

कांग्रेस ने कराई भंजदेव की हत्या

आदिवासी क्षेत्रों के सभी देवी-देवताओं और महाराज प्रवीणचंद्र भंजदेव को प्रणाम करते हुए शाह ने कहा उन्होंने जनजातियों की संस्कृति के लिए प्राणों की आहुति दी। कांग्रेस के आकाओं को सहन नहीं हुई और साजिश के तहत उनकी हत्या करवा दी।

बस्तर पंडुम को मिलेगी अंतरराष्ट्रीय पहचान

महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी बाबू जगजीवनराम जी की जयंती पर उन्हें नमन करते हुए शाह ने कहा कि उन्होंने देश के आदिवासी, पिछड़े वर्गों के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। शाह ने कहा कि अगले साल बस्तर पंडुम में देशभर के आदिवासी कलाकारों को बस्तर में लाएंगे। पंडुम को अंतरराष्ट्रीय दर्जा के प्रयास करेंगे।

मां दंतेश्वरी का लिया आशीर्वाद

दंतेवाड़ा में सबसे पहले मां दंतेश्वरी के दर्शन किए। इस दौरान वह धोती-कुर्ता पहने नजर आए। मां का आशीर्वाद लेने के बाद शाह बस्तर पंडुम के समापन कार्यक्रम में शामिल हुए। यहां उन्हें माला और गौर मुकुट पहनाकर उनका स्वागत किया गया। यहां पर वह बस्तर के पारंपरिक ड्रिंक्स और फूड्स का स्वाद भी चखा। फिर रायपुर में उच्च स्तरीय बैठक ली। इसके बाद वापस दिल्ली के लिए रवाना हो जाएंगे।

देश को नक्सलमुक्त करने का संकल्प पूरा होगा

कार्यक्रम में सीएम विष्णुदेव साय ने कहा कि हमारे सुरक्षाबल के जवान बहुत ही मजबूती के साथ लड़ाई लड़ रहे हैं। नक्सल मोर्चे पर लगातार सफलता मिल रही है। हमें पूरा भरोसा है की मां दंतेश्वरी की कृपा से केंद्रीय गृहमंत्री का मार्च 2026 से पहले छत्तीसगढ़ सहित देश को नक्सलमुक्त करने का संकल्प पूरा होगा। बस्तर इलाका पर्यटन स्थल है, जो स्वर्ग जैसा है यहां पर फिर पुराना समय आएगा।

योगी की हैट्रिक का किया दावा

संसद में वक्फ संसोधन विधेयक पर चर्चा के दौरान कई रोचक लम्हे भी आए। इस दौरान शाह ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार तीसरी बार रिपीट होने की भी भविष्यवाणी कर दी। शाह के इस बयान के कई सियासी मायने निकाले जा रहे हैं। शाह के बयान के बाद उनके और योगी के बीच सब कुछ ठीक नहीं होने की अटकलें अब बंद हो जाएंगी?

विक्रमादित्य के कार्य आज भी प्रासंगिक

लाल किले पर होगा विक्रमादित्य महानाट्य का मंचन : डॉ. यादव

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि अतीत के गौरवशाली इतिहास को जन सामान्य के सामने लाने 2 हजार वर्ष पहले सम्राट विक्रमादित्य द्वारा सुशासन के सिद्धांतों पर स्थापित शासन संचालन व्यवस्था और उनकी कीर्ति पर केंद्रित महानाट्य की प्रस्तुति दिल्ली के लाल किले पर 12-13-14 अप्रैल को होगी। पीएम मोदी का ध्येय वाक्य 'विरासत से विकास की ओर' हमारे लिए एक पाथेय की तरह सिद्ध हो रहा है। मध्यप्रदेश सरकार विकास और जनकल्याण की सभी गतिविधियां संचालित कर रही है। वे नई दिल्ली में सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य के महामंचन पर पत्रकारों से चर्चा कर रहे थे।

मंच 12, 13 और 14 अप्रैल को, 250 से ज्यादा कलाकार अभिनय करेंगे

डॉ. यादव ने कहा कि सम्राट विक्रमादित्य के विराट व्यक्तित्व को सबके सामने लाने महानाट्य की कल्पना की गई है। जब इसका मंचन दिल्ली में 12, 13 और 14 अप्रैल को लाल किले पर होगा तो इसमें हाथी, घोड़ों, पालकी के साथ 250 से ज्यादा कलाकार अभिनय करते नजर आएंगे। महानाट्य में शामिल कलाकार निजी जीवन में अलग-अलग क्षेत्र के प्रोफेशनल्स हैं। महानाट्य में वीर रस समेत सभी रस दिखेंगे। महानाट्य का मंचन गौरवशाली विश्व के सामने लाने का मध्यप्रदेश सरकार का एक अभिनव प्रयास है। कालजयी रचना को सबके सामने रखने में दिल्ली सरकार का भी सहयोग मिल रहा है।

सुशासन व्यवस्था का आदर्श उदाहरण

हैदराबाद में भी विक्रमादित्य महानाट्य की प्रस्तुति हो चुकी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सम्राट विक्रमादित्य का शासन काल, सुशासन व्यवस्था का एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत करता है। वे एकमात्र ऐसे शासक थे, जिनके जीवन के विविध प्रसंगों से आज भी लोग प्रेरणा लेते हैं। उनके द्वारा किए गए कार्य और नवाचार आज भी प्रासंगिक हैं। वर्तमान में हिजरी और विक्रम संवत प्रचलन में हैं। इसमें विक्रम संवत उदार परंपरा को लेकर चलने वाला संवत है, अर्थात संवत चलाने वाले के लिए शर्त है कि जिसके पास पूरी प्रजा का कर्ज चुकाने का सामर्थ्य हो। सम्राट विक्रमादित्य ने अपने सुशासन और दूरदृष्टि से यह संभव किया। विक्रमादित्य ने विदेशी शक आक्रांताओं को हराकर विक्रम संवत का प्रारंभ 57 ईस्वी पूर्व में किया था।

राज्यपाल आरिफ का बड़ा बयान, बिल का समर्थन किया

वक्फ की संपत्ति पर गैर-मुस्लिमों का भी हक एक भी अनाथालय और अस्पताल नहीं खुला

एजेंसी ⏭ पटना

बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने वक्फ संशोधन बिल का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि वक्फ की संपत्तियां अल्लाह की मानी जाती हैं। इसका इस्तेमाल गरीबों, जरूरतमंदों और जनहित के लिए होना चाहिए। गैर मुस्लिमों का भी वक्फ की संपत्तियों में बराबर का हक है। खान ने कहा कि भारत लोकतांत्रिक देश है। हर किसी को अपनी बात रखने का अधिकार है। जब मैं यूपी में मंत्री था तब वक्फ विभाग मेरे पास ही था। हर समय मुझे ऐसे लोगों से मिलना पड़ता था, जिनके संपत्ति के मामले चल रहे थे। खान ने कहा कि इसमें बहुत सुधार की जरूरत थी। यह वक्फ संशोधन विधेयक इसी दिशा में एक कदम है।

वक्फ की संपत्तियां अल्लाह की जरूरतमंदों के लिए होनी चाहिए

उत्तराखंड वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष भड़के

विरोधी पॉलिटिकल मुसलमान और इस्लाम में पुतला दहन नहीं होता

देहरादून। उत्तराखंड वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष शादाब शम्स ने कहा है कि जो लोग वक्फ (संशोधन) बिल का विरोध कर रहे हैं, वे पॉलिटिकल मुसलमान हैं। शादाब शम्स ने कहा कि इन दिनों वक्फ बिल के विरोध में पुतले दहन किए जा रहे हैं लेकिन पुतला दहन इस्लाम का हिस्सा नहीं है। उन्होंने कहा कि इस्लाम में दहन का कोई कांसेप्ट ही नहीं है। उन्होंने सवाल पूछा कि क्या अरब में दहन होता है?शादाब शम्स ने कहा कि पुतले दहन करने वाले या तो मुसलमान नहीं हैं या फिर ये पॉलिटिकल मुसलमान हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे लोग गरीब मुसलमानों को गुमराह कर रहे हैं।

ओवैसी के बाद सुप्रीम कोर्ट में अमानतुल्लाह ने दी चुनौती

नई दिल्ली। आप के नेता और विधायक अमानतुल्लाह खान ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। उन्होंने वक्फ संशोधन विधेयक की वैधता को चुनौती दी है।

'भारत कुमार' को नम आंखों से किया 'नमन'

मुंबई। मनोज कुमार के अंतिम संस्कार के पूर्व अभिनेता की पत्नी शशि गोस्वामी पति के पार्थिव शरीर से लिपटकर फूट-फूटकर रोती रहीं। 'भारत' कुमार की पार्थिव देह को मुंबई के पवन हंस श्मशान घाट पर अंतिम संस्कार के लिए अग्नि को सौंपा गया। उन्हें राजकीय सम्मान दिया गया था। इस दौरान निर्माता सुभाष घई, अभिनेता अमिताभ बच्चन और अभिषेक बच्चन, राजबब्बर और राजपाल यादव समेत बड़ी हस्तियां शामिल रहीं।

आयुष्मान भारत योजना को लेकर दिल्ली सरकार और केंद्र के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (आयुष्मान योजना) को लागू करने के लिए शनिवार को केंद्र के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए है। इसके साथ ही, दिल्ली इस स्वास्थ्य बीमा योजना को लागू करने वाला 35वां राज्य या केंद्र शासित प्रदेश बन गया है। पात्र परिवारों को 10 लाख रुपए तक का स्वास्थ्य कवर दिया जाएगा। इस योजना के तहत, दिल्ली में पात्र परिवारों को 10 लाख रुपए तक का वार्षिक स्वास्थ्य कवर मिलेगा, जिसमें से पांच लाख रुपए केंद्र और शेष पांच लाख रुपए दिल्ली सरकार प्रदान करेगी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता सहित अन्य आला नेताओं की मौजूदगी में दिल्ली सरकार और राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। समझौते पर हस्ताक्षर के बाद योजना के तहत लाभार्थियों को नामांकित करने के लिए एक विशेष अभियान शुरू किया जाएगा। हस्ताक्षर के बाद आपस ने साझा किया गया। 10 अप्रैल को एक और समझौता ज्ञापन केंद्र और दिल्ली सरकार के बीच होगा। इसके तहत केंद्र सरकार और दिल्ली सरकार को 2400 करोड़ रुपए हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए देगी।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि आयुष्मान भारत इंश्योरेंस स्कीम नहीं है, ये एश्योरेंस स्कीम है. केजरीवाल के अहम ने दिल्ली वालों को इस योजना से वंचित रखा था। ये कहते थे कि प्रधानमंत्री मोदी आपको दूसरा जन्म लेना पड़ेगा। इसी चुनाव में लोगों ने धूल चटा दी। आज अच्छा दिन है। बुरे लोगों का नाम नहीं लेना चाहता हूं।

सीएम रेखा गुप्ता ने आरोप लगाते हुए कहा कि पिछली सरकारों की साजिश की वजह से दिल्ली में आयुष्मान योजना लागू नहीं हो पायी। केंद्र और राज्य सरकार के बीच जनता कैसे पिसती थी, वो दिल्ली की जनता जानती है। दिल्ली की जानता में हाहाकार मचा था, एक बेड पर दो-दो मरीज थे, लोग मर रहे थे। आयुष्मान योजना के माध्यम से दिल्ली के लोग अपने पसंद के अस्पताल में अब इलाज करवा पाएंगे। उन्होंने ये भी कहा कि 1961 प्रकार की बीमारियों का इलाज दिल्ली वाले करवा सकेंगे। 30 हज़ार से ज़्यादा अस्पताल में दिल्ली के निवासी मुफ्त में इलाज करवा सकते हैं। पहले चरण में 2 लाख 60 हजार से ज्यादा लोगों को इससे जोड़ा जाएगा। 10 तारीख से कार्ड बंटने शुरू हो जाएंगे।

गुरुग्राम में भी फिल्म सिटी के निर्माण को लेकर प्रक्रिया जारी

पिंजौर में 100 एकड़ में जल्द बनेगी फिल्म सिटी: नायब

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

सिनेमा जगत से जुड़े कलाकारों को मिलेगा फायदा और रोजगार के नए अवसर होंगे सृजित

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सरकार ने फिल्म जगत को बढ़ावा देने और कलाकारों को प्रोत्साहन देने के लिए 2 चरणों में फिल्म सिटी बनाने का निर्णय लिया है। पहले चरण में जिला पंचकूला के पिंजौर में 100 एकड़ में फिल्म सिटी बनाई जा रही है। इसके लिए जमीन निर्धारित की जा चुकी है और इस परियोजना के लिए कंसलटेंट लगाने की प्रक्रिया जारी है। जल्द ही फिल्म सिटी का निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। दूसरे चरण में गुरुग्राम में फिल्म सिटी का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए जमीन के चयन की प्रक्रिया जारी है। इससे सिनेमा जगत से जुड़े कलाकारों को न केवल फायदा बल्कि प्रदेश में रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

मुख्यमंत्री शनिवार को महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में सिने फाउंडेशन, हरियाणा (विश्व संवाद केंद्र) तथा महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय फिल्म महोत्सव के समापन समारोह में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने श्रेष्ठ फिल्मकारों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया और विश्व संवाद केंद्र को 21 लाख की अनुदान राशि देने की घोषणा की।

सैनी ने फिल्म जगत से जुड़े कलाकारों की मांगों पर आश्वासन देते हुए कहा कि दूरदर्शन पर हफ़्ते में एक बार हरियाणवी फ़िल्म का प्रदर्शन करने के संबंध में प्रसार भारती के साथ बातचीत कर इसे शुरू करवाने का प्रयास किया जाएगा। साथ ही, दादा लखमी चंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट्स (सुपवा) को हरियाणा के प्रत्येक विश्वविद्यालय में फ़िल्म मेकिंग कोर्स शुरू करने की जिम्मेदारी दी जाएगी। इसके अलावा, हर स्कूल में थिएटर एजुकेशन शुरू करने के लिए भी सुपवा शिक्षा विभाग के साथ मिलकर इस दिशा में प्रयास करेगा।

उन्होंने सिंगल स्क्रीन सिनेमा को पुनर्जीवित करने की मांग पर आश्वस्त किया कि हरियाणा सरकार ने क्षेत्रीय सिनेमा को बढ़ावा देने के लिए फिल्म प्रोमोशन बोर्ड बनाया हुआ है। यह बोर्ड कला एवं सांस्कृतिक मामले विभाग के साथ मिलकर इस दिशा में नीति निर्धारण का काम करेगा।

उन्होंने कहा कि फ़िल्म सब्सिडी के संबंध में सरकार की नीति के अनुसार आगामी 30 दिनों में लंबित पड़े सभी 5 आवेदनों की सब्सिडी का भुगतान कर दिया जाएगा।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

स्टॉक मार्केट में रिस्क मैनेजमेंट से निवेश को रखा जा सकता सुरक्षित

संभावित नुकसान को कम किया जा सकता है, रिटर्न को अधिकतम करने में मदद मिल सकती है, जोखिम प्रबंधन तकनीकों से सूचित निवेश निर्णय ले सकते हैं, बाजार के उतार-चढ़ाव के प्रभाव को कम कर सकते हैं

स्टॉक मार्केट में रिस्क मैनेजमेंट करना बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह आपके निवेश को सुरक्षित रखने में मदद करता है। स्टॉक मार्केट एक स्वाभाविक रूप से अस्थिर वातावरण है जहां मार्केट ट्रेंड, आर्थिक स्थिति, कंपनी के प्रदर्शन और भू-राजनीतिक घटनाओं जैसे विभिन्न कारकों से जोखिम उत्पन्न हो सकते हैं। इसलिए, इन्वेस्टर्स के लिए एक अच्छी तरह से परिभाषित रिस्क मैनेजमेंट स्ट्रेटेजी होना आवश्यक है जो संभावित नुकसान को कम करने और रिटर्न को अधिकतम करने में उन्हें मदद कर सकती है। जोखिम प्रबंधन तकनीकों को लागू करके, निवेशक सूचित निवेश निर्णय ले सकते हैं और अपने पोर्टफोलियो पर बाजार के उतार-चढ़ाव के प्रभाव को कम कर सकते हैं। इस संदर्भ में, इस निबंध का उद्देश्य स्टॉक मार्केट में जोखिम प्रबंधन की अवधारणा, इसके महत्व, और निवेशक जो विभिन्न रणनीतियों का प्रभावी रूप से प्रबंधन करने के लिए उपयोग कर सकते हैं।

जोखिम प्रबंधन क्या है

जोखिम प्रबंधन यानी रिस्क मैनेजमेंट किसी गतिविधि या निवेश से जुड़े जोखिमों की पहचान, मूल्यांकन और कम करने की एक व्यवस्थित प्रक्रिया है। जोखिम प्रबंधन का मुख्य उद्देश्य इसके रिटर्न को अधिकतम करते समय निवेश पोर्टफोलियो पर जोखिमों के संभावित प्रभाव को कम करना है। स्टॉक मार्केट में रिस्क मैनेजमेंट में एक कॉमप्रिहेंसिव दृष्टिकोण शामिल है जो एक इन्वेस्टमेंट पोर्टफोलियो को प्रभावित करने वाले विभिन्न कारकों पर विचार करता है। इन कारकों में मार्केट ट्रेंड, आर्थिक स्थिति, राजनीतिक कार्यक्रम और कंपनी के प्रदर्शन शामिल हो सकते हैं। कई जोखिम प्रबंधन तकनीक हैं, जिनका उपयोग निवेशक जोखिमों को प्रभावी रूप से प्रबंधित करने के लिए कर सकते हैं। एक लोकप्रिय स्ट्रेटेजी विविधता है, जहां इन्वेस्टर अपने पोर्टफोलियो पर मार्केट के उतार-चढ़ाव के प्रभाव को कम करने के लिए विभिन्न एसेट क्लास या सिक्योरिटीज़ में अपने इन्वेस्टमेंट को फैलाते हैं. अन्य तकनीकों में हेजिंग शामिल हैं, जहां इन्वेस्टर संभावित नुकसान को ऑफसेट करने के लिए विकल्प या फ्यूचर कॉन्ट्रैक्ट जैसे फाइनेंशियल इंस्ट्रूमेंट का उपयोग करते हैं, और ऐक्टिव पोर्टफोलियो मैनेजमेंट का उपयोग करते हैं।

जोखिम प्रबंधन ऐसे करता है काम

जोखिम प्रबंधन संभावित जोखिमों की पहचान करके, उनकी संभावना और संभावित प्रभाव का आकलन करके और उन जोखिमों को कम करने या उनसे बचने के लिए रणनीतियों को लागू करके काम करता है। इसमें कई चरण शामिल होते हैं।

1. जोखिम पहचान: जोखिम प्रबंधन प्रक्रिया का पहला चरण निवेश पोर्टफोलियो को प्रभावित करने वाले संभावित जोखिमों की पहचान करना है। यह ऐतिहासिक डेटा विश्लेषण, मार्केट रिसर्च या एक्सपर्ट ओपिनियन जैसे विभिन्न तरीकों के माध्यम से किया जा सकता है।

2. जोखिम मूल्यांकन : संभावित जोखिमों की पहचान होने के बाद, उन्हें निवेश पोर्टफोलियो पर घटना और संभावित प्रभाव की संभावना के आधार पर मूल्यांकन किया जाता है। इस चरण में जोखिम की गंभीरता और इसकी घटना की संभावना का विश्लेषण शामिल है।

3. जोखिम मूल्यांकन: जोखिमों का मूल्यांकन करने के बाद, उनका मूल्यांकन उनकी प्राथमिकता और महत्व के आधार पर किया जाता है। इस चरण में यह निर्धारित करना शामिल है कि

कौन से जोखिम सबसे महत्वपूर्ण हैं और तुरंत ध्यान देना आवश्यक है।

4. जोखिम उपचार: जोखिम प्रबंधन प्रक्रिया का अंतिम चरण पहचाने गए जोखिमों को कम करने या उनसे बचने के लिए रणनीतियों को लागू करना है। यह विभिन्न तकनीकों के माध्यम से किया जा सकता है, जैसे डाइवर्सिफिकेशन, हेजिंग या ऐक्टिव पोर्टफोलियो मैनेजमेंट।

जोखिम प्रबंधन के प्रकार

1. मार्केट रिस्क मैनेजमेंट : मार्केट रिस्क मार्केट की उतार-चढ़ाव के परिणामस्वरूप नुकसान होने की संभावना है, जैसे ब्याज दरों, मुद्रास्फीति या करेंसी एक्सचेंज दरों में परिवर्तन। इस जोखिम प्रबंधन में निवेश पोर्टफोलियो पर बाजार के उतार-चढ़ाव के प्रभाव को कम करने के लिए विविधता, हेजिंग और सक्रिय पोर्टफोलियो प्रबंधन जैसी रणनीतियों का उपयोग करना शामिल है।

2. क्रेडिट रिस्क मैनेजमेंट : क्रेडिट रिस्क का अर्थ उधारकर्ता की लोन का भुगतान करने में असमर्थता के परिणामस्वरूप नुकसान को समाप्त करने की संभावना है या अन्य फाइनेंशियल प्रतिबद्धताओं को पूरा करने की संभावना है। इस जोखिम प्रबंधन में उधारकर्ताओं की क्रेडिट योग्यता का आकलन करना और डिफॉल्ट के संभावित प्रभाव को कम करने के उपायों को लागू करना शामिल है, जैसे कोलैटरल या इंश्योरेंस।

3. ऑपरेशनल रिस्क मैनेजमेंट: इंटरनल प्रोसेस, सिस्टम या लोगों में विफलताओं के कारण होने वाले नुकसान का जोखिम ऑपरेशनल रिस्क है। इस जोखिम प्रबंधन में संचालन विफलताओं के संभावित प्रभाव को कम करने के लिए नियंत्रण और प्रक्रियाओं को लागू करना शामिल है, जैसे आकस्मिक प्लानिंग या आपदा रिकवरी।

4. लिक्विडिटी जोखिम प्रबंधन: आवश्यकता पड़ने पर एसेट को कैश में बदलने में असमर्थता के कारण नुकसान की संभावना को लिक्विडिटी जोखिम के रूप में जाना जाता है। यह जोखिम प्रबंधन पर्याप्त नकदी आरक्षित रखता है और यह गारंटी देने के लिए प्रक्रियाएं रखता है कि आवश्यकता होने पर एसेट को तेजी से नकद में बदला जा सकता है।

5. प्रतिष्ठात्मक जोखिम प्रबंधन: प्रतिष्ठात्मक जोखिम कंपनी की प्रतिष्ठा या ब्रांड के नुकसान के कारण होने वाले नुकसान का जोखिम है। प्रतिष्ठात्मक जोखिम प्रबंधन में कंपनी की प्रतिष्ठा को सुरक्षित रखने के उपायों को लागू करना शामिल है, जैसे कि सोशल मीडिया की निगरानी करना और नकारात्मक फीडबैक का जल्दी जवाब देना।

6. कानूनी और नियामक जोखिम प्रबंधन: नियमों और विनियमों को तोड़ने के परिणामस्वरूप होने वाला नुकसान कानूनी और नियामक जोखिम के रूप में जाना जाता है। संबंधित कानूनों और विनियमों के अनुपालन की गारंटी देने के लिए नियंत्रण और प्रक्रियाओं को लागू करना कानूनी और नियामक जोखिम प्रबंधन का हिस्सा है।

क्या हों रणनीतियां

1. डाइवर्सिफिकेशन: डाइवर्सिफिकेशन एक स्ट्रेटेजी है जिसमें पोर्टफोलियो पर मार्केट के उतार-चढ़ाव के प्रभाव को कम करने के लिए विभिन्न एसेट क्लास या सिक्योरिटीज़ में इन्वेस्टमेंट को फैलाना शामिल है। विभिन्न सेक्टरों, भौगोलिक क्षेत्रों और मार्केट कैपिटलाइजेशन में स्टॉक की रेंज में इन्वेस्ट करके, इन्वेस्टर पोर्टफोलियो पर किसी भी एक स्टॉक या सेक्टर के प्रभाव को कम कर सकते हैं।

2. स्टॉप-लॉस ऑर्डर: स्टॉप-लॉस ऑर्डर अगर यह एक निश्चित प्राइस पॉइंट तक पहुंचता है, तो स्टॉक बेचने का ऑर्डर है। यह रणनीति उस स्थिति में संभावित नुकसान को सीमित करने के लिए इस्तेमाल की जाती है जिसमें स्टॉक की कीमत पूर्वनिर्धारित सीमा से कम होती है।

3. हेजिंग: हेजिंग में संभावित नुकसान को ऑफसेट करने के लिए विकल्प या फ्यूचर कॉन्ट्रैक्ट जैसे फाइनेंशियल इंस्ट्रूमेंट का उपयोग करना शामिल है। उदाहरण के लिए, अगर स्टॉक की कीमत कम हो जाती है, तो इन्वेस्टर संभावित नुकसान से सुरक्षा के लिए स्टॉक पर विकल्प खरीद सकता है।

4. ऐक्टिव पोर्टफोलियो मैनेजमेंट: मार्केट परिस्थितियों को शिफ्ट करने के लिए निरंतर आधार पर पोर्टफोलियो की निगरानी और बदलना को ऐक्टिव पोर्टफोलियो मैनेजमेंट के रूप में जाना जाता है। बुद्धिमानी से निवेश चयन करने के लिए, इस तकनीक के लिए मार्केट ट्रेंड, कॉर्पोरेट परफॉर्मेंस और आर्थिक डेटा का आकलन करना आवश्यक है।

5. डॉलर-लागत औसत: डॉलर-लागत औसत एक तरीका है, जिसमें मार्केट की स्थितियों के बावजूद कंपनी में नियमित अवधि में निरंतर राशि निवेश की जाती है। यह तकनीक निवेशकों को कीमतें कम होने पर अधिक स्टॉक खरीदकर मार्केट की अस्थिरता से लाभ प्राप्त करने में सक्षम बनाती है और जब कीमतें अधिक होती हैं तो कम शेयर होते हैं।

6. फंडामेंटल एनालिसिस: फंडामेंटल एनालिसिस, अपने फाइनेंशियल स्टेटमेंट, इंडस्ट्री ट्रेंड और अन्य संबंधित डेटा का मूल्यांकन करके कंपनी के अंतर्निहित मूल्य को निर्धारित करने का एक तरीका है। यह विधि उन स्टॉक को खोजने के लिए डिज़ाइन की गई है, जो सस्ते हैं और संभावित वृद्धि की संभावनाएं हैं।

बुलियन मार्केट बूम-बूम : क्या यह गोल्ड फंड में निवेश का सही समय

सुझाव | बिजनेस डेस्क

सोना यानी गोल्ड के प्रति निवेशकों का आकर्षण लंबे समय से बना हुआ है, खासकर तो ग्लोबल स्तर पर अनिश्चितता के समय में यह और बढ़ जाता है। सोने की एमसीएक्स पर कीमत 91,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के पार पहुंच गई है। सिर्फ इस साल यानी 2025 की बात करें तो इसकी कीमतों में 18 फीसदी की बढ़ोतरी आ चुकी है, जबकि साल 2024 में सोना 27 फीसदी मजबूत हुआ था। इंटरनेशनल स्तर पर, सोना 3,000 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस की महत्वपूर्ण रेंज को पार कर गया है, वहीं कुछ ब्रोकरेज हाउस ने आगे और मजबूती की संभावना जताई है। अब यह सवाल उठता है कि क्या निवेशकों को गोल्ड ईटीएफ और म्यूचुअल फंड में निवेश करना चाहिए, या यह

सोने में रैली जारी रहने की उम्मीद

बुलियन मार्केट के जानकारों का कहना है कि सोने में पिछले 15 महीने की प्रभावशाली रैली यह सोचने पर मजबूत करती है कि इस तरह की तेजी किन वजहों से आई है। यह वर्तमान में दुनिया भर में जियो-पॉलिटिकल और आर्थिक अनिश्चितताओं द्वारा संचालित टॉप प्रदर्शन करने वाला एसेट क्लास है। सोने की सेफ हैवन वाली स्थिति और मजबूत होती है, क्योंकि विशेष रूप से टैरिफ को लेकर अमेरिकी पॉलिसी, वैश्विक अस्थिरता को बढ़ाती हैं। एक प्रमुख फैक्टर केंद्रीय बैंकों द्वारा रिकॉर्ड तोड़ सोना खरीदना भी है, जिसका उद्देश्य रिजर्व में विविधता लाना और अमेरिकी डॉलर जैसी सिंगल-करेंसी एसेट्स पर निर्भरता कम करना है। यह ट्रेंड जारी रहने की उम्मीद है, जिससे निकट भविष्य से लेकर लॉन्ग टर्म में सोने की कीमतों में तेजी बनी रहेगी। जियो-पॉलिटिकल टेंशन और केंद्रीय बैंकों द्वारा अमेरिकी ट्रेजरी से दूर जाने का यह संयोजन सोने की कीमतों में तेजी के पीछे प्रमुख फैक्टर हैं। भारत में, विशेष रूप से वेडिंग सीजन के दौरान ज्वैलरी की पारंपरिक मांग, सोने की कीमतों में उछाल को बढ़ाती है। हाल ही में अमेरिकी सरकार की टैरिफ पॉलिसी ने सुरक्षित माने जाने वाले एसेट्स का आकर्षण बढ़ा दिया है। पॉलिसी को लेकर अनिश्चितता, वैश्विक संघर्ष, केंद्रीय बैंकों द्वारा सोने की खरीद और भारत व चीन में रिटेल इंटरेस्ट से प्रेरित सोने की मांग में यह स्ट्रक्चरल शिफ्ट आगे जारी रह सकता है। इसलिए सोने में निवेश किया जा सकता है।

गोल्ड फंड में निवेश

लॉन्ग टर्म निवेशकों के लिए, सोने से संबंधित एसेट्स हमेशा एक व्यवहारिक विकल्प होते हैं। शॉर्ट टर्म की प्राइस वोलेटिलिटी को कम करने के लिए सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) की सलाह है। इंडेक्स फंड, एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) और फंड ऑफ फंड सहित गोल्ड फंड, व्यापक आर्थिक अनिश्चितता के दौरान पोर्टफोलियो को स्थिरता प्रदान कर सकते हैं और महंगाई के खिलाफ सुरक्षा दे सकते हैं।

सोने में कमा लिया मुनाफा तो क्या करें

निवेशक अपने रिस्क लेने की क्षमता, निवेश की अवधि और वित्तीय लक्ष्य के अनुरूप एक डाइवर्सिफाइड पोर्टफोलियो बनाए रख सकते हैं। एलाइनमेंट सुनिश्चित करने के लिए समय-समय पर पोर्टफोलियो समीक्षा जरूरी है। फाइनेंशियल प्लानर लॉन्ग टर्म एसेट एलोकेशन पर टिके रहने की सलाह दे रहे हैं। अगर आवश्यक हो, तो फाइनेंशियल एडवाइजर के गाइडेंस में रीबैलेंसिंग किया जा सकता है। सोने को आम तौर पर एक लॉन्ग टर्म एसेट क्लास माना जाता है और उसी के अनुसार स्ट्रैटेजी अपनाई जानी चाहिए।

लंबे समय के लिए करें निवेश

- वैश्विक अनिश्चितता और केंद्रीय बैंक की खरीद के कारण सोने की कीमतें बढ़ी।
- लॉन्ग टर्म निवेशक सोने की स्थिरता और महंगाई के खिलाफ हेजिंग से लाभ उठा सकते हैं।
- एसआईपी सोने की कीमत में उतार-चढ़ाव को मैनेज करने के लिए आदर्श विकल्प है।
- एक डाइवर्सिफाइड पोर्टफोलियो बनाए रखें और रीबैलेंसिंग के लिए फाइनेंशियल एडवाइजर से परामर्श करें।
- सोना एक लॉन्ग टर्म इन्वेस्टमेंट एसेट है।

गोल्ड के प्रति निवेशकों का आकर्षण लंबे समय से बना है, ग्लोबल स्तर पर अनिश्चितता के समय में और बढ़ जाता है, सोने की एमसीएक्स पर दाम 91,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के पार हैं।

बुलियन मार्केट में निवेश करने के चरण

चरण 1 : समझें बुलियन मार्केट

1. **बुलियन क्या है?** : बुलियन सोना, चांदी, प्लेटिनम, और पैलेडियम जैसे कीमती धातुओं को कहते हैं।
2. बुलियन मार्केट कैसे काम करता है? : बुलियन मार्केट में इन धातुओं का कारोबार होता है, जहां निवेशक इन्हें खरीदते और बेचते हैं।

चरण 2: निवेश के विकल्प चुनें

1. **फिजिकल बुलियन** : सोना, चांदी, प्लेटिनम, और पैलेडियम जैसे कीमती धातुओं को फिजिकल रूप में खरीदना।
2. **गोल्ड एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड्स (जीईटीएफ)** : गोल्ड जीईटीएफ में निवेश करना, जो सोने की कीमत के अनुसार चलता है।
3. **बुलियन ईटीएफ** : अन्य कीमती धातुओं जैसे चांदी, प्लेटिनम, और पैलेडियम के ईटीएफ में निवेश करना।
4. **बुलियन म्यूचुअल फंड्स** : बुलियन म्यूचुअल फंड्स में निवेश करना, जो कीमती धातुओं में निवेश करते हैं।
5. **ऑनलाइन बुलियन प्लेटफॉर्म** : ऑनलाइन प्लेटफॉर्म जैसे कि बुलियनबाजार, पेटीएम गोल्ड, आदि पर निवेश करना।

चरण 3: निवेश करने से पहले ध्यान रखें

1. **जोखिम समझें** : बुलियन मार्केट में जोखिम होता है, इसलिए निवेश करने से पहले जोखिम को समझें।
2. निवेश के लक्ष्य तय करें : अपने निवेश के लक्ष्य तय करें, जैसे कि लंबी अवधि के लिए निवेश करना या अल्पावधि में लाभ कमाना।
3. **निवेश की राशि तय करें** : अपने निवेश की राशि तय करें, जो आपके लक्ष्यों और जोखिम सहनशीलता के अनुसार हो।
4. **निवेश के लिए समय तय करें** : अपने निवेश के लिए समय तय करें, जो आपके लक्ष्यों और जोखिम सहनशीलता के अनुसार हो।

चरण 4: निवेश करें

1. **निवेश के लिए खाता खोलें** : निवेश के लिए एक खाता खोलें, जो आपके निवेश के लक्ष्यों और जोखिम सहनशीलता के अनुसार हो।
2. **निवेश करें** : अपने निवेश के लक्ष्यों और जोखिम सहनशीलता के अनुसार निवेश करें।
3. **निवेश की निगरानी करें** : अपने निवेश की निगरानी करें और आवश्यकतानुसार समायोजन करें। इस सोने में निवेश को सही समय हो सकता है। आने वाले दिनों में इसमें और बढ़ोतरी देखने को मिलेगी।

छोटे-छोटे निवेश भी बना सकते हैं करोड़पति!

बिजनेस डेस्क

- 2000, 5000 और 10000 के मंथली निवेश करें
- लंबी अवधि का लक्ष्य लेकर चलें, पीछे मुड़कर न देखें

तेजी से बढ़ती महंगाई और भविष्य के अनिश्चितताओं को देखते हुए हर कोई बड़ा फंड इकट्ठा करना चाहता है। अगर आप भी अपने भविष्य के लिए एक बड़ा फाइनेंशियल गोल तय करना चाहते हैं तो सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान यानी एसआईपी एक बेहतरीन तरीका हो सकता है। सिर्फ सुझावों के भरोसे न रहें। खुद शेयरों का मूल्यांकन करना सीखें। एसआईपी के जरिए नियमित रूप से छोटा-छोटा अमाउंट निवेश करके आप एक दिन करोड़पति बन सकते हैं। सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान की खूबी यह है कि आप छोटा-छोटा अमाउंट का इन्वेस्टमेंट करके बड़ा फंड इकट्ठा कर सकते हैं। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे कि आप आप 2,000 रुपये, 5,000 रुपये और 10,000 रुपये की एसआईपी करते हैं और उसे हर साल 10% बढ़ाते हैं, तो 1 करोड़ रुपये का फंड तैयार करने में कितना समय लगेगा। इस कैलकुलेशन के लिए हम मानते हैं कि आपके निवेश पर सालाना आधार पर 12% का रिटर्न मिलेगा, जो लंबे समय के निवेश में लॉर्ज कैप म्यूचुअल फंड के जरिए भी हासिल किया जा सकता है।

2,000 रुपये की एसआईपी (हर साल 10% बढ़ोतरी के साथ) : यदि आप 2,000 रुपये की एसआईपी शुरू करते हैं और हर साल इसे 10% बढ़ाते हैं और उसपर 12% का सालाना रिटर्न मिलता है तो आपके पास 27 साल में 1.05 करोड़ रुपये का फंड हो जाएगा।
- टोटल इन्वेस्टमेंट अमाउंट : 29,06,399 रुपये
- एस्टीमेट रिटर्न : 75,81,135 रुपये
- टोटल वैल्यू : 1,04,87,533 रुपये

5,000 रुपये की एसआईपी (हर साल 10% बढ़ोतरी के साथ) : यदि आप 5,000 रुपये की एसआईपी शुरू करते हैं और हर साल इसे 10% बढ़ाते हैं और उसपर 12% का सालाना रिटर्न मिलता है तो आपके पास 21 साल में 1.08 करोड़ रुपये का फंड हो जाएगा।
- टोटल इन्वेस्टमेंट अमाउंट : 38,40,150 रुपये
- एस्टीमेट रिटर्न : 70,22,858 रुपये
- टोटल वैल्यू : 1,08,63,008 रुपये

10,000 रुपये की एसआईपी (हर साल 10% बढ़ोतरी के साथ) : यदि आप 10,000 रुपये की एसआईपी शुरू करते हैं और हर साल इसे 10% बढ़ाते हैं और उसपर 12% का सालाना रिटर्न मिलता है तो आपके पास 17 साल में 1.16 करोड़ रुपयेका फंड हो जाएगा।
- टोटल इन्वेस्टमेंट अमाउंट : 48,65,364 रुपये
- एस्टीमेट रिटर्न : 66,98,342 रुपये
- टोटल वैल्यू : 1,15,63,706 रुपये

गिरावट के दौरान बंद न करें एसआईपी

जब बाजार में गिरावट आती है तो कई निवेशक घबरा जाते हैं और एसआईपी बंद कर देते हैं। लेकिन वह एसआईपी जारी रखने का समय होता है, क्योंकि जब बाजार गिरता है तो कम कीमत में म्यूचुअल फंड की ज्यादा यूनिट मिलती है। लंबे समय में शेयर मार्केट हमेशा ऊपर जाता है, इसलिए गिरावट का लाभ उठाना चाहिए।

क्या है एसआईपी

एसआईपी यानी सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान, म्यूचुअल फ्रंड में निवेश करने का एक तरीका है। इसमें, निवेशक एक निश्चित राशि को पहले से तय समय पर निवेश करता है. यह निवेश साप्ताहिक, मासिक, तिमाही, अर्ध-वार्षिक, या वार्षिक आधार पर किया जा सकता है।

एसआईपी के फ़ायदे

- बाजार की अस्थिरता से बचने में मदद मिलती है।
- निवेशकों को नियमित रूप से बचत की आदत लगती है।
- कंपाउंडिंग व औसत लागत की शक्ति का लाभ मिलेगा।
- निवेशकों को अपने वित्तीय लक्ष्यों को हासिल करने में मदद मिलती है।
- निवेशकों को समयबद्ध तरीके से निवेश करने में मदद मिलती है।

हेल्थ इंश्योरेंस में सम इंश्योर्ड की अहम भूमिका

जानकारी | बिजनेस डेस्क

भास्कर नेरुरकर

अपने सम इंश्योर्ड को निर्धारित करना महत्त्वपूर्ण

यह आपको बताता है कि एमरजेंसी के समय आपके पास कितना कवरेज होगा

इंश्योरेंस में जानने लायक सबसे महत्त्वपूर्ण शब्द है सम इंश्योर्ड, हेल्थ इंश्योरेंस के संदर्भ में यह सबसे खास है. यह एक पॉलिसी वर्ष में आपके मेडिकल खर्चों के लिए आपकी इंश्योरेंस कंपनी द्वारा भुगतान की जाने वाली अधिकतम राशि को दर्शाता है। अपने सम इंश्योर्ड को निर्धारित करना महत्त्वपूर्ण है क्योंकि इससे आपको पता चलता है कि कोई बीमारी या एमरजेंसी का सामना होने पर आपके पास कितना कवरेज होगा। हेल्थकेयर की लागत बढ़ रही है, ऐसे में सही सम इंश्योर्ड होने से आप मेडिकल ट्रीटमेंट पर आने वाले अधिक बिल से बच सकते हैं। हममें से बहुत से लोगों को सही कवरेज चुनना काफी मुश्किल लगता है। बुनियादी बातों को समझकर, आप अपने हेल्थ इंश्योरेंस कवरेज के बारे में स्मार्ट निर्णय ले सकते हैं। इससे सुनिश्चित होता है कि आपके पास मेडिकल खर्चों को प्रभावी ढंग से संभालने के लिए पर्याप्त फाइनेंशियल सहायता होगी। इसलिए, सही सम इंश्योर्ड होने का मतलब है अपने अप्रत्याशित हेल्थकेयर खर्चों के बारे में अधिक चिंता से मुक्ति।

अब आइए सम इंश्योर्ड के महत्त्व को समझते हैं

1. पर्याप्त हेल्थकेयर कवरेज लें

अपने हेल्थ इंश्योरेंस के लिए सही सम इंश्योर्ड चुनना महत्त्वपूर्ण है। अगर आप बहुत कम सम इंश्योर्ड चुनते हैं, तो आपको मेडिकल बिल के लिए अतिरिक्त भुगतान करना पड़ सकता है और अगर आप इसे बहुत अधिक पर सेट करते हैं तो आपको जरूरी से अधिक प्रीमियम का भुगतान करना पड़ सकता है। सबसे अच्छा तो यह होगा कि आप ऐसा सम इंश्योर्ड चुनें, जो आपकी जरूरतों को प्रभावी रूप से कवर भी करे और बहुत अधिक महंगा भी न हो। इस तरह, आप बहुत अधिक प्रीमियम का भुगतान करने से बचते हुए यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि आपके पास अपने स्वास्थ्य खर्चों के लिए पर्याप्त सुरक्षा हो. सही संतुलन की तलाश करने से आपको फाइनेंशियल रूप से सुरक्षित रहने और किसी भी अप्रत्याशित मेडिकल खर्च या बीमारियों के लिए तैयार रहने में मदद मिलेगी। इससे आप बेफिक्र रहेंगे।

2. मन की शांति

सही सम इंश्योर्ड होने से आपको मन की शांति मिलती है। आप मेडिकल बिलों की चिंता किए बिना बेहतर होने पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। पर्याप्त कवरेज के साथ, आप लागत के बारे में सोचे बिना सर्वश्रेष्ठ हेल्थकेयर चुन सकते हैं। यानी, यह जानते हुए अपनी रिकवरी पर ध्यान केन्द्रित कर सकते हैं कि आप अप्रत्याशित खर्चों से सुरक्षित हैं। इससे आपको सुरक्षित महसूस करने में मदद मिलती है और आप इलाज के लिए भुगतान करने के तनाव के बिना तेजी से ठीक हो पाते हैं।

3. गंभीर बीमारियों के लिए कवरेज

गंभीर रोगों का सामना करते समय, इलाज का खर्च बहुत अधिक हो सकता है। कैंसर या हृदय रोग जैसी बीमारियों के लिए अक्सर महंगे उपचारों और हॉस्पिटल में लंबे समय तक रहने की आवश्यकता होती है। इसलिए अधिक सम इंश्योर्ड होना महत्त्वपूर्ण है। यह सुनिश्चित करता है कि आपके पास इन अप्रत्याशित मेडिकल खर्चों के लिए पर्याप्त कवरेज हो। पर्याप्त इंश्योरेंस के साथ, आप इलाज के लिए भुगतान करने की चिंता करने के बजाय बेहतर होने पर ध्यान केंद्रित कर पाते हैं।

4. फैमिली कवरेज

फैमिली हेल्थ प्लान चुनते समय, ऐसी कवरेज राशि चुनना महत्त्वपूर्ण है, जो हर किसी की स्वास्थ्य आवश्यकताओं को पूरा कर सके। अगर आपके परिवार में छोटे बच्चे और वृद्ध माता-पिता हैं, तो उन्हें अलग-अलग तरह की मेडिकल केयर की आवश्यकता पड़ सकती है। हर कोई सुरक्षित हो यह सुनिश्चित करने के लिए, हमेशा परिवार के प्रत्येक सदस्य की आयु, स्वास्थ्य स्थितियों और मेडिकल हिस्ट्री पर विचार करें। इस तरह, आप यह आत्मविश्वास महसूस कर सकते हैं कि आपके परिवार को उस समय सर्वश्रेष्ठ मेडिकल केयर मिलेगी, जब उन्हें इसकी सबसे ज्यादा जरूरत होगी।

5. टैक्स लाभ

उच्च मेडिकल खर्चों से आपको सुरक्षित रखने के लिए हेल्थ इंश्योरेंस महत्वपूर्ण है, और यह टैक्स लाभ के साथ आता है जिससे आपको पैसे बचाने में मदद मिल सकती है। इनकम टैक्स एक्ट के सेक्शन 80डी के तहत, आप अपने हेल्थ इंश्योरेंस पर भुगतान किए गए प्रीमियम के लिए कटौती का क्लेम कर सकते हैं. सही सम इंश्योर्ड चुनना महत्वपूर्ण है. उदाहरण के लिए, अगर आपके पास रु. 5 लाख के सम इंश्योर्ड की पॉलिसी है और आप रु. 15,000, का प्रीमियम देते हैं, तो आप इस राशि को अपनी टैक्स योग्य आय से घटा सकते हैं, जिससे आपके द्वारा देय कुल टैक्स कम हो जाता है। अगर आप अपने माता-पिता के हेल्थ इंश्योरेंस के लिए भी भुगतान कर रहे हैं, तो आप अतिरिक्त कटौती का क्लेम कर सकते हैं, जिससे आपको अधिक पैसे बचाने में मदद मिलती है. इस तरह, आप समझदारी भरा फाइनेंशियल निर्णय लेने के साथ ही अपने हेल्थकेयर और इनसे जुड़े खर्चों को सुरक्षित करते हैं। अपने हेल्थ इंश्योरेंस के लिए सही सम इंश्योर्ड चुनना महत्वपूर्ण है। यह सुनिश्चित करता है कि सबसे अधिक आवश्यकता होने पर आपको फाइनेंशियल सुरक्षा और क्वालिटी हेल्थकेयर तक एक्सेस मिले. सूचित विकल्प चुनकर, आप खुद को और अपने परिवार को अप्रत्याशित मेडिकल खर्चों और जीवन की अनिश्चितताओं से सुरक्षित करते हैं। सही सम इंश्योर्ड के साथ, आप लागत की चिंता किए बिना अपनी रिकवरी पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। आखिर में, यह मन की शांति, कॉमप्रिहेंसिव कवरेज और फाइनेंशियल स्थिरता प्रदान करता है।

(लेखक हेल्थ एडमिनिस्ट्रेशन टीम, बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस के हेड हैं।)

वर्ल्ड कप : सिफत ने भारत को दिलाया पहला स्वर्ण पदक

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय निशानेबाज सिफत कौर समरा ने अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स में चल रहे एफ निशानेबाजी विश्व कप में महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3 पोजिशन के फाइनल में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करके स्वर्ण पदक जीता। यह आईएसएसएफ विश्व कप में उनका पहला व्यक्तिगत स्वर्ण पदक है। फरीदकोट की रहने वाली 23 वर्षीय सिफत ने शुक्रवार देर रात टिरो फेडरल अर्जेंटीनो डी ब्यूनस आयर्स शूटिंग रेंज में सत्र के पहले विश्व कप में भारत को पहला स्वर्ण पदक दिलाया।

ओलंपिक चैंपियन बाहर : स्विट्जरलैंड की मौजूदा ओलंपिक चैंपियन चियारा लियोन और पूर्व ओलंपिक चैंपियन नीना क्रिस्टन शीर्ष आठ में जगह नहीं बना सकीं। कजाकिस्तान की एलेक्जेंड्रिया ले और अमेरिका की मैरी टकर जैसी ओलंपिक पदक विजेता भी क्वालीफाइंग की बाधा पार नहीं कर सकी।

458.6 अंक से पहले स्थान पर

विश्व रिकॉर्ड धारक सिफत नीलिंग पोजीशन में 15 शॉट के बाद जर्मनी की अनीता मैंगोल्ड से 7.2 अंक पीछे थी। उन्होंने हालांकि इसके बाद प्रोन और स्टैंडिंग पोजीशन में स्वप्निल वापसी करके पहला स्थान हासिल किया। सिफत 45 शॉट के फाइनल के बाद 458.6 अंकों के साथ पहले स्थान पर रही, जबकि मैंगोल्ड उनसे 3.3 अंक पीछे 455.3 अंक बनाकर दूसरे स्थान पर रही। कजाकिस्तान की जूनियर विश्व चैंपियनशिप की पदक विजेता अरीना अल्तुखोवा 445.9 के स्कोर के साथ 44वें शॉट के बाद बाहर होकर तीसरे स्थान पर रहीं।

अब तक दो पदक

भारत प्रतियोगिता के पहले दिन कोई पदक नहीं जीत पाया था लेकिन अब उसके नाम पर एक स्वर्ण और एक कांस्य पदक है और वह पदक तालिका में दूसरे स्थान पर है। भारत के लिए कांस्य पदक पुरुष 3पी में चैन सिंह ने जीता था। चीन एक स्वर्ण और एक रजत के साथ शीर्ष पर है। सिफत ने क्वालीफाइंग में 590 का स्कोर बनाकर पहले स्थान पर रहते हुए फाइनल में प्रवेश किया था।

खास खबर

धोनी के माता-पिता ने देखा मैच

चेन्नई। दिग्गज एमएस धोनी के माता-पिता पान सिंह और देविका देवी की मौजूदगी ने शनिवार को चेपक में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ चेन्नई सुपर किंग्स के आईपीएल मैच को और भी खास बना दिया। धोनी 2008 में आईपीएल के पहले सत्र से चेन्नई की टीम के साथ जुड़े है और यह पहली बार है जब उनके माता-पिता आईपीएल मैच देखने पहुंचे हैं। धोनी की पत्नी साक्षी और बेटी जीवा भी मौजूद थीं, हालांकि वे अक्सर चेन्नई में आईपीएल मैच देखने जाती हैं।

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
दिल्ली	3	3	0	6
बेंगलोर	3	2	1	4
गुजरात	3	2	1	4
पंजाब	3	2	1	4
कोलकाता	4	2	2	4
लखनऊ	4	2	2	4
राजस्थान	4	2	2	4
मुंबई	4	1	3	2
चेन्नई	4	1	3	2
हैदराबाद	4	1	3	2

ऑरेंज कैप

निकोलस पूरन
201 रन
लखनऊ

पर्पल कैप

नूर अहमद
10 विकेट
चेन्नई

खबर संक्षेप

तिलक को रिटायर्ड करना अच्छा नहीं था

लखनऊ। मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच माहेला जयवर्धने ने कहा कि

लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ आईपीएल मैच के दौरान तिलक वर्मा को रिटायर्ड आउट करना अच्छा नहीं था। जयवर्धने ने कहा, 'क्रिकेट में इस तरह की चीजें होती रहती हैं। और उसे बाहर करना अच्छा नहीं था लेकिन मुझे ऐसा करना पड़ा। यह उस समय एक रणनीतिक निर्णय था।' वह जब 23 गेंद पर 25 रन बना कर खेल रहे थे तब मुंबई की टीम ने उन्हें रिटायर्ड आउट करवा दिया और उनकी जगह मिशेल सेंटनर को भेजा गया। मुंबई की यह रणनीति हालांकि कारगर साबित नहीं हुई और उसे 12 रन से हार का सामना करना पड़ा।

निशानेबाज नीरज को दिखाया पीला कार्ड

नई दिल्ली। भारत के पुरुष 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन निशानेबाज नीरज कुमार ब्यूनस

आयर्स में आईएसएसएफ विश्व कप के फाइनल में प्रतिस्पर्धा करते समय एक अजीब स्थिति में पहुंच गए जब प्रतियोगिता में उन्हें पीला कार्ड दिखाया गया। नीरज के मामले में पीला कार्ड दिखाया जाना हैरानी भरा था क्योंकि वह आकस्मिक विस्फोट को रोकने के लिए अपनी बन्दूक को सुरक्षित करने के लिए 'बोर लॉक' का उपयोग कर रहे थे और यह ऐसी चीज है जो निशानेबाजों द्वारा नियमित रूप से किया जाता है।

कोच द्रविड़ सर का साथ मिलना सौभाग्य की बात

मुंबई। भारत के पूर्व मुख्य कोच और राजस्थान रॉयल्स के मार्गदर्शक राहुल द्रविड़ की देखरेख में खेलने वाले युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने कहा कि इस युग में उनके जैसा सहानुभूति के साथ देखभाल करने वाला इंसान का साथ मिलना सौभाग्य की बात है।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्प्ले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

आईपीएल : 15 साल बाद चेपॉक स्टेडियम में 25 रन से जीती दिल्ली

चेन्नई की घर में तीसरी हार, राहुल के अर्धशतक से दिल्ली की हैट्रिक जीत

एजेंसी ▶▶ चेन्नई

दिल्ली कैपिटल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग टी20 मैच में शनिवार को यहां चेन्नई सुपरकिंग्स को 25 रन से शिकस्त देकर मौजूदा सत्र में तीन मैचों में लगातार तीसरी जीत दर्ज की। दिल्ली ने छह विकेट पर 183 रन बनाने के बाद चेन्नई की पारी को पांच विकेट पर 158 रन पर रोक दिया। चेन्नई की चार मैचों में यह घर में लगातार तीसरी हार है। साल 2010 के बाद दिल्ली ने पहली बार चेपॉक पर जीत दर्ज की है। कैपीटल्स के लिए लोकेश राहुल ने 51 गेंद में 77 रन की शानदार पारी खेली।

चेन्नई ने 11वें ओवर में 74 रन पर पांच विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद विजय शंकर (नाबाद 69) और दिग्गज महेंद्र सिंह धोनी (नाबाद 30) ने 57 गेंद में 84 रन की अटूट साझेदारी कर हार के अंतर को कम किया। शंकर ने 54 गेंद की नाबाद पारी में पांच चौके और एक छक्का लगाया जबकि धोनी ने 26 गेंद की नाबाद पारी में एक चौका और एक छक्का लगाया। दिल्ली के लिए विप्रज निगम ने चार ओवर में 27 रन देकर दो जबकि कुलदीप यादव, मिचेल स्टार्क और मुकेश कुमार को एक-एक सफलता मिली।

84 रनों की साझेदारी बेकार

'इम्पैक्ट सब' के तौर पर उतरे शिवम दुबे ने आक्रामक रवैया अपनाने का प्रयास किया, लेकिन वो 18 रनों के निजी स्कोर पर स्पिनर विपराज का शिकार बन गए। रवींद्र जडेजा से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद थी, लेकिन वो 2 रन बनाकर कुलदीप यादव की बॉल पर चलते बने। जडेजा के आउट होने के समय चेन्नई का स्कोर 5 विकेट पर 74 रन था. यहां से चेन्नई को जीत के लिए ताबड़तोड़ बैटिंग की जरूरत थी, लेकिन विजय शंकर और एमएस धोनी कुछ खास कमाल नहीं कर सके। दोनों के बीच 84 रनों की साझेदारी जरूर हुई।

राहुल की दमदार पारी...

टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए दिल्ली कैपटल्स ने 6 विकेट पर 183 रन बनाए। अभिषेक पोरेल और केएल राहुल ने मिलकर दूसरे विकेट के लिए 54 रन जोड़कर पारी को संभाला। पोरेल ने 20 बॉल 33 रन बनाए। अक्षर और राहुल के बीच चौथे विकेट के लिए 36 रनों की साझेदारी हुई। अक्षर 21 रन बनाकर नूर अहमद की गेंद पर बोल्ड हुए। अक्षर के आउट होने के बाद समीर रिजवी ने केएल राहुल का बखूबी साथ निभाया। दोनों के बीच चौथे विकेट के लिए 56 रनों की साझेदारी हुई। समीर रिजवी 20 रन बनाकर खलील अहमद का शिकार बने। राहुल ने 51 गेंदों पर 77 रन बनाए।

स्कोर बोर्ड

दिल्ली कैपिटल्स	रन	गेंद	4	6
मैकगुर्क का अश्विन बो खलील	00	05	0	0
राहुल का धोनी बो पथिराना	77	51	6	3
पोरेल का पथिराना बो जडेजा	33	20	4	1
असर पटेल बो नूर	21	14	2	1
रिजवी का जडेजा बो खलील	20	15	1	1
ट्रिस्टन स्टब्स नाबाद	24	12	2	1
आशुतोष रन आउट (जडेजा/ धोनी)	01	01	0	0
प्रिंज निगम नाबाद	01	02	0	0
अतिरिक्त : 06, कुल : 20 ओवर में 183/6				
गेंदबाजी : खलील 4-0-25-2, चौधरी 4-0-50-0, अश्विन 3-0-21-0, जडेजा 2-0-19-1, नूर 3-0-36-1, पथिराना 4-0-31-1.				
चेन्नई सुपरकिंग्स	रन	गेंद	4	6
रविंद्र का एवं बो मुकेश कुमार	03	06	0	0
कॉन्वे का असर बो निगम	13	14	1	0
ऋतुराज का मैकगुर्क बो स्टार्क	05	04	1	0
विजय शंकर नाबाद	69	54	5	1
दूबे का स्टब्स बो निगम	18	15	1	1
जडेजा पगबाधा कुलदीप	02	03	0	0
महेंद्र सिंह धोनी नाबाद	30	26	1	1
अतिरिक्त : 18, कुल : 20 ओवर में 158/5				
गेंदबाजी : स्टार्क 4-0-27-1, मुकेश 4-0-36-1, मोहित 3-0-27-0, निगम 4-0-27-2, कुलदीप 4-0-30-1, असर 1-0-5-0				

गुजरात-हैदराबाद में मुकाबला आज

हैदराबाद। अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के कारण इंडियन प्रीमियर लीग में अपना विशेष स्थान बनाने वाले सनराइजर्स हैदराबाद के लिए उसकी यह आक्रामकता ही हार का कारण बन रही है। गुजरात टाइटंस के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले मैच में उसे अपनी इस शैली पर आत्ममंथन करना होगा। सनराइजर्स ने अपने पहले मैच में 286 रन बनाकर धमाकेदार शुरुआत की थी लेकिन इसके बाद उसके बल्लेबाजों की आक्रामकता नहीं चल पाई।

रॉयल्स ने पंजाब किंग्स को 50 रन से हराया

जायसवाल का अर्धशतक, आर्चर ने तीन विकेट झटके

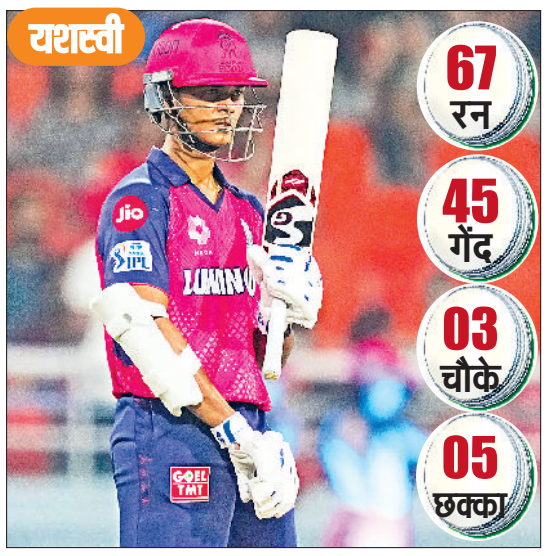

मुल्लांपुर (भाषा)। भारत के उभरते हुए स्टार यशस्वी जायसवाल (67 रन) ने समय पर फॉर्म में वापसी करते हुए बल्ले से कमाल दिखाया जिसके बाद जोफ्रा आर्चर (25 रन देकर तीन विकेट) की शानदार गेंदबाजी से राजस्थान रॉयल्स ने शनिवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में पंजाब किंग्स को 50 रन से हरा दिया। चेन्नई सुपर किंग्स को पिछले मैच में हराने वाली राजस्थान रॉयल्स की यह दूसरी जीत है तो वहीं पंजाब किंग्स को तीन मैच में पहली हार का सामना करना पड़ा। जायसवाल अभी तक तीन मैच में एक, 29 और चार रन ही बना सके थे। लेकिन इस 23 वर्षीय खिलाड़ी ने फॉर्म में वापसी करते हुए 44 गेंद में तीन चौके और पांच छक्के जड़ित शानदार पारी खेली जिससे राजस्थान रॉयल्स ने चार विकेट पर 205 रन का स्कोर खड़ा किया। जायसवाल और कप्तान संजू सैमसन (26 गेंद में 38 रन) ने पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर के गेंदबाजी करने के फैसले के बाद पहले विकेट के लिए 89 रन की साझेदारी करके राजस्थान रॉयल्स के इस सत्र की सर्वश्रेष्ठ शुरुआत दिलाई तो वहीं पंजाब किंग्स की शुरुआत काफी खराब रही जिसने पहले ही ओवर में प्रियांश आर्य और श्रेयस अय्यर के विकेट गंवा दिए। दोनों जोफ्रा आर्चर की गेंद पर बोल्ड हुए।

जामवाल ने विश्व कप के फाइनल में बनाई जगह

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत के अभिनाश जामवाल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इटली के जियानलुइगी मलंगा को हराकर ब्राजील के फोज डो इगुआकु शहर में चल रहे विश्व मुक्केबाजी कप के 65 किग्रा वजन वर्ग के फाइनल में प्रवेश किया।

इस 22 वर्षीय भारतीय मुक्केबाज ने मलंगा की पहुंच से दूर रहने के लिए अपनी लंबाई और गति का अच्छा इस्तेमाल किया। उन्होंने 5-0 के सर्वसम्मत मतों से जीत हासिल की।

पांच में से चार जजों ने जामवाल को परफेक्ट 30 अंक दिए। जामवाल इस प्रतियोगिता के फाइनल में पहुंचने वाले दूसरे भारतीय खिलाड़ी हैं। उनसे पहले गुरुवार को हितेश 70 किग्रा भार वर्ग में

फ्रांस के ओलंपियन माकन ट्राओरे को हराकर फाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय बने थे। फाइनल में हितेश का मुकाबला इंग्लैंड के ओडेल कामारा से जबकि जामवाल का स्थानीय खिलाड़ी यूरी रीस से होगा। भारत के एक अन्य मुक्केबाज मनीष राठौड़ का 55 किग्रा वजन वर्ग में अभियान सेमीफाइनल में समाप्त हो गया। उन्हें कजाकिस्तान के नूरसुल्तान अल्टिनबेक से 0-5 से हार का सामना करना पड़ा।

कुछ प्रदर्शनों के आधार पर सिराज का आकलन सही नहीं

हैदराबाद। गुजरात टाइटन्स के क्रिकेट निदेशक विक्रम सोलंकी का मानना है कि फ्रेंचाइजी में शामिल होने के बाद से मोहम्मद सिराज 'असाधारण' रहे हैं और इस तेज गेंदबाज को कुछ प्रदर्शनों के आधार पर नहीं आंका जाना चाहिए।

सिराज ने अपने पिछले आईपीएल मैच में अपनी पूर्व टीम रॉयल चैलेंजर बेंगलुरु के खिलाफ 19 रन देकर तीन विकेट झटके और पांच विकेट के साथ वह आईपीएल 2025 में अब तक गुजरात टाइटन्स के दूसरे सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज हैं। सोलंकी ने कहा, 'यह बिल्कुल वैसी ही भूमिका निभा रहे हैं, जैसी जरूरत है। वह एक बेहतरीन गेंदबाज हैं। ऐसी बातें कहना अनुचित होगा कि चीजें उनके लिए ठीक नहीं चल रही हैं। जब भी उन्हें मौका मिला है, उन्होंने बेहतरीन प्रदर्शन किया है। कभी-कभी हम बहुत से युवा क्रिकेटरों से काफी उम्मीद करते हैं। सिराज ने काफी कुछ हासिल किया है। कभी-कभी हम एक या दो प्रदर्शनों का आकलन करने में बहुत जल्दबाजी करते हैं, लेकिन जब से वह हमारे साथ जुड़े हैं, तब से वह असाधारण रहे हैं।'

न्यूजीलैंड ने किया पाकिस्तान का सूपड़ा साफ, सियर्स को 5 विकेट

एजेंसी ▶▶ माउंट मोनगानुई

सलामी बल्लेबाज राइस मारियू और कप्तान माइकल ब्रेसवेल के अर्धशतक तथा तेज गेंदबाज बेन सियर्स के पांच विकेट की मदद से न्यूजीलैंड ने शनिवार को यहां तीसरे और अंतिम एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में पाकिस्तान को 43 रन से हराकर तीन मैच की श्रृंखला में 3-0 से क्लीन स्वीप किया।

आउटफील्ड गीली होने के कारण यह मैच 42 ओवर का कर दिया गया। न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद आठ विकेट पर 264

रन बनाए। पाकिस्तान की टीम इसके जवाब में 40 ओवर में 221 रन बनाकर आउट हो गई।

सियर्स ने 34 रन देकर पांच विकेट हासिल करके पाकिस्तान को सबसे अधिक नुकसान पहुंचाया। न्यूजीलैंड की पारी का आकर्षण अपना दूसरा वनडे खेल रहे मारियू (58) और ब्रेसवेल (59) के अर्धशतक रहे। इन दोनों के अलावा डेरिल मिचेल ने 43 रन का योगदान दिया।

इस दौरान उन्होंने एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 2000 रन भी पूरे किए। पाकिस्तान की तरफ से आकिफ जावेद सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 62 रन देखकर चार विकेट लिए।

ब्राजील, पुर्तगाल और स्पेन के पूर्व फुटबॉलरों ने दी नसीहत

फुटबॉल में प्रगति के लिए ट्रेनर की शिक्षा पर ध्यान दे भारत

एजेंसी ▶▶ मुंबई

ब्राजील के 2002 विश्व कप विजेता जोस एडमिल्सन का मानना है कि भारत को फुटबाल में प्रगति के लिए अपने ट्रेनर की शिक्षा पर ध्यान देना चाहिए और युवा खिलाड़ियों की महत्वाकांक्षाओं को भी देखना चाहिए। एडमिल्सन रियल मैड्रिड और एफसी बार्सिलोना के उन स्टार खिलाड़ियों में शामिल हैं जो रविवार को यहां डीवाई पाटिल स्टेडियम में 'लीजेंड्स फेसऑफ' में खेलेंगे।

मैच में कार्लोस पुयोल, लुइस फिगो, जावी, जेवियर सावियोला, रिवाल्डो, फर्नांडो मोरिएंटेस, माइकल ओवेन और कई अन्य खिलाड़ी खेलते नजर आएंगे। मैच से पहले यहां आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में एडमिल्सन ने कहा, 'एक अच्छा फुटबॉल खिलाड़ी बनने की तकनीक हासिल करने से पहले कई तरह की चीजों से निपटना होता है। भारत को ट्रेनर की शिक्षा पर ध्यान देना होगा और बच्चों की महत्वाकांक्षाओं पर भी ध्यान देना होगा। एक अच्छा खिलाड़ी बनाने से पहले उन्हें एक अच्छा इंसान बनाना होगा। और यह बहुत महत्वपूर्ण है। कई जगहों पर बच्चे खिलाड़ी बनने का सपना देखते हैं। लेकिन इससे पहले समाज की कई समस्याओं का समाधान करना होगा।'

रोनाल्डो टफ डिफेंडर

पेपे ने कहा कि अर्जेंटीना के सुपरस्टार लियोनेल मेसी की तुलना में पुर्तगाल टीम के उनके साथी क्रिस्टियानो रोनाल्डो डिफेंडर के रूप में मुश्किल खिलाड़ी थे। उन्होंने कहा, 'मुझे क्रिस्टियानो रोनाल्डो का नाम लेना होगा क्योंकि मैं उनके साथ ट्रेनिंग करता हूं। मुझे पता है कि उनके खिलाफ कितना मुश्किल है। क्रिस्टियानो एक ऐसे फुटबॉलर रहे हैं जिन्होंने संघर्ष किया है और रियल मैड्रिड को बहुत कुछ दिया है। उन्होंने मैनचेस्टर युनाइटेड, युवेंटस, पुर्तगाली राष्ट्रीय टीम को बहुत कुछ दिया है। उन्होंने हमेशा बहुत सारे मैच जीते हैं। मुझे पता है कि उनके साथ ट्रेनिंग करना कैसा होता है। उन्होंने बहुत मेहनत की है।'

रियल-बार्सिलोना की दिखेगी प्रतिद्वंद्विता

अर्जेंटीना के सावियोला रियल मैड्रिड और बार्सिलोना दोनों के लिए खेले हैं। उन्होंने कहा कि वह भारतीय प्रशंसकों के सामने खेलने के अवसर से उत्साहित हैं। सावियोला ने कहा, 'इस प्रतिद्वंद्विता को भारतीय प्रशंसकों के सामने लाने का मौका बहुत भावनात्मक है। भले ही मैं अब पेशेवर नहीं हूं, लेकिन मैं कभी भी फुटबॉल से दूर नहीं रहता। मुझे उम्मीद है कि यह मैच भारतीय फुटबॉलरों और सपने देखने वालों की एक पूरी नई पीढ़ी को प्रेरित करेगा।'

ऋषभ पंत और दिग्वेश पर लगा भारी जुर्माना

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत पर मुंबई इंडियंस के खिलाफ शुक्रवार को यहां खेले गए इंडियन प्रीमियर लीग मैच के दौरान धीमी ओवर गति के लिए 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। किसी भी गेंदबाजी टीम के लिए 20 ओवर पूरे करने का निर्धारित समय 90 मिनट है।

लखनऊ की टीम निर्धारित समय से एक ओवर पीछे चल रही थी। इस कारण उसे अंतिम ओवर में 30 गज के बाहर एक क्षेत्ररक्षक कम रखने के लिए मजबूर होना पड़ा। इस बीच लखनऊ के स्पिनर दिग्वेश राठी पर लगातार दूसरी बार उनकी मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना

लगाया गया है। उन्होंने मुंबई के बल्लेबाज नमन धीर को आउट करने के बाद फिर से नोटबुक लिखने की शैली में जश्न मनाया। उनके खाते में एक और डिमैरिट अंक जोड़ दिया गया है। इस तरह से उनके नाम पर अब दो डिमैरिट अंक जमा हो गए हैं।'

परीक्षण ओडिशा के डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम आइलैंड पर किया गया

डीआरडीओ ने सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल का किया सफल परीक्षण

- मिसाइल प्रणाली मल्टी-फंक्शन रडार, कमांड पोस्ट और मोबाइल लॉन्चर से लैस
- हथियार प्रणाली सेना की क्षमताओं को और मजबूत करेगी

दुश्मन के विमानों, ड्रोन और मिसाइलों को नष्ट करने में सक्षम

किसी भी स्थिति में तेज और सटीक हमले करने में सक्षम

वैज्ञानिकों ने सेना अधिकारियों की सराहना की

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय सेना और रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल (एमआरएसएएम) का सफल परीक्षण किया है। यह परीक्षण 3 और 4 अप्रैल को ओडिशा के डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम आइलैंड पर किया गया। मिसाइल के चार उड़ान परीक्षण किए गए, जिनमें इसने अपने सभी लक्ष्यों को सटीक रूप से नष्ट कर दिया।

परीक्षण के दौरान मिसाइल ने लंबी और छोटी दूरी के साथ-साथ ऊंचाई पर और नीचे उड़ रहे हवाई लक्ष्यों को भी निशाना बनाया। यह हथियार प्रणाली दुश्मन के विमानों, ड्रोन और मिसाइलों को नष्ट करने में सक्षम है। इन परीक्षणों के दौरान रडार और इन्फ्रारेड ट्रैकिंग सिस्टम की मदद से उड़ान डेटा को रिकॉर्ड और सत्यापित किया गया। डीआरडीओ ने इस मिसाइल को इजराइल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज के सहयोग से भारतीय सेना के लिए विकसित किया है। यह मिसाइल प्रणाली मल्टी-फंक्शन रडार, कमांड पोस्ट और मोबाइल लॉन्चर से लैस है, जिससे यह किसी भी स्थिति में तेज और सटीक हमले करने में सक्षम है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने डीआरडीओ और भारतीय सेना की सफलता पर दी बधाई

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस सफलता पर डीआरडीओ, भारतीय सेना और रक्षा उद्योगों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह हथियार प्रणाली सेना की क्षमताओं को और मजबूत करेगी।

डीआरडीओ प्रमुख समीर वी. कामत ने भी इस उपलब्धि को काफी अहम बताया और परीक्षण में शामिल वैज्ञानिकों और सेना अधिकारियों की सराहना की।

नक्सलवाद के खिलाफ मिली बड़ी कामयाबी

86 नक्सलियों ने किया सरेंडर इनमें 20 महिलाएं भी शामिल

एजेंसी ▶▶ हैदराबाद

गृह मंत्री अमित शाह के बस्तर दौरे के बीच, तेलंगाना में 86 नक्सलियों ने हथियार डाल दिए। छत्तीसगढ़ में प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) के कुल 86 सदस्य शनिवार को तेलंगाना के भद्राद्री कोठागुडेम जिले में हेमचंद्रपुरम पुलिस मुख्यालय पहुंचे, जहां पर उन्होंने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। आत्मसमर्पण करने वालों में 20 महिलाएं शामिल हैं। चार एरिया कमेटी सदस्यों (एसीएम) सहित 86 माओवादियों ने नक्सलवाद के हिंसक रास्ते को छोड़ने का फैसला किया है, क्योंकि वह अपने परिवार के साथ शांतिपूर्ण जीवन जीना चाहते हैं।

25 हजार रुपए की सहायता दी

नक्सलियों ने मल्टी जोन-1 के पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) एस चंद्रशेखर रेड्डी के सामने आत्मसमर्पण किया है। आत्मसमर्पण करने वालों को तत्काल सहायता के रूप में 25 हजार रुपए दिए गए। भद्राद्री कोठागुडेम जिले के पुलिस अधीक्षक (एसपी) बी रोहित राजू ने बताया कि चारों एरिया कमेटी सदस्यों (एसीएम) पर चार-चार लाख रुपए का इनाम था। बताया कि नक्सलियों ने 'ऑपरेशन चेयुथा' के तहत आत्मसमर्पण किया है। नक्सलियों ने किए जा रहे विकास और कल्याणकारी पहलों के बारे में जानने के बाद आत्मसमर्पण करने का फैसला किया।

इस वर्ष 224 नक्सली कर चुके आत्मसमर्पण

पुलिस के अनुसार, इस वर्ष अब तक विभिन्न कैडर के 224 नक्सली पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर चुके हैं। उन्होंने बताया कि प्रतिबंधित सीपीआई(एम) पुरानी विचारधारा पर काम कर रहा है। आदिवासियों के बीच विश्वास और समर्थन खोने के बाद उग्रवादियों ने मुख्यधारा में शामिल होने का फैसला किया। तेलंगाना पुलिस ने माओवादियों से अपील की है कि जो भी आत्मसमर्पण करना चाहते हैं, वह अपने पारिवारिक सदस्यों के माध्यम से या व्यक्तिगत रूप से अपने निकटतम थाने या जिला अधिकारियों के पास आत्मसमर्पण कर सकते हैं।

2026 तक नक्सलवाद इतिहास होगा

नक्सलवाद का रास्ता छोड़ने के इच्छुक लोगों से तेलंगाना पुलिस ने अपील की है कि अगर वे सरेंडर करना चाहते हैं और सामान्य जीवन जीना चाहते हैं तो वे अपने परिवार के सदस्यों के जरिए या खुद ही जाकर निकटतम थाना या जिला अधिकारियों से संपर्क करें। बता दें कि केंद्र सरकार ने मार्च 2026 तक देश को नक्सली समस्या से निजात दिलाने का लक्ष्य रखा है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हाल ही में कहा था कि मार्च 2026 के बाद देश में नक्सलवाद इतिहास बन जाएगा।

कर्नाटक हाईकोर्ट ने एक सिविल अपील पर फैसला सुनाते हुए की टिप्पणी

संसद और राज्य विधानसभा यूसीसी लागू करने के लिए मिलकर करें काम, जल्द बनाएं कानून

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

कर्नाटक हाई कोर्ट ने संसद और राज्य विधानसभाओं से देशभर में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने के लिए मिलकर काम करने का आग्रह किया है। हाई कोर्ट ने सभी नागरिकों, विशेषकर महिलाओं के लिए समानता, पंथनिरपेक्षता और न्याय के संवैधानिक दृष्टिकोण को कायम रखने में इसके महत्व पर जोर दिया।

जस्टिस हंचेट संजीव कुमार की एकल पीठ ने मृतक मुस्लिम महिला शहनाज बेगम के पति और भाई-बहन के बीच संपत्ति विवाद से संबंधित एक सिविल अपील पर फैसला सुनाते हुए यह अपील की।

इस मामले ने धर्म के अनुसार पर्सनल ला द्वारा शासित उत्तराधिकार कानूनों और लैंगिक न्याय पर उनके प्रभाव के बारे में व्यापक प्रश्न उठाया है। जस्टिस कुमार ने शुक्रवार को कहा कि संविधान के अनुच्छेद 44 के तहत समान नागरिक संहिता लागू किए जाने से प्रस्तावना में निहित आदर्शों अर्थात न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुत्व और राष्ट्रीय एकता को पूरा किया जा सकेगा। देश को व्यक्तिगत कानूनों और धर्म के संबंध में समान नागरिक संहिता की आवश्यकता है। तभी भारत के संविधान के अनुच्छेद 14 का उद्देश्य प्राप्त होगा।

जस्टिस कुमार ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 44 के तहत समान नागरिक संहिता लागू किए जाने से प्रस्तावना में निहित आदर्शों अर्थात न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुत्व और राष्ट्रीय एकता को पूरा किया जा सकेगा। देश को व्यक्तिगत कानूनों और धर्म के संबंध में समान नागरिक संहिता की आवश्यकता है

यूसीसी से ही संविधान के अनुच्छेद 14 का उद्देश्य प्राप्त होगा

मुस्लिम पर्सनल लॉ भाइयों और बहनों के बीच भेद करता है

धर्म-आधारित व्यक्तिगत कानूनों से महिलाओं के साथ होती है असमानता

न्यायालय ने इस बात पर जोर दिया कि यद्यपि भारत भर में महिलाएं संविधान के तहत समान नागरिक हैं। लेकिन धर्म-आधारित व्यक्तिगत कानूनों के कारण उनके साथ असमान व्यवहार किया जाता है। पीठ ने इस असमानता को स्पष्ट करने के लिए हिंदू और मुस्लिम पर्सनल लॉ के तहत विरासत के अधिकारों की तुलना की। जहां हिंदू कानून बेटियों को पैतृक संपत्ति में समान अधिकार देता है, वहीं मुस्लिम पर्सनल लॉ भाइयों और बहनों के बीच भेद करता है। यह भाइयों को हिस्सेदार का दर्जा देता है। वहीं, दूसरी तरफ बहन को अवशिष्ट के रूप में हिस्सा पाने का अधिकार है, लेकिन हिस्सेदार के रूप में नहीं।

गोवा और उत्तराखंड जैसे राज्यों ने पहले ही समान नागरिक संहिता लागू किया

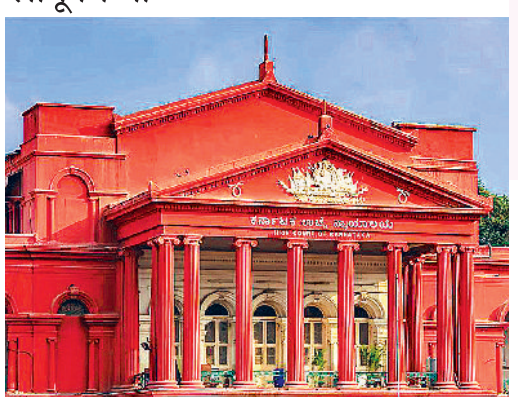

निर्णय की प्रति राज्यों को भेजें

यह देखते हुए कि गोवा और उत्तराखंड जैसे राज्यों ने पहले ही समान नागरिक संहिता लागू कर दिया है, न्यायालय ने रजिस्ट्रार जनरल को निर्देश दिया कि वह निर्णय की एक प्रति केंद्र सरकार और कर्नाटक सरकार के प्रधान विधि सचिवों को भेजें, ताकि ऐसी संहिता लागू करने की दिशा में विधायी प्रयास शुरू किए जा सकें।

खबर संक्षेप

तीन साल की बच्ची बर्ड फ्लू से संक्रमित मिली

मेक्सिको सिटी। मेक्सिको के पश्चिमी राज्य दूरांगो की तीन वर्षीय बच्ची में बर्ड फ्लू की पुष्टि हुई है। मेक्सिको में इस वायरस का यह पहला मानव मामला है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। टाइप ए एच5एन1 इन्फ्लूएंजा अमेरिका में जानवरों और कुछ लोगों के माध्यम से फैल रहा है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि बच्ची को कोआहुइला राज्य के पास स्थित टोरेऑन के एक अस्पताल में गंभीर हालत में भर्ती कराया गया है।

यूक्रेन पर रूस के हमले में 18 लोगों की मौत

कीव। मध्य यूक्रेन के शहर क्रीवी रीह में रूस द्वारा किए गए मिसाइल हमले में मारे गए लोगों की संख्या बढ़कर 18 हो गई है, जिनमें 9 बच्चे भी शामिल हैं। क्रीवी रीह यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोदिमीर जेलेंस्की का गृहनगर है। क्षेत्रीय गवर्नर सेरही लिसाक ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को हुए हमले में 61 लोग घायल हुए हैं।

मणिपुर में शांति की पहल

केंद्र सरकार ने मैतेई और कुकी समुदायों के साथ की अहम बैठक

एजेंसी ▶▶ इंफाल

मणिपुर में फैली अशांति ने पूरे देशभर की सियासत को गर्म कर रखा है। इसी बीच इस हिंसा पर विराम लगाने के लिए केंद्र सरकार अब एक्शन में आती हुई नजर आ रही है। शनिवार को केंद्र ने मणिपुर में विवादित मैतेई और कुकी समुदायों के प्रतिनिधियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस बैठक में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और दोनों समुदायों के बीच सुलह कराने पर भी जोर दिया गया। बता दें कि यह बैठक मई 2023 से शुरू हुए दोनों समुदायों के बीच चल रहे संघर्ष का समाधान खोजने के लिए आयोजित की गई थी।

शामिल हुए दोनों समुदाय के संगठन

बैठक में ऑल मणिपुर यूनाइटेड क्लब्स ऑर्गनाइजेशन (एएमयूसीओ) और फेडरेशन ऑफ सिविल सोसाइटी ऑर्गनाइजेशन (एफओसीएस) के प्रतिनिधियों वाला छह सदस्यीय मैतेई प्रतिनिधिमंडल और करीब नौ प्रतिनिधियों वाला कुकी समुदाय का प्रतिनिधिमंडल शामिल हुआ।

शांति बहाल की कोशिश में राज्यपाल

3 जनवरी को मणिपुर के राज्यपाल का पदभार संभालने वाले अजय कुमार भल्ला अब तक लोगों से मिलकर राज्य में सामान्य स्थिति वापस लाने के लिए फीडबैक ले रहे हैं। बता दें, पूर्व केंद्रीय गृह सचिव भल्ला को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने खुद चुना था। उन्हें मणिपुर जैसे अशांत राज्य में शांति बहाल करने का काम सौंपा गया था। 13 फरवरी को राष्ट्रपति शासन लागू होने के बाद राज्यपाल ने शांति बहाल करने और सामान्य स्थिति वापस लाने के लिए कई कदम उठाए हैं।

एम्पुरान निर्माता के ऑफिस पर ईडी की रेड

डेढ़ करोड़ नकदी जब्त फेमा उल्लंघन का दावा

एजेंसी ▶▶ चेन्नई

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कहा कि 4 अप्रैल को तमिलनाडु और केरल में श्री गोपालन चिट एंड फाइनेंस कंपनी लि. (गोकुल चिट फंड) के कई कार्यालयों में की गई तलाशी के दौरान 1.5 करोड़ रुपए नकद जब्त किए हैं। एएम गोपालन के स्वामित्व वाली यह कंपनी (गोकुलम गोपालन) आगामी मलयालम फिल्म एल2: एम्पुरान के निर्माताओं में से एक है। ये तलाशी विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत 1000 करोड़ रुपए के कथित विदेशी मुद्रा उल्लंघन की चल रही जांच का हिस्सा है। एजेंसी ने एक बयान में कहा कि शुक्रवार को शुरू की गई तलाशी शनिवार को समाप्त हो गई। यह कार्रवाई फेमा के तहत केरल के कोझिकोड में एक स्थान और तमिलनाडु के चेन्नई में दो स्थानों पर श्री गोकुलम चिट्स एंड फाइनेंस कंपनी प्रा. लि. के आवासीय और व्यावसायिक परिसरों में शुरू की गई।

शर्मा बोले- ट्रंप का फैसला दुर्भाग्यपूर्ण

केंद्र सरकार हितधारकों से करे बातचीत, विशेषज्ञों को लेकर बनाए टास्क फोर्स

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

वरिष्ठ कांग्रेस नेता आनंद शर्मा ने शनिवार को अमेरिकी टैरिफ को 'दुर्भाग्यपूर्ण' और 'एकतरफा' बताया। उन्होंने केंद्र सरकार से अपील करते हुए कहा कि वह अमेरिकी टैरिफ पर रणनीति बनाते समय विभिन्न राजनीतिक दलों और हितधारकों को साथ लेकर चले। उन्होंने कहा कि सरकार को राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि रखना चाहिए।

पूर्व केंद्रीय मंत्री शर्मा ने शनिवार को एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया। शर्मा ने कहा कि इस मुद्दे से निपटने के लिए विशेषज्ञों का एक टास्क फोर्स भी बनाया जाना चाहिए। शर्मा ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप द्वारा उठाया गया कदम दुर्भाग्यपूर्ण है और विश्व व्यापार के लिए एक बड़ा झटका है।

वैश्विक व्यापार में व्यवधान पैदा हुआ

कांग्रेस नेता शर्मा ने कहा कि यह गंभीर चिंता का विषय है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने एकतरफा तरीके से उच्च टैरिफ लगाए हैं। इससे वैश्विक व्यापार में बड़े पैमाने पर व्यवधान पैदा हुआ है। ट्रंप के टैरिफ से सभी छोटी-बड़ी अर्थव्यवस्थाओं पर असर पड़ेगा। ट्रंप के फैसले ने बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली को उल्टा कर दिया है। इस फैसले ने विश्व व्यापार संगठन को भी बड़ा झटका दिया है, जिस पर नियम-आधारित वैश्विक व्यापार करने की जिम्मेदारी है। उन्होंने आरोप लगाया कि ट्रंप ने सभी अंतरराष्ट्रीय समझौतों, नियमों और सिद्धांतों का उल्लंघन किया है।

इस मुद्दे पर संसद में करनी चाहिए थी चर्चा

आनंद शर्मा ने कहा कि सरकार को इस मुद्दे पर संसद में चर्चा करनी चाहिए थी। हालांकि, अब सरकार को सभी राजनीतिक दलों से बात करके उन्हें विश्वास में लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत को सेवा क्षेत्र को केंद्र में रखकर कोई भी व्यापार समझौता स्वीकार नहीं करना चाहिए, क्योंकि देश की विश्व व्यापार में बहुत अधिक हिस्सेदारी नहीं है।

जापान की सरकारी रिपोर्ट में खुलासा, प्रशांत महासागर में भूकंप की आशंका

12 लाख लोगों पर खतरा और भारी तबाही होने का अनुमान

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

जापान की सरकार ने अपनी कैबिनेट रिपोर्ट जारी कर चेतावनी दी है कि प्रशांत महासागर तट के पास बेहद भयानक भूकंप आ सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, भूकंप इतना अधिक शक्तिशाली होगा, जिससे सुनामी पैदा होगी। सुनामी के प्रचंड लहर में सैकड़ों इमारतें तबाह हो सकती है। जापान सरकार ने भूंकप और सुनामी के कारण जो तबाही का अनुमान लगाया है, वो बेहद डरावना है। आशंका जताई गई है कि भूकंप और सूनामी के कारण कम से कम तीन लाख से अधिक लोगों की मौत हो सकती है। जापान सरकार ने आशंका जताई है कि अगर सबसे खराब स्थिति बनती है तो उस दौरान 9 की तीव्रता का भूकंप आ सकता है।

- तबाही से देश को 1.81 ट्रिलियन डॉलर का नुकसान संभव

सर्दियों की रात में भूकंप आया तो मौत का आंकड़ा नीचे जाएगा

फाइल फोटो

सबसे ज्यादा भूकंप संभावित क्षेत्रों में जापान शामिल

दुनिया के सबसे ज्यादा भूकंप संभावित क्षेत्रों में जापान शामिल है। यह कांपते हुए समुद्री इलाकों वाले कैटोगिरी में रखा गया है। यहां पर समुद्री इलाकों में आने वाले भूकंप की 8 से 9 की तीव्रता की संभावना 80 फीसदी के करीब होती है।

पापुआ में 6.9 तीव्रता का भूकंप

पापुआ न्यू गिनी में शनिवार तड़के एक जोरदार भूकंप आया, जिसकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 6.9 मापी गई। यह झटका न्यू ब्रिटेन इलाके में महसूस किया गया, जिससे लोग दहशत में अपने घरों से बाहर निकल आए। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के मुताबिक, भूकंप का केंद्र किम्बे शहर से करीब 194 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में स्थित था। इसकी गहराई लगभग 10 किलोमीटर थी। वहीं, भारत के नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी ने कहा कि भूकंप का केंद्र 65 किलोमीटर गहराई पर था। यह क्षेत्र 'रिंग ऑफ फायर' का हिस्सा है, जो दुनिया का सबसे अधिक भूकंपीय और ज्वालामुखीय गतिविधियों वाला इलाका माना जाता है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109